दयालबाग में बसंत पंचमी

ऋतु बसंत आए सतगुरु जग में, चलो चरनन पर सीस धरो री।

● **ब्रजेश सहाय**

वर्ष 2026 बसंत पंचमी के पावन अवसर पर–यह मुबारक पर्व रा धा/धः स्व आ मी संवत् के हेडक्वार्टर दयालबाग तथा भारत एवं विदेशों के सतसंग समुदाय द्वारा प्रेम भक्ति एवं उमंग के साथ मनाया गया। यह पावन अवसर निष्काम सेवा के शाश्वत् आदर्श के प्रति नवीकृत समर्पण है–निःस्वार्थ सेवा का लक्ष्य तथा फल की आसक्ति बिना, कर्तव्यपालन दयालबाग जीवनशैली का प्रमुख मूल आधार हैं। दयालबाग में प्रत्येक दिन की शुरुआत भगवद् गीता के शाश्वत् संदेश के साथ होती है–

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।
मा कर्मफलहेतर्भूमा ते संगोऽस्त्व कर्माणि ।

''तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करना ही है। कर्मफल पर तुम्हारा अधिकार नहीं है। स्वयं को कर्मफल का कारण मत समझो और अकर्मण्य भी मत बनो।''

इस शाश्वत सिद्धांत से प्रेरित हो दयालबाग में कर्म एवं कर्त्तव्यपरायणता को प्रमुख महत्व दिया जाता है। यहाँ हर दिन सूर्योदय से पूर्व प्रातः 3 बजे सायरन की गूंज के साथ प्रारम्भ होता है तथा निवासियों को दयालबाग की एग्रोइकोलॉजी फील्ड्स में निर्धारित स्थल पर सेवा (निष्काम सेवा) के लिए जाने को प्रेरित करता है। इस प्रकार आध्यात्मिक अनुशासन एवं रचनात्मक कार्य यहाँ की दिनचर्या में सहज रूप से घुल मिल गए हैं, जो बसंत उत्सव का एक सुन्दर माहौल तैयार करते हैं और दयालबाग की आध्यात्मिक एवं निष्काम जीवन शैली का समर्थन करते हैं।

माघ महीना (जनवरी–फरवरी) बसंत पंचमी का मुबारक दिन हिन्दू कलेन्डर के अनुसार कृष्ण पक्ष का पाँचवाँ दिन जो बसंत पंचमी के नाम से जाना जाता है; दया व मेहर का एक पवित्र दिन तथा खुशी व परमानन्द का अगुआ माना जाता है। शीत ऋतु के उपरांत बसंत के आगमन के साथ पशु, पक्षियों, मनुष्यों एवं वनस्पति सभी में नवजीवन का संचार होता है। संतों ने भी इसे सम्पूर्ण सृष्टि के रचनाकार परम पुरुष के संसार में प्रगट होने की अत्यंत उपयुक्त ऋतु माना है

देखो देखो सखी अब चल बसन्त,
फूल रही जहँ तहँ बसन्त ।

आगरा शहर में स्थित दयालबाग के लिए बसंत पंचमी विशेष महत्व रखती है। रा धा / धः स्व आ मी संवत् के सतसंगियों के लिए यह मुबारक दिन महाआनंद एवं बिलास का दिन है। 15 फरवरी, 1861 में बसंत पंचमी के दिन इस मत के प्रथम आचार्य परम पुरुष पूरन धनी स्वामीजी महाराज ने संदेश जगत उद्धार का पहले–पहल इसी दिन फरमाया और इसी दिन आम सतसंग जारी किया।

घट में खेलूं अब बसन्त ।
भेद बताया सतगुरु संत ॥

20 जनवरी 1915, बसंत पंचमी के दिन रा धा / धः स्व आ मी संवत् के पांचवे आचार्य परम गुरु हुज़ूर साहबजी महाराज ने शहतूत का पौधा लगा कर दयालबाग की नींव रखी और इसी के साथ सतसंग की नई संस्कृति (culture) की भी नींव पड़ी। तदोपरान्त 1 जनवरी, 1916 को दयालबाग में राधा स्वामी एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (REI) सह–शिक्षा मिडिल स्कूल की स्थापना के साथ शिक्षा प्रारम्भ हुई, जो आगे चलकर दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (DEI) के रूप में जाना गया। यह शिक्षण संस्थान निरन्तर प्रगति करता हुआ आज पूर्णतः यूनिवर्सिटी के रूप में विकसित हो गया है, जो न केवल भारत में अपितु विश्वभर में प्रसिद्ध है और जिसकी सुगन्ध चारों ओर फैल

रही है।

आज आई बहार बसंत ।
उमंग मन गुरु चरनन लिपटाय ।

बसंत का उत्सव रा धा/ध: स्व आ मी संवत् के सतसंगियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बसंत की तैयारियाँ बहुत पहले से ही प्रारम्भ हो जाती हैं, जिसमें बच्चे, बूढ़े और युवा उत्साह के साथ शामिल होकर अपने घरों के आसपास के परिसर एवं सम्पूर्ण दयालबाग की सफाई करते हैं और इनको सुन्दरता के साथ सजाते हैं। सबके सम्मिलित प्रयासों से बसंत के पवित्र अवसर पर दयालबाग की शोभा अद्भुत, भव्य एवं निराली होती है। इस दिन 'जयघोषित' वर्तमान/वक्त संत सतगुरु के पवित्र चरण कमलों में बैठ प्रेम, भक्ति व आनन्द सहित आरत, पूजा-पाठ, अभ्यास और कोटि-कोटि शुकराना किया जाता है।

यह शुभ पर्व आने से पूर्व परम पूज्य 'जयघोषित' वर्तमान/वक्त संत सतगुरु प्रो. प्रेम सरन सतसंगी साहब ने अत्यंत दया व मेहर कर दयालबाग कॉलोनियों, सरन आश्रम हास्पिटल, सरन आश्रम स्कूल, दयालबाग डेरी व स्वामी बाग स्थित महापावन समाध का दौरा किया। उनकी पावन उपस्थिति से संचारित पवित्रता के स्पन्दन के साथ आध्यात्मिक आनन्द, दया मेहर एवं नई उमंग के साथ बसंत-2026 के समारोह का शुभारम्भ हुआ।

बसंत समारोह के दौरान प्रतिदिन खेतों के विभिन्न सत्रों में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 3 सप्ताह से 12 वर्ष की आयु के इवॉल्यूशनरी, री-इवॉल्यूशनरी, जेन्डर फ्री सुपरह्यूमेन स्कीम के बच्चों ने सामूहिक रूप से जाप किया तथा सांकृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया। इन कार्यक्रमों में शारीरिक व्यायाम तथा आत्म सुरक्षा प्रदर्शन शामिल थे, जो समन्वय पूर्ण आध्यात्मिक अनुशासन के साथ सम्पन्न हुए। जिससे दयालबाग में पोषित शारीरिक, नैतिक एवं आध्यात्मिक विकास की सम्पूर्ण पद्धति प्रतिलक्षित होती है।

इन गतिविधियों के दौरान सम्मिलित रूप से प्रेरणात्मक नारे 'Bravo Supremal Octavo' (ब्रावो सुप्रीमल ऑक्टेवो) लगाए जाते हैं और रा धा/ध: स्व आ मी नाम चारों दिशाओं में गुंजायमान हो जाता है; जिससे उमंग, उत्साह एवं आध्यात्मिकता की लहर लहरा उठती है।

मोहि मिल गए रा धा/ध: स्व आ मी पूरे संत ।
अब बाजत हिये में धुन अनन्त ।।

बसंत के पावन अवसर पर दयालबाग में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम जैसे-बेबी शो, फैन्सी ड्रेस शो, जिमनेस्टिक्स प्रदर्शन तथा स्पोर्ट्स आदि आयोजित किए गए, जिनमें बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

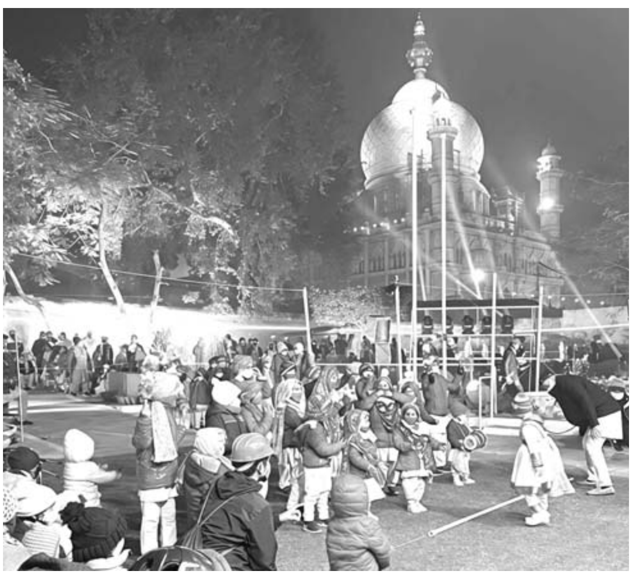

आज आया बसंत नवीन ।
सखी री खेलो गुरु संग फाग रचाय ।।

बसंत के मुबारक दिन भारत एवं विदेशों की सतसंग कॉलोनीज को सजावटी बल्बों की लड़ियो से अलंकृत कर रात्रि में रोशनी की गई। पर्यावरण संरक्षण जागरुकता के परिपेक्ष्य में मोमबत्ती एवं दीपों के स्थान पर सौर ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा से प्रकाशित LED लाइट्स का प्रयोग किया गया। इस प्रकार वर्ष 2026 का बसंत उत्सव दयालबाग में आध्यात्मिकता, अनुशासित सामूहिक जीवन तथा हर्षप्रद सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के साथ मनाया गया। बसन्त का पर्व निष्काम सेवा, सादा जीवन, परम पिता के पितृत्व एवं मानव के भ्रातृत्व भाव का समर्थन करता है, जो दयालबाग जीवन शैली को परिलक्षित करते हैं।●

शिक्षाविद् रामचंद्र सिंह के निधन पर पूरे मसौढ़ी में शोक की लहर

● श्रीकांत कुमार श्रीवास्तव

पूरे मसौढ़ी में शिक्षा के क्षेत्र में मशहूर शख्सियत का निधन बीते दिन सुबह तीन बजे पटना के मेदांता अस्पताल में हो गया। इस खबर को सुनते ही पूरे मसौढ़ी में शोक की लहर छा गई। उनके शव यात्रा में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। उसके बाद उनके पैतृक आवास आमखोरी नवादा ले गए। गौरतलब है कि दिवंगत वरीय शिक्षाविद् रामचंद्र सिंह, जिन्होंने मसौढ़ी जैसे ग्रामीण क्षेत्र में पहली बार छात्र और छात्राओं को एक साथ बिठाकर कोचिंग की शुरुआत की थी। उस समय सभी कोचिंग क्लासेस लड़का और लड़कियो के लिए अलग-अलग बैच की व्यवस्था करते थे। इसके अलावा मैट्रिक परीक्षार्थियों के लिए 35 दिनों की कक्षा की शुरुआत की थी। उस समय में सभी को एक साथ एक कक्षा में पढ़ाना बहुत बड़ी बात थी। उस दौर में इन्होंने यह शुरुआत कर शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाई थी। 1977 से मसौढ़ी का श्रीमती गिरिजा कुंवर हाई स्कूल के

शिक्षक रहे हैं। पूरे मसौढ़ी में इनके हिंदी और मगही गीत गायन के लोग कायल रहे हैं। शिक्षाविद् रामचंद्र सिंह सर बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति रहे हैं और आजीवन समाज के लोगों की सेवा में जुटे रहे। हजारों विद्यार्थियों के जीवन को उन्होंने नई दिशा एवं दशा दी। उनके बड़े पुत्र राहुल चंद्र ने बताया कि श्रीमती गिरिजा कुँवर होई स्कूल के शिक्षक रहते हुए विद्या कोचिंग सेंटर, विद्या एजुकेशन और विद्या ग्राम छात्रावास, हासाडीह के माध्यम से उन्होंने शिक्षा को एक आंदोलन बनाया और आजीवन शिक्षा का अलख घर-घर तक पहुँचाते रहे। उन्हें अंतिम विदाई देने डॉ० सुनील गावस्कर, डॉ० राम जयपाल, डॉ० मंगल, डॉ० सुधीर कुमार, आचार्य विश्वरंजन, जदयू नेत्री कुमारी खुशबू रानी, मुखिया चंदन भारती, उज्ज्वल कुमार, अश्विनी उर्फ गोल्डी समेत हजारों लोगों की संख्या में लोग पहुँचे। विद्या एजुकेशनल ग्रुप के निदेशक राहुल चंद्रा सर अपने पिता के सपनों को नया आयाम देने में प्रतिबद्ध हैं। इसी कड़ी में आगे बढ़ते हुए राहुल चंद्रा सर विद्या ग्राम छात्रावास, हासाडीह में शुरू किया है, जहाँ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करायी जाती है। जैसे-बिहार पुलिस दारोगा, SSC, रेलवे, BPSC आदि। कुछ ही महीना पहले हासाडीह में ही पॉलटेकनिक कॉजेज में पढ़ाई शुरू हुआ है। जहाँ गरीब विद्यार्थियों के लिए स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना उपलब्ध है।●

प्रकाश पुंज पब्लिक स्कूल में फेयरवेल का आयोजन

● श्रीकांत कुमार श्रीवास्तव

स्थानीय बरनी अवस्थित प्रकाश पुंज पब्लिक स्कूल , बिरंची में वर्ग दशम के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया । सुखद यादों, चिंतन और भविष्य के लिए शुभकामनाओं से भरा यह कार्यक्रम छात्राओं के लिए काफी सराहनीय रहा । कार्यक्रम का उद्घाटन पी०पी० शैक्षणिक समूह के चेयरमैन डॉ० अभिराम सिंह एवं प्राचार्य ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया । इस दौरान छात्राओं द्वारा स्वागत गान से सभी आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया गया । साथ हीं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया । बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए डॉ० सिंह ने कहा कि इस देश को आप जैसे बुद्धिमान युवाओं की आवश्यकता है । सफलता आपके रास्ते में होगी। यहां जो आपने सीखा वह आपकी जिंदगी थी, अब आगे आने वाला समय आपके संघर्ष भरे होंगे । इस दौरान प्राचार्य ने छात्र-छात्राओं को शुभकामना संदेश देते हुए कहा कि आपका आज का किया गया मेहनत आपकी आने वाली भविष्य की रूपरेखा तैयार करेगी। मेरी शुभकामनाएं आपके साथ हैं। आप जिंदगी में काफी तरक्की करें ,यही मां सरस्वती से कामना है। सभी आए हुए आगंतु अतिथियों का विद्यालय परिवार द्वारा मोमेंटो एवं शाल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आर एस मिश्रा, वरिष्ठ शिक्षक सुबोध कुमार सहित सभी शिक्षक शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे।●

मगही महोत्सव में गूंजी मातृभाषा की मिठास

● श्रीकांत कुमार श्रीवास्तव

लोकगायन कविता ने श्रोताओं का मन मोहा एवं सभी लोग मातृभाषा मगही महोत्सव की मिठास में झूम उठे। मगही उत्थान कला परिषद् के तत्वाधान में मसौढ़ी पांचवां मगही महोत्सव उत्साह और सांस्कृतिक रंगों के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम को आयोजन स्व० उपेन्द्र प्रसाद की स्मृति में श्रीकृष्ण नर्सिंग होम परिसर में किया गया। मगही महोत्सव की अध्यक्षता नवल भारती ने किया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रोफेसर सुबोध कुमार, डॉ. दिलीप कुमार, चंद्रिका शर्मा एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ० राम जयपाल सिंह ने संयुक्त रूप किया। महोत्सव मे मगही भाषा, साहित्य संस्कृति, लोककला और इतिहास पर केंद्रित विचार-विमर्श के साथ-साथ सांस्कृतिक, प्रस्तुतियां भी हुई। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि मगही भाषा में विशेष मिठास है। इसके लिए मातृभाषा के प्रति लोगों में मातृभाषा जुड़ाव बेहद जरूरी है। मगही एक समृद्ध भाषा है और मगध की पहचान विश्वभर में है। इस अवसर पर डॉ० प्रवीण कुमार जेनरल एवं कैंसर सर्जन विशेषज्ञ उपस्थित रहे। मसौढ़ी शहरवासियों के लिए अब कैंसर सर्जरी के लिए मसौढ़ी में ही गोडमातृत्व एवं सर्जरी क्लीनिक में सर्जरी की सुविधा उपलब्ध है। मसौढ़ी के बिरंची रोड, हनुमान नगर मुहल्ला में न्यूरोसाइकिट्रिस्ट एवं फिजीशियन डॉक्टरों की टीम भी उपलब्ध हैं। जहाँ उचित एवं सही ईलाज किया जाता है। इस अवसर पर डॉ. सुप्रिया कुमारी न्यूरोसाइकियाट्रिस्ट, डॉ० अखिल पियूष, जेनरल एवं क्रिटिकल केयर फिजीशियन, डॉ० स्वेता सिन्हा, स्त्री रोग विशेषज्ञ उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि आज उमड़ी भीड़ यह बताती है कि लोग मगही के संरक्षण और विकास को लेकर सजग और सक्रिय हैं। मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ० दिलीप ने मगही में संबोधन देते हुए

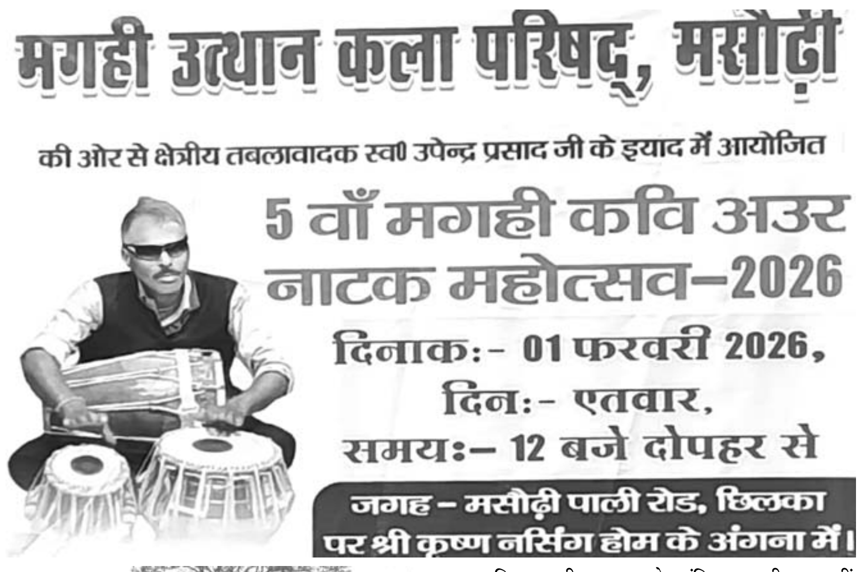

कहा कि मगही भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किए जाने की पूरी पात्रता है। उन्होंने इंस मांग को लेकर उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है और सरकार इस दिशा में सकारात्मक पहल कर रही है। मगही महोत्सव के दौरान लोकगायन की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। छोटे-छोटे बच्चों ने 'बेटी बेचवा' नाटक से दर्शको को भावुक कर दिया एवं समाज का सजी चित्रण मंच पर किया। इस कार्यक्रम में डॉ. नागेशर होम्योपैथिक, मशहूर लोक कलाकार, संतोष तूफानी सहित सैकड़ों लोगों ने शिरकत किया।●

मसौढ़ी ने मोकामा को 2-1 गोल से हराया

● श्रीकांत कुमार श्रीवास्तव

गणतंत्र दिवस के अवसर पर मसौढ़ी के गांधी मैदान में स्वतंत्रता सेनानी स्व० फुलेना पांडे की स्मृति में आयोजित 49वाँ एकदिवसीय फुटबॉल टुर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेला गया। रोमांचक मुकाबले में फ्रेंड्स क्लब मसौढ़ी ने इलेवन स्टार क्लब मोकामा को 2–1 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। मैच के शुरुआती दौर में फ्रेंड्स क्लब मसौढ़ी के खिलाड़ियों ने लगातार दो गोल दागकर बढ़त बना ली। इसके बाद, इलेवन स्टार क्लब मोकामा ने जोरदार वापसी करते हुए एक गोल किया, लेकिन बराबरी नहीं कर सके। इस फुटबॉल मैच के अंत तक मुकाबला बेहद रोमांचक बना रहा।

इस मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष अंजू देवी, विशिष्ट अतिथि एवं पूर्व विधायक रेखा देवी, फुलवारीशरीफ, पूर्व विधायक गोपाल रविदास नगर परिषद् मसौढ़ी की मुख्य पार्षद पिंकी देवी, मसौढ़ी विधायक अरुण मांझी,

मौजूद रहे। समारोह के दौरान फ्रेंड्स क्लब मसौढ़ी के कोच प्रमोद कुमार सिंह, क्लब अध्यक्ष धर्मवीर प्रसाद एवं सचिव संतोष कुमार ने टीम की जीत पर खुशी जाहिर की। मैच के समापन पर विजेता और उपविजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डी.डी. न्यूज के वरिष्ठ पत्रकार आलोक कुमार ने किया। इस मौके पर पूर्व मुख्य पार्षद पंकज कुमार सिंह, डॉ० प्रवीण कुमार (जेनरल एवं कैंसर सर्जन विशेषज्ञ), डॉ० सुधीर कुमार, डॉ० नागेशर होम्योपैथिक मसौढ़ी, शिक्षक कृष्णा सिंह, रजनीश कुमार सहित सैकड़ों खेल प्रेमियो एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। डॉ० सुधीर कुमार प्रख्यात चिकित्सक ने कहा कि खेल में हार–जीत तो होती ही है लेकिन हमें अपना हौशला हमेशा बनाए रखना चाहिए ताकि बेहतर खेल प्रदर्शन करके जीत दर्ज कर सके। बेहतर खेल प्रदर्शन के लिए सतत् अभ्यास सही मार्गदर्शन में करना बेहद जरुरी है। स्वामी विवेकानंद ने ठीक ही कहा है कि 'यदि तुम ठीक ढंग से फुटबॉल नहीं खेल सकते हो तो तुम गीता के मर्म को भी नहीं समझ सकते हो'।●

डॉ. अरूण कुमार मंडल के निधन से पूरे चिकित्सा जगत में शोक की लगर

● श्रीकांत कुमार श्रीवास्तव

रेड क्रॉस सोसाइटी के पूर्व अध्यक्ष एवं जनजागरण मंच के संस्थापक अध्यक्ष डॉ० अरुण मंडल का निधन इलाज के दौरान हो गया। वे पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे थे। उनका इलाज I.G.I. M. S. में चल रहा था। इनके पिता आर०पी० मंडल पटना हाईकोर्ट के जज रहे हैं। डॉ. अरुण कुमार मंडल सुप्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ और लोकप्रिय समाजसेवी रहे हैं। उनके निधन की खबर सुनते ही मधेपुरा समेत पैतृक गांव मुरहो में शोक की लहर दौड़ गई। वे अपने पीछे बड़े पुत्र डॉ० मनीष मंडल एवं छोटे पुत्र आशीष मंडल पूरे परिवार को छोड़ गये। उनके निधन की खबर सुनते ही पूर्णिया सांसद पप्पू यादव एवं बिहार सरकार में शिक्षा मंत्री रहे डॉ. चंद्रशेखर भी उपस्थित रहे। उनके निधने पर डॉ० मिथिलेश कुमार, डॉ० भीम नारायण यादव, डॉ० सुरेश भूषण, डॉ० रविन्द्र कुमार, डॉ० बी.एन. भारती समेत अन्य चिकित्सकों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त किए हैं।●

संस्कार से लैस पुलिस होती है धरती का भगवान

फतुहा में के.के. साहु, रघुनाथ सिंह ने थाना का सुरत बदल दिया और सदानन्द ने सुरत बदलने के लिए ठान लिया है...

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

वाह बिहार की पुलिस और उसकी व्यवस्था। आज कितना बदलाव आया है कि पुलिस की छवि उग्रवादी संगठनों जैसी बन चुकी है समाज को सुरक्षा देने वाली पुलिस को मकनउ ही आज आम नागरिक को पसीने छूटने लगते हैं। पांच दशक पूर्व महिलाएं कोलकाता से पेशावर तक घूम लेती थी,उस महिला की तरफ आंख उठाकर देखने की हिम्मत किसी को नहीं होती थी। पुलिसकर्मी Spotify होते थे समाज के बड़े लोग हो या छोटे उसे पकड़ने में अपने प्राणों की बाजी तक लगा देते थे। संस्कारों से लैस पुलिस अपने कर्तव्य के प्रति इतने वफादार होते थे होते थे। संस्कारो से लैस पुलिस अपने कर्तव्य के प्रति इतने बफादार होतें थे कि सफेद पोस तथा कथित लोगों को बेनकाब पल भर में कर डालते थे। लेकिन आज की पुलिस के पास सिर्फ सिर्फ वर्दी है, संस्कार नहीं। यदि बगैर मूर्ति के मंदिर हो तो किसी आराधना करेगें। संस्कारविहीन पुलिस का ही नतीजा है कि पहले एक चौकिदार से अपराधी जितना भय खाता था, आज बड़े-बड़े अधिकारियों से भी नहीं डरता है। आज जहां कभी अपराध नहीं हुए थे वहां भी आज मां बहनों की इज्जत लूटी जा रही है, अकारण झूठे मुकदमों में फंसा कर हालात के अंदर में कैद किया जा रहा है। आज अपराध में शने हाथों वाले ही थाने के मुखबिर बनाए जाते हैं। संस्कार से लैस पुलिस कर्मियों को भी नहीं भुलाया जा सकताहै। जो वर्तमान व्यवस्था में भी आदर्श बनकर आए हैं। ऐसे पुलिस कर्मियों से अन्य पुलिस कर्मियों को प्रेरणा लेनी चाहिए। पुलिस कर्मियों में स्वर्गीय किशोर कुणाल, किरण बेदी, गौतम, रत्न संजय का नाम प्रत्येक नागरिकों के जवान पर घूमता रहता है। पतुहा थाना में नवल सिंह, जितेंद्र सिंह यादव ईम के कारण चार/पांच महीना से ज्यादा नहीं रहे। के.के. साहु, रघुनाथ सिंह, लक्ष्मण पासवान, के के साहु, बर्तमान में सदानंद शाह, नवल सिंह जिसने किसी निर्दोष को जेल नही भेजा। उनके समय फतुहा, दनीयावा, खुसरुपूर, शाहजहाँ पुर, नदी थाना एक ही था फतुहा थाना। उनहोंने रात्रि में स्वयं पेट्रोलियम करते थे। के के साहु के पदस्थापन के समय सुर्य अस्त होते ही सभी दुकान बंद हो जाता था। कारण था कि

दुकानदार मारे गए थे। उनके पदस्थापन के दिन से ही ग्राहक रहने के समय तक दुकान खुला रहने लगा। रघुनाथ सिंह उनहोंने अपराधियों पर ऐसा नकेल कसें कि सारा अपराधी कुछ नैपाल में, कुछ उत्तर प्रदेश में शरण ले लिया। लक्ष्मन पासवान वे प्रभारी नहीं थे, अनुसंधान करने में काफी मेहनत करते थे। जानवर चोरी को पकड़ने के लिए एक सप्ताह मजदूर बनकर कराय थाना के गाँव में घुमते रहे । मेहनत रंग लाया एक दिन कराय थाना क्षेत्र में छापा मारी किया 32 जानवर को बरामद किया। बर्तमान में थाना अध्यक्ष सदानंद शाह है। इनमें कुछ अलग ही सोंच है। कर्तव्य के प्रति ईतने बफादार है कि गलती बर्दाश्त नहीं कर सके अपने दो अपने स्टाप को भी जेल भेज दिया। बताया जाता है कि स्वयं नहीं लेते हैं और नहीं लेने देते हैं साथ ही निर्दोष को जेल नही भेजते हैं। एक और शुरुआत किया कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर माननीय लोगों को सम्मानित भी किया फतुहा नगर अध्यक्ष रुपा कुमारी, नगर उपाध्याक्ष अंजनी कुमारी, वरिष्ट पत्रकार अरुण कुमार पाण्डेय, फिटन जी, डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल, दंत चिकित्स डॉ राजीव, बीडीओ फतुहा, सीओ फतुहा, नगर कार्यपालक पदाधिकारी, सगींता देवी पूर्व नगर अध्यक्ष 600 छात्रो को कॉपी दिया। 300 थाना में तथा सैदपुर मे विकास मित्र ज्ञान प्रकाश के पास छात्रों को। ऐसे कार्य का शुरुआत लोगों ने सराहनीय कदम बताया। इस अवसर पर थाना अध्यक्ष को ममता पटेल ने मद्दभागवत गीता भेंट किया। ●

सांसद रविशंकर जी प्रशासन और पदाधिकारियों को संविधान का पाठ पढाए

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने सांसद रविशंकर प्रसाद को कहा है कि अपने ससंदीय क्षेत्र के सभी प्रखंडों में कम से कम एक एक दिन अनिवार्य बैठक करें और पदाधिकारियों एंव पुलिस प्रशासन को संविधान का पाठ पढाएं कि आप जनता के मालिक नहीं सेवक है। डॉक्टर पटेल ने कहा कि आज लोकतंत्र की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि जनता लाइन में खड़ी रहती है और आधिकारिक कुर्सी पर अकड़ कर बैठे रहते हैं। यह व्यवस्था संविधान के अनुच्छेद 14 समांतर अनुच्छेद 21 गरिमा के (साथ जीवन) और अनुच्छेद 38 सामाजिक न्याय का खुला उलघन है। फटा कपड़ा पहने वाला भी मालिक है। उन्होंने दो टुक कहा कि यदि कपड़ा फटा पहन कर आता है तब भी वह मालिक है। जनप्रतिनिधी और अधिकारी खड़ा होकर मालिक को नमस्कार करना चाहिए क्योंकि वह उसी की टैक्स, वोट और भरोसे से कुर्सी पर बैठे हैं। आज हालात यह है कि जनता को अपमानित किया जाता है, घंटो खड़े रखा जाता है। आवेदन को ठुकराया जाता है। दलालों के बिना काम नहीं होता है। यह लोकतंत्र नहीं अफसरशाही का आतंक है। डॉ० लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने रविशंकर प्रसाद जी को कहा कि पुलिस को विशेष निर्देश की जरूरत है। डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने पुलिस व्यवस्था पर तीखा हमला करते हुए कहा कि थाना आज न्याय का मंदिर नहीं, भय का केन्द्र बन गया है। उन्होंने संसद को सुझाव दिया कि पुलिस विभाग को स्पष्ट निर्देश दिया जाए कि पुलिस का मालिक जनता है नेता या दलाल नहीं। थाने में आने जाने वाले नागरिकों को सम्मानपूर्वक खड़ा होकर नमस्कार किया जाए। एक भी व्यक्ति निर्दोष व्यक्ति को जेल भेजा गया तो जिम्मेदार पुलिसकर्मी पर आईपीसी, सीआरपीसी और विभागीय कारवाई हो। राष्ट्रीय अपराधी रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार देश की जेलों में में लगभग 75% विचाराधीन कैदी है। इनमें से बड़ी संख्या निर्दोष है जो वर्षो से न्याय की प्रतीक्षा में कर रही है। यह न्याय नहीं संवैधानिक अपराध है। डॉ पटेल ने कहा कि जनता की समस्या का समाधान कोई एहसान नहीं है या संवैधानिक कर्तव्य जो अधिकारी जनता को दौड़ाता है वह संविधान का अपमान करता है। सांसद महोदय आप हर प्रखंड में जनता दरबार की समय सीमातय करें। शिकायत की निस्तारण की समय सीमा तय हो। लापरवाही पर सीधी दंडात्मक कार्रवाई हो। संसद से सीधी अपेक्षा हरेक प्रखण्ड में सर्वदलीय दो कमिटी हो एक महिला कमिटी और दूसरा पुरुष कमिटी। कमिटी को निर्देश दे कि सभी विभागों से सरकारी योजनाओं से लाभान्वित लोगों का सूची उपलब्ध कर सार्वजनिक करे। इससे भ्रष्टाचार का पर्दाफाश होगा। लाभार्थियों का सूची न दे तो सर्वदलीय धरना प्रदर्शन करें। सभी प्रखण्ड और जिला अधयक्ष को सुझाव और सहयोग दें कि सरकारी योजनाओं का हर घर पहुचाएं।●

ऑनलाइन पढ़ाई नहीं, अंधापन थोपा जा रहा है

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

आज देश के स्कूलों में मासूम बच्चों को मोबाइल की स्क्रीन के सामने घंटों बैठने को मजबूर किया जा रहा है। चिकित्सकीय रूप से सिद्ध है कि मोबाइल, टैब और लैपटॉप से निकलने वाली ब्लू लाइट बच्चों की आंखों के लिए अत्यंत खतरनाक है। आंखों की रोशनी कमजोर होना, सिर दर्द चक्कर मानसिक थकान,नींद की समस्याएं और चिड़चिड़ापन, कम उम्र में चश्मा, आगे चलकर अंधेपन का खतरा, यह सब जानते हुए भी बिहार के स्वास्थ्य मंत्री, प्रशासन चुप्पी साधे बैठे है। यह चुप्पी लापरवाही नहीं, अपराध है। जब शराब ,तंबाकू, पर चेतावनी लिखी जा सकती है, तो मोबाइल से पढ़ाई पर चेतावनी क्यों नहीं? क्या बच्चों को प्रयोगशाला समझ लिया है। क्या शिक्षा के नाम पर उनकी आंखों की बलि दी जा रही है। कानून और संवैधानिक सवाल? संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन और स्वास्थ्य का अधिकार। भाजपा मीडिया प्रभिरी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने मांग किया था कि ऑनलाइन पढ़ाई की अधिकतम समय सीमा कानून तय की जाए। हर स्कूल में नेत्र जांच अनिवार्य हो? स्वास्थ्य विभाग द्वारा सार्वजनिक चेतावनी जारी की जाए।●

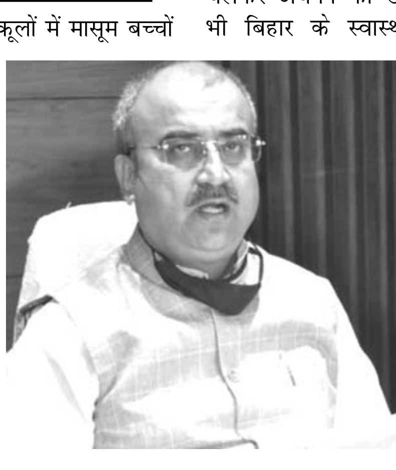

नारा, माला, फोटो से नहीं चलेगा बिहार

भ्रष्टाचार के विरुद्ध आन्दोलन कब प्रदेश अध्यक्ष महोदय

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

बिहार में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी की भुमिका क्या सिर्फ तीन कामो तक सिमट कर रह गई है। कार्यकर्ताओ से नारा लगवाना, माला पहनाना और फोटो खिंचवाना? यह सवाल आज हर जमीनी कार्यकर्ता और आम नागरिक पूछ रहा है। भारतीय जनता पार्टी की ताकत उसका कैडर है, और केडर का काम सिर्फ भीड़ बनना नहीं? घर-घर जाकर सरकर की योजनाओं को पहुंचाना और भ्रष्टाचार के खिलाफ डटकर खड़ा होना है। प्रधानमंत्री मंत्री नरेंद्र मोदी ने शपथ ग्रहण करने के समय साफ कहा था कि भ्रष्टाचार देश को खोखला कर रहा है। सबो को आगे आना होगा। फिर बिहार के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी के अगुवाई में धरना, प्रदर्शन, जन आंदोलन जिला, प्रखंड स्तर

पर जवाबदेही अभियान क्यों नहीं दिखता? योजनाओं का लाभ कागजों में लाभार्थियों तक पहुंचना चाहिए और यह काम संगठित कार्यकर्ताओं से ही करवाया जा सकता है। केंद्र वाह राज्य के कल्याणकारी योजनाओं में लगभग 300 से ज्यादा चढ़ाई जा रही है। बिचौलियातंत्र आज भी बड़ी चुनौती है। आवेदन बढ़ते हैं पर निसतारण की गति धीमी क्यों। बिहार प्रदेश के अध्यक्ष को सवैधआनिक-नैतिक जीम्मेदारी है कि संगठन को आंदोलनकारी मोड़ में लाएं। हर मंडल में जागरूकता शिविर। हर जिला मे भ्रष्टाचार विरोधी धरना शिवर, प्रदर्शन दोषियों पर कानूनी कारवाई के लिए सार्वजनिक दबाव। मोदी जी के गरीबों के लिए बड़ी योजना है वगैरह सिक्योरिटी के 20 लाख रुपये बैको से दिलवाना तथा प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक आंदोलन खड़ा करना। वरना इतिहास है कि जो नेतृत्व जमीन से कटता है, जनता जमीन से कटता है। अध्यक्ष महोदय जनता के सेवक है। कार्यकर्ताओ का मोबाइल उठाना सीखे। ●

बिहार भाजपा में दो सिद्धांत : एक सत्ता का दूसरा राष्ट्र का

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा आज एक चौराहे पर खड़ी है यह कहना कड़वा है लेकिन सच है। भाजपा के भीतर दो किस्म के लोग साफ दिखाई दे रहे हैं। पहले वर्ग सत्ता, सुख का? यह वह वर्ग है जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की जनकल्याणकारी योजनाओं से कोई सरोकार नहीं। जिसे भ्रष्टाचार, घोटाले और अपराध दिखाई नहीं देते? जिनकी राजनीति सिर्फ नारा लगाना, माला पहनाना, फोटो खिंचवाना तक सीमित है। यह वर्ग पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय और मोदी जी के भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टालरेंस को केवल भाषण तक सीमित रखना चाहता है। यह विचारधारा भाजपा को संगठन नहीं, केवल इवेंट मैनेजमेंट बनी रही है। दूसरा वर्ग: राष्ट्र और संघर्ष सिद्धांत का है। यह वह विचारधारा है जो सरदार वल्लभभाई पटेल की परंपरा से निकलती है। सत्ता से बड़ा सविधान और कुर्सी से बड़ा चरित्र होता है। इसी

परंपरा के प्रतिनिधि है डॉक्टर लक्ष्मीनारायण सिंह पटेल जो मानते हैं कि मोदी जी की फाइलों में नहीं घर-घर पहुंचे? गरीब, किसान, महिला, युवा तक योजना का लाभ वास्तविक रूप से पहुंचे, जहां भ्रष्टाचार है चुप्पी नहीं संघर्ष हो। जहां भ्रष्टाचार है वहां फोटो नहीं, धरना प्रदर्शन हो। डॉक्टर पटेल का स्पष्ट स्टैंड, घर-घर योजनाओं की जानकारी, पीड़ितों की समस्याओं का संकलन, प्रखंड व जिला ज्ञतदम पर धरना प्रदर्शन, भ्रष्ट अधिकारियों और अपराधियों के खिलाफ कानूनी लड़ाई हो। जब प्रधानमंत्री खुद बोलते है कि भ्रष्टाचार देश को खोखला कर रहा है, सबों को आगे आना होगा तो बिहार के प्रदेश अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष मौन क्यों। चुप्पी या खामोश भी साझेदारी माना जाता है। डॉ० लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि भाजपा कोई माला-फोटो की पार्टी नहीं है। यह संघर्ष और राष्ट्रवाद की पार्टी है। अगर संघठन के लोग भ्रष्टाचार देखकर भी चुप रहते हैं, तो वे मोदी जी को नहीं भाजपा की आत्मा को कमजोर कर रहे हैं। डॉ० लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि आज जरूरत है सरदार पटेल के साहस की, पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विचार की और मोदी जी की ईमानदार नीयत को जमीन पर उतारने की?●

पति-पत्नी में एक को ही नौकरी क्यों दी जाए?

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

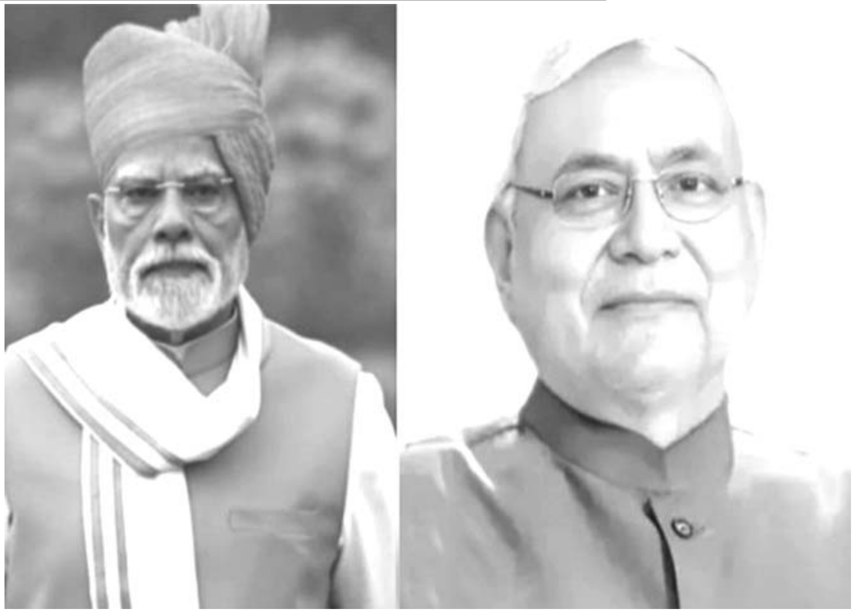

आज मैं कोई राजनीतिक नहीं कर रहा हूँ। आज मैं करोड़ों बेरोजगार परिवारों की चीख आपके सामने रख रहा हूँ। आज देश में एक ऐसा क्रूर और असवैधानिक संतुलन खड़ा हो गया है। जहां एक ही परिवार में पति-पत्नी दोनों सरकारी नौकरी में है, आलीशान महल, कीमती गाड़ी है, सुरक्षा, पेंशन ,सुविधा सब कुछ है। और दूसरी तरफ पति-पत्नी दोनों शिक्षित हैं, डिग्रीयाँ हाथ में है। प्रतियोगी परीक्षाएं पास की है, फिर भी डर-डर की ठोकरे खा रहे हैं। आंकड़े जो सरकार को कटघरे में खड़े करते हैं। भारत में हर साल एक करोड़ से अधिक युवा रोजगार के लिए मैदान में उतरते हैं। यह समानता नहीं, यह राज्य प्रयोजित अन्याय है। सवाल जो सरकार से जवाब मांगते हैं क्या सरकारी नौकरी किसी परिवार की वंशानुगत संपत्ति है? क्या एक भाई महल में रहेगा और दूसरा भाई दर दर भटके यही समाजिक न्याय है। मुख्यमंत्री जी प्रधानमंत्री जी जब आप सामाजिक न्याय बोलते हैं तो क्यों नहीं ऐसी न्याय पर विचार करते हैं। समाधान स्पष्ट है, बस राजनीतिक साहस चाहिए। एक परिवार एक सरकारी नौकरी नीति। पति-पत्नी एक को विकल्प, दूसरा पद बेरोजगारी परिवार को, पहले से कार्यरत मामलों में क्रमिक व्यवस्था, ताकि किसी भी पर अन्य न हो। यह दंड नहीं है। यह राष्ट्र की शिक्षा नीति है। प्रधानमंत्री जी अगर आज भी एक घर में दो बर्थ डे और 100 घरों में शुन्य वेतन। आंकड़ा नहीं रहती, वह आक्रोश बनती है और आक्रोश जब फुटता है तब इतिहास बदल देता है, फैसला आपके हाथ में। परिवारों को विशेषाधिकार या देश के युवाओं का अधिकार। यह डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल, भाजपा मीडिया प्रभारी का सुझाव है।●

मौत से है प्यार तो बेझिझक खिलाइए चाउमिन, मैगी और फास्टफूड

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

आज की पीढ़ी धीरे-धीरे जहर खा रही है और हम तालियां बजा रहे हैं। चाऊमीन ,मैजिक ,पिज्जा वर्कर, कुरकुरे, टेस्ट फूड बच्चों को शरीर को भीतर भीतरी चाऊमीन खोखला कर रहा हैं। मोटापा, मधुमेह, लीवर और किडनी की बीमारी, बच्चों में कम उम्र में हार्मोन असंतुलन, एकाग्रता में कभी, चिडचिड़पन और मानसिक कमजोरी सवाल यह नहीं की बच्चे क्या मांग रहे हैं। सवाल यह की माता-पिता और सरकार क्या कर रही है। अगर बच्चों को भविष्य उज्जवल चाहिए तो घर का ताजा भोजन दीजिए, जंक, फूड पर सख्त रोक लगाइए, स्कूल और बाजार में खुले जहर पर सरकार को रोक लगाना चाहिए। आज चाऊमीन मैगी और फास्ट फूड खिलाने के छूट के कारण अस्पताल, दवाई और श्मशान की मजबूरी बन जाएगी।●

कठार गांव की वारदात ने खड़े किए कई सवाल

● मो० सईद

शहर के कठार गांव के बाला पर स्थित टोला में हुई गीता देवी की हत्या ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। सरसों के खेत से बरामद शव के साथ सामने आई इस घटना ने केवल एक परिवार को तबाह किया, बल्कि चार मासूम बच्चों के भविष्य पर भी सवालिया निशान लगा दिया है। ग्रामीणों के अनुसार, आरोपी वीरेंद्र मांझी और उसकी पत्नी गीता देवी के बीच अक्सर घरेलू विवाद होता था। आसपास के लोगों ने कई बार दोनों के बीच कहासुनी सुनी थी, लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि मामला इतना भयावह रूप ले लेगा। घटना वाले दिन भी घर के भीतर क्या हुआ, इसकी स्पष्ट जानकारी किसी को नहीं है, लेकिन पुलिस के समक्ष आरोपी द्वारा किया गया स्वीकारोक्ति पूरे मामले को और गंभीर बना देता है। हत्या के बाद आरोपी अपने छोटे बच्चे को गोद में लेकर थाने

पहुंच गया। पहले उसने पत्नी के व्यवहार को लेकर शिकायत जैसी बातें कहीं, लेकिन जब पुलिस ने पत्नी को बुलाने को कहा तो उसने हत्या की बात स्वीकार कर ली। इसके बाद पुलिस टीम ने गांव के बधार स्थित सरसों के खेत से शव बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एफएसएल टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। ग्रामीण बताते हैं कि वीरेंद्र की यह दूसरी शादी थी। पहली पत्नी उसे छोड़कर चली गई थी। वर्तमान में उसके चार छोटे-छोटे बच्चे हैं। मां की मौत और पिता की गिरफ्तारी के बाद अब इन बच्चों की परवरिश और देखभाल को लेकर परिवार और गांव में चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते पारिवारिक विवादों को सामाजिक स्तर पर सुलझाने की कोशिश की जाती, तो शायद यह घटना टल सकती थी। वहीं, थानाध्यक्ष मोहन कुमार ने बताया कि पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। हत्या के पीछे की वास्तविक वजह, आपसी संबंधों की स्थिति और अन्य संभावित कारणों की पड़ताल की जा रही है। फिलहाल कठार गांव में मातम पसरा है। एक ओर जहां गीता देवी की मौत से शोक का माहौल है, वहीं चार मासूम बच्चों का भविष्य सबसे बड़ा सवाल बनकर सामने खड़ा है।●

सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में अनियमितता

● मो० सईद

निगरानी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई किए जाने के बावजूद प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) के कार्यशैली में कोई खास सुधार देखने को नहीं मिल रहा है। सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में अनियमितता और लापरवाही के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, हाल ही में निगरानी विभाग ने बीडीओ के खिलाफ जांच कर कार्रवाई भी की थी, लेकिन इसके बावजूद कार्यालय की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता नहीं आ सकी है। लाभुकों को योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है, जबकि कई मामलों में कागजों पर ही योजनाओं को पूरा दिखा दिया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे हुए हैं। ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं, जानकारों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने सख्त कदम नहीं उठाया तो आम जनता का भरोसा सरकारी व्यवस्था से उठ सकता है। 9 फरवरी को गया टाउन बीडीओ राकेश कुमार को भ्र्ष्टाचार के आरोप में 50 हाजर रिश्वत लेते निगरानी विभाग के टीम ने गिरफ्तार किया है। स्थानीय लोग बताते है कि बिहार प्रखंड कार्यालय के सभी कर्मचारियों एंव पदाधिकारी बिना घुस लिए एक भी काम नही करते है।

सूत्रों की मानें तो प्रखंड कार्यालय भ्रष्टाचार का अड्डा बनता जा रहा है, जहां बिना लेन-देन के आम जनता का कोई काम नहीं होता। योजनाओं की फाइलें महीनों तक धूल फांकती रहती हैं, जबकि चहेते लोगों का काम चुटकियों में निपटा दिया जाता है। इससे साफ जाहिर होता है कि कार्रवाई का डर अब अधिकारियों पर असर नहीं डाल रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी योजनाएं गरीबों के लिए बनी हैं, लेकिन उनका लाभ बिचौलियों और कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से दबा दिया जाता है। कागजों में विकास दिखाया जाता है, जबकि जमीन पर हालात जस के तस बने हुए हैं। इससे प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारों का कहना है कि यदि निगरानी विभाग की कार्रवाई सिर्फ गिरफ्तारी तक सीमित रही और पूरे सिस्टम की सफाई नहीं हुई, तो भ्रष्टाचार की जड़ें और गहरी होती जाएंगी। जरूरत इस बात की है कि दोषी अधिकारियों के साथ-साथ उनकी संपत्ति और कार्यकाल की भी निष्पक्ष जांच हो, ताकि भ्रष्टाचार पर स्थायी अंकुश लगाया जा सके। स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उनका कहना है कि अगर समय रहते प्रशासन ने कठोर कदम नहीं उठाए, तो जनता का भरोसा सरकारी तंत्र से पूरी तरह टूट सकता है, जिसकी जिम्मेदारी सीधे तौर पर जिला प्रशासन और राज्य सरकार पर होगी।●

शहीद की पुण्यतिथि बनी शक्ति प्रदर्शन का मंच

● मो० सईद

परैया प्रखंड के अमौखर गांव में शहीद सूबेदार संतोष कुमार की प्रथम पुण्यतिथि श्रद्धांजलि के साथ-साथ राजनीतिक और प्रशासनिक गतिविधियों का केंद्र बन गई। कार्यक्रम में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। दोपहर में उनका हेलीकॉप्टर परैया स्थित अशोक उच्च विद्यालय मैदान में बने अस्थायी हेलीपैड पर उतरा। हेलीकॉप्टर को देखने के लिए आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण जुटे रहे। सुरक्षा व्यवस्था की कमान गया के डीएम शशांक शुभंकर और एसएसपी सुशील कुमार ने संभाल रखी थी। मैदान पर उतरते ही सुरक्षा बलों ने उपमुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद काफिला विभिन्न मार्गों से होते हुए अमौखर गांव पहुंचा, जहां शहीद स्मारक स्थल पर आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया गया। ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी गई और "शहीद संतोष कुमार अमर रहें" के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

☞ **कानून-व्यवस्था पर सख्त संदेश :-** सभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने बिहार में कानून-व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि राज्य में अपराधियों के खिलाफ अभियान जारी है और उन्हें "कचरे की तरह साफ" कर दिया जाएगा। आम जनता की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। देश की सुरक्षा का उल्लेख करते हुए उन्होंने पाकिस्तान पर भी निशाना साधा और कहा कि भारत की ओर आंख उठाने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि देश निरंतर सशक्त हो रहा है।

☞ **परिवार की मांगें और विकास का आश्वासन :-** कार्यक्रम के दौरान शहीद की पत्नी कनक कुमारी ने परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने और क्षेत्र में अस्पताल निर्माण की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस पर उपमुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री से बातचीत कर मांगों पर सकारात्मक पहल का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर गुरुआ विधायक डॉ. उपेंद्र प्रसाद, टिकारी विधायक अजय दांगी, अति पिछड़ा आयोग के सदस्य अमित कुमार दांगी सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। शहीद के पिता अभिमन्यु प्रसाद भी मंच पर उपस्थित थे। ●

पर्यावरणविद् जनक दीदी ने की कुन्दन कुमार को सम्मानित

● प्रो० रामजीवन साहु

जमुई नगर परिषद अंतर्गत पर्यावरण शुद्धिकरण के लिए बाबा गणिनाथ सेवा टीम का गठन किया गया है .इस टीम के संस्थापक हैँ श्री कुन्दन कुमार गुप्ता. ये जमुई नगर परिषद कार्यालय में कार्यरत हैं. इन्होने अपने टीम के माध्यम से प्रत्येक रविवार को निश्चित किसी मंदिर में जाते हैं, वहां मंदिर के परिसर की सफाई करते हैं . वहां उपस्थित दर्शकों को पर्यावरण के बारे में ज्ञानवर्धक जानकारियां दते है.तत्पश्चात स्थानानुसार वहां पुष्प का पौधा और वृक्ष लगाते हैं, इस टीम के कार्य को सभी लोग पसंद कर रहे हैं. फलस्वरुप अब पर्यावरण प्रेमी उन्हें अपने क्षेत्र के मंदिर परिसर में पौधा और वृक्ष लगाने के लिए आमंत्रित करते रहते हैं. इस टीम को पर्यावरण से इतना अच्छा लगाव हो गया है कि बिना वृक्ष लगाये नींद भी नहीं आती है. इस टीम की चर्चा अन्य प्रांतों में होने लगी है.

पर्यावरण के क्षेत्र में इस टीम की गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए मध्य प्रदेश के इन्दौर महानगर के गांधी सभागार में दिनांक 18 दिसंबर 2025 को पर्यावरणविद् पद्मश्री डाक्टर जनक पल्टा मगिलियन द्वारा टीम के संस्थापक श्री कुन्दन कुमार गुप्ता को सम्मानित किया गया. पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य के लिए पल्टा मगिलिगन को क्वीन आफ सस्टेनेबिलिटी जनक दीदी के नाम से प्रसिद्ध हैं। ●

अस्त हो गया वंचित, शोषित और पीड़ितों का सूरज आलोक

जब सूर्य अस्त होता है तो पुन: सूर्योदय की लालसा भी मन में जागती है लेकिन जब जीवन का सूर्य अस्त होता है तो परिवार ही नही समाज और उसके साथ रहने वाले संगी साथी भी अँधेरे में खो जाते हैं। शिक्षक आलोक कुमार की आसामयिक मृत्यु ने नवादा जिले के शिक्षकों को मर्माहत कर दिया। खासकर वँचितो, शोषितो की आवाज भी कहीं न कहीं मंद हो गयी। सहायक सम्पादक **मिथिलेश कुमार** के साथ **आलोक कुमार** को विशेष रूप से उन्हें जानने बाले वरिष्ठ अधिवक्ता सह पत्रकार **मनमोहन कृष्ण** एवं **अमित कुमार सिंह** के द्वारा प्रस्तुत जीवनी :-

मोक्ष और ज्ञान की धरती रही है गयाजी। सदियों से दुनिया को सत्य और अंहिसा का संदेश सुना रही है। 'तथागत' की इसी भूमि पर सदियों बाद समाज को सत्य का भान करने वाले फिर से एक ऐसे शिशु का जन्म हुआ, जिसने वंचित, शोषित और पीड़ितों को बराबरी का हक दिलाने को संघर्ष किया। माता तारा देवी और पिता अर्जुन सिंह ने इस शिशु का नाम रखा था आलोक...। संविधान के मूल्यों, आदर्शों और सिद्धांतों के सार की समझ समाज के अंतिम व्यक्ति तक को हो, यह उनके जीवन का उद्देश्य रहा। बिना व्यवस्था परिवर्तन के भारत की 85 फीसदी जनता को विधि के समक्ष समता और समाज में समानता का अधिकार मिलेगा, इस लक्ष्य की प्राप्ति में जीवन के अंतिम सांस तक संघर्षशील रहे आलोक की है यह जीवनगाथा।

☞ **मूलनिवासी आलोक कुमार का प्रारंभिक जीवन :-**आलोक कुमार का जन्म अपने ननिहाल गयाजी में हुआ। इनके नाना भत्तू सिंह गया एरोड्रम में कार्यरत थे। यही अर्जुन सिंह और तारा देवी के पहले पुत्र ने 2 नवंबर 1974 को जन्म लिया। शैशवावस्था ननिहाल में ही बीता। माता-पिता ने बड़े ही प्यार से शिशु का नाम रखा आलोक। किसे पता था कि यह बालक अपने यौवन में दलितों, पिछड़ों और शोषित वर्ग की आवाज बनेगा? कुछ वर्षो के बाद बालक आलोक को लेकर उनकी माता अपने ससुराल लौटी। नवादा शहर के गढ़पर इनका घर था। पिता अर्जुन सिंह वार्ड पार्षद थे। आलोक की प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा गणेश शिक्षा मंदिर में हुई। इसी बीच उनकी बहन अर्चना और छोटे भाई अमित का जन्म हुआ। किशोरावस्था की ओर कदम बढ़ा रहे आलोक अपने पिता अर्जुन सिंह को समाज के प्रखर मुद्दों पर बहस करते सुना करते थे, जिससे उनके मन-मस्तिष्क में प्रश्न कौंधा करता। क्यों मानव-मानव में भेद है? जब मानव की शारीरिक रचना एक है, तो फिर इस समाज ने मानव-मानव में विभेद क्यों पैदा कर रखा हैं? समाज में भेद-भाव, जात-पात और सामाजिक कुरीतियों को लेकर वे जीवन के प्रारंभिक काल से ही विचारवान रहे।

☞ **शिक्षा-दीक्षा और प्रारंभिक योगदान :-** कन्हाई लाल साहू विद्यालय से 1989 में आलोक ने माध्यमिक परीक्षा प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण की

और फिर नवादा के प्रतिष्ठित के.एल.एस कालेज से 1991 इंटर साइंस की परीक्षा को प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण किया। 1994 में उन्होंने स्नातक की पढ़ाई भी प्रथम श्रेणी से पास कर ली। इसी बीच बिहार लोक सेवा आयोग, पटना से शिक्षक भर्ती परीक्षा,1996 की रिक्ति आई और मेधावी रहे आलोक प्रतियोगिता परीक्षा में सफल हुए। नवादा जिला के अकबरपुर प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय, नेमदारगंज में 07 दिसम्बर 1999 को सहायक पहला योगदान दिया। पढ़ने-लिखने के शौकीन रहे आलोक कुमार ने 2012 में डीम्ड विश्वविद्यालय, इलाहाबाद से आधुनिक इतिहास में स्नातकोत्तर की भी उपाधि ले रखी थी।

☞ **कर्मठ योगी :-** वर्ष 2001 में 7 मई की तिथि रही थी। पिता अर्जुन सिंह ने पुत्र आलोक का विवाह गयाजी में पली-बढ़ी कन्या कुमारी सुजाता से करा दिया। विवाह के मात्र 24 दिन गुजरे थे। पिता अपने बड़े बेटे पर परिवार का संपूर्ण दायित्व सौंप दुनिया से सिधार गए। नवविवाहित आलोक के कंधों पर पूरे परिवार का दायित्व आ पड़ा। लेकिन चेहरे पर कभी शिकन नहीं दिखी। मां, पत्नी, बहन और भाईयों को एक मजबूत संबल दिया। 07 जून 2008 को उनकी फुलवारी में पहली कली खिली। आलोक ने बड़े प्यार से बिटिया का नाम आशु रखा। अगले तीन वर्षों के बाद 17 जुलाई 2010 को उन्हें पुत्ररत्न की प्राप्ति हुई और बेटे अर्पित ने जन्म लिया। उन्होंने कर्मठ योगी की भांति परिवार में बड़े पुत्र के दायित्वों का निर्वहन किया, तो समाज निर्माण के प्रति उनके कार्य उल्लेखनीय रहे।

☞ **शिक्षकों के लिए संघर्ष :-** अकबरपुर के नेमदारगंज स्थित मध्य विद्यालय में आलोक कुमार लंबे अंतराल तक शिक्षक के तौर पर कार्यरत रहे। 2013 से उन्होंने अम्बिका बिगहा में स्नातक शिक्षक के तौर पर अपनी सेवाएं दी। 12 जनवरी 2016 को उन्होंने मेसकौर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, परोरिया में प्रधानाध्यापक के तौर पर योगदान दिया। कौन जानता था कि 12 जनवरी को प्रसन्नता देनेवाला यह दिवस उनके जीवन का सबसे संघर्षमय दिन साबित होगा? आत्मसम्मान और संघर्ष उनके जीवन के दो पहलू थे। भ्रष्ट व्यवस्था के विरूद्ध उन्होंने सदैव विरोध जताया और शिक्षकों के अधिकार और सम्मान के लिए संघर्षरत रहें।

☞ **शिक्षा, शिक्षक और शिक्षार्थी रहा जीवन का केन्द्र बिन्दु :-** 29 सितम्बर 2019 वह दिन था, जब बिहार अराजपत्रित प्रारंभिक शिक्षक संघ के महासचिव डा. भोला पासवान ने आलोक कुमार के जूझारू और व्यवस्था परिवर्तन के जूनुन पर

विश्वास जताया और उन्हें नवादा जिला इकाई में जिला सचिव का दायित्व सौंपा। शिक्षा, शिक्षक और शिक्षार्थी उनके जीवन का केन्द्रबिन्दु रहा और उन्होंने जीवन की हर सांस इसे समर्पित कर दी। सरकार की योजनाएं विद्यालयों में अक्षरशः क्रियान्वित हो; जिससे दीन-हीन और वंचित समाज के बच्चों में शिक्षा की लौ जगे, यह उनके जीवन का ध्येय रहा। उनके सहकर्मी उन्हें एक मानववादी व्यक्तित्व वाले कर्तव्यनिष्ठ शिक्षक के तौर पर याद करते हैं।

☞ **फुले-आम्बेडकर ने भर दी थी ज्वाला :-** ''जिस दिन किसी व्यक्ति को गुलाम(दास) बना लिया जाता है, उसी दिन से उसके आधे सद्गुण(अपतजनम) नष्ट हो जाते हैं।'' महात्मा ज्योतिराव फुले की पुस्तक 'गुलामगिरी' के प्राक्कथन में लिखा होमर का यह वाक्य शिक्षक आलोक कुमार के जीवन में क्रांति लेकर आया। उन्होंने समाज के पौराणिक व्यवस्था के खिलाफ बिगुल फूंक दिया। समाज में वंचना, शोषण और अत्याचार सह रहे लोगों में उनके संविधानप्रदत्त अधिकारों के प्रति अलख जगानी शुरु की। डा. भीमराव आम्बेडकर के विचारों ने उन्हें समाज में सदियों से चली आ रही शोषणकारी व्यवस्था के परिवर्तन के प्रति उद्वेलित किया। फुले-आम्बेडकरी विचारधारा ने उनमें सामाजिक बदलाव की ज्वाला भर दी थी।

☞ **भारतीय संविधान बना सर्वोपरि धर्मग्रंथ :-** आलोक कुमार ने शोषणकारी व्यवस्था के विरूद्ध लड़ाई शुरु की। उन्होंने 'शिक्षा' और 'जागरूकता' को लोगों का जागृत करने का माध्यम बनाया। स्कूलों में बच्चों को पढ़ाने के बाद वे सुदूर गांवों की ओर निकल पड़ते। संविधान जागृति शिविर लगाते। रात्रि पाठशाला चलाते। लोगों को संविधान के अनुच्छेदों का ज्ञान कराते। 'विधि के समक्ष समता' और 'समानता' के अधिकार उनके जीवन का सूत्र वाक्य रहा।

समाज के अंतिम पायदान पर गुजर-बसर कर रहे वंचित, शोषित, दलित और पीड़ित लोग उनके हृदय में बसते थे। शिक्षा, संविधान और व्यवस्था परिवर्तन के ध्येय से अनुप्राणित आलोक व्यवस्था के दंश से पीड़ित समाज के हरेक व्यक्ति को जगाते रहे।

☞ **बुद्ध, बामसेफ और मूलनिवासी संघ :-** मानव-मानव में विभेद करनेवाली शोषणकारी पौराणिक व्यवस्था के विरूद्ध आलोक सदैव विचारवान रहे। उन्होंने समाज के इस कोढ़ को सदा के लिए त्याग दिया और महात्मा बुद्ध के 'मज्झिम मार्ग' के अनुयायी बन गए। शिक्षा विभाग में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रहे विद्यानंद ठाकुर ने आल इंडिया बैकवर्ड एंड माईनिरिटी कम्यूनिटीज एम्पलाईज फेडरेशन (बामसेफ) की एक बैठक में इन्हें आमंत्रित किया था। 25 मई 2014 को वे बैठक में शामिल हुए। फुले-आम्बेडकर के सोच पर आधारित संगठन ने उनके विचारों को अधिक विस्तार दिया। जिला महासचिव से होते हुए वे राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य के तौर पर कार्यरत रहे। वे नागपुर, राजमुन्द्री(आंध्रप्रदेश), प्रयागराज(यूपी), फिल्लोर लुधियाना(पंजाब) जैसे जगहों पर राष्ट्रीय अधिवेशनों का हिस्सा बने और समाज के मूलनिवासियों को जगाने का ध्येय लेकर आगे बढ़ रह थे।

☞ **निरंजना की अविरल धारा में हो रहे आलोकित :-** स्कूल जाने के क्रम में 12 जनवरी, 2026 को नवादा-हिसुआ पथ पर फुलमा मोड़ के पास एक अवैध बालू लदे ट्रैक्टर ने अध्यापक कुंदन प्रभात की बाइक में जबरदस्त टक्कर मारी। शिक्षा जगत के दो सिपाही औंधे मुंह सड़क पर पड़े थे। लेकिन समाज जागा नहीं था। घटनास्थल पर ही कुंदन प्रभात की मौत हो गई, जबकि आलोक कुमार को एम्स, पटना में भर्ती कराया गया। जीवन और मृत्यु से संघर्ष जारी रही, लेकिन 17 जनवरी को आलोक नश्वर शरीर को छोड़ एक विचार बन गए। समाज को जगाने का विचार। शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया। उनके अवशेष निरंजना की धारा में प्रवाहित किए गए। वहीं, जहां सुजाता ने सिद्धार्थ को खीर खिलाया और वे बुद्ध हो गए। अपने जन्म, विवाह और परिनिर्वाण की भूमि में लीन आलोक वंचित, शोषित और पीड़ित समाज को जगाने का ध्येय देकर निरंजना की अविरल धारा में सदैव आलोकित रहेंगे।

☞ **"जाइओ मैया" :-** 12 जनवरी, 2026. .. प्रात:काल की बेला! घर के दरवाजे पर उनके विद्यालय के सहकर्मी अध्यापक कुंदन प्रभात अपनी बाइक लेकर खड़े है। विद्यालय जाना है। आलोक तैयारी में जुटे है। विचारों में ध्येय कौंध रहा है। बच्चों को पढ़ाना है। शिक्षा से ही संभव है। समाज जागेगा। संगठित होगा। तभी संविधान के मूल्य, आदर्श और सिद्धांत अभी अधूरे हैं, उन्हें अक्षरश: लागू होगा। सदियों से मानसिक गुलामी की बेड़ियों में जकड़े लोग आजाद होंगे। इन विचारों में खोए आलोक कब तैयार हो गए, पता ही नहीं चला। हर दिन की भांति दरवाजे पर पहुंचकर आवाज लगाई। "जाइओ मैया"... और फिर एक अनंत यात्रा पर निकल गए। पीछे छोड़ गए, समाज के रोते-बिलखते लोग। उन्हें आशा की एक किरण दिखाकर... संघर्ष लंबा है। समाज को जगाना है....।

☞ **समाज में मूल निवासियों के अधिकार की लड़ाई लड़ रहे थे आलोक : राजबल्लभ प्रसाद :-** आलोक कुमार आजाद भारत में मूल निवासियों की लड़ाई लड़ रहे थे। पूर्व श्रम राज्यमंत्री राजबल्लभ प्रसाद ने एक फरवरी, 2026 को आलोक कुमार के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुई कही। उन्होंने कहा कि हम आजाद भारत में रहते है, सब आजाद है। लेकिन कहने को आजाद है। सदियों से चली आ रही छल-प्रपंच की लड़ाई अब भी जारी है। आलोक कुमार समाज सुधारक थे। वे समाज में परिवर्तन चाहते थे। पूर्व श्रम राज्यमंत्री ने कहा कि समाज के लोगों को दबाया गया, कुचला गया, मानसिक गुलाम बनाया गया। उन्होंने कहा कि जाति-धर्म से क्या होता है? जो गरीब और वंचित समाज के लोग है, उन्हें अधिकार दिलाना है। सबको बराबरी पर लाकर खड़ा करना है। आलोक कुमार का यही सपना था, जिसे हमलोगों को पूरा करना है। नवादा की विधायक विभा देवी, विधान पार्षद अशोक कुमार, के.पी.सिंह, डा. एम. पाल जैसे प्रखर बुद्धिजीवी श्रद्धांजलि सभा का हिस्सा बने। इसके पूर्व बिहार विधानसभा अध्यक्ष डा. प्रेम कुमार दिवगंत शिक्षक आलोक कुमार के पैतृक आवास पर पहुंचे और परिजनों और समाज के लोगों को ढाढस बंधाया।

☞ **नवादा के शिक्षकों ने जताई संवेदनाएं, निकाला कैंडल मार्च :-** जिलेभर में सरकारी स्कूलों के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए शिक्षक और प्रबुद्धजन ने आलोक कुमार के कार्य को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प। नवादा जिले के मेसकौर प्रखंड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, परोरिया के प्रधानाध्यापक आलोक कुमार और शिक्षक कुंदन प्रभात की असामयिक मृत्यु ने शिक्षा जगत में एक बड़ी रिक्ति पैदा कर दी। बिहार अराजपत्रित प्रारंभिक शिक्षक संघ के जिला सचिव रहे आलोक कुमार ने शिक्षकों के मान-सम्मान और अधिकारों के प्रति विभाग से कई लड़ाईयां लड़ी और उनके सम्मानजनक सुविधाओं को बहाल कराया। उनकी मृत्यु से शिक्षक-शिक्षिकाओं में शोक की लहर दौड़ गई। जिले के विभिन्न प्रखंडों में शिक्षक-शिक्षिकाओं ने कैंडल मार्च निकाल करके संवेदनाएं व्यक्त की। वही उनके आकस्मिक निधन पर इंटर विद्यालय ठेरा के प्राचार्य अमित कुमार ने गहरी संवेदना प्रकट करते हुए कहा की उनका निधन शिक्षक वर्ग एवं समाज के लिये अपूरणीय क्षति है। जीवन लाल चन्द्रवंशी, गुड्डू सिँह, जयराम कुशवाहा, मिथिलेश कुमार, पवन यादव, सुरेश कुमार सुमन, इंजीनियर रामबली सिँह, राकेश रंजन उर्फ गोरे, डॉ के पी सिँह, डॉ सुधीर कुमार सहित दर्जनों लोगों ने अपनी संवेदना प्रकट किया है। बिहार अराजपत्रित शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष दिनेश नाथ पासवान की अगुवाई में कई कार्यक्रम हुए। शिक्षकों ने घटना कारित करनेवाले बालू माफियाओं के विरूद्ध मोर्चा खोला है। अवैध बालू ढुलाई करनेवाले वाहन मालिकों और चालकों द्वारा निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या की जा रही है, इसके विरोध सरकार को ज्ञापन सौंपा और त्वरित रूप से नीति बनाने की मांग की। ●

''संस्कार, संस्कृति और सफलता की उड़ान''

संत जौन्स पब्लिक स्कूल का 16वाँ स्थापना दिवस बना यादगार

● **मिथिलेश कुमार/मनीष कमलिया**

वारिसलीगंज नगर परिषद क्षेत्र के कल्लन सिंह मार्केट में स्थित, सीबीएसई बोर्ड (नई दिल्ली) से मान्यता प्राप्त संत जौन्स सीनियर सेकेण्डरी पब्लिक स्कूल का 16वाँ स्थापना दिवस समारोह भव्य, गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण शिक्षा, संस्कार और सांस्कृतिक विविधता के रंगों से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं स्वागत गीत से हुई। इसके बाद बच्चों ने नृत्य, संगीत, एकल नृत्य, एकल गायन, समूह गायन एवं लघु नाटक के माध्यम से अपनी प्रतिभा का अद्‌भुत प्रदर्शन किया। विशेष आकर्षण के रूप में मिथिला सांग, उड़िया सांग और राजस्थानी सांग पर आधारित प्रस्तुतियों ने सभागार में मौजूद अतिथियों एवं अभिभावकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों की भाव-भंगिमा, वेशभूषा और मंचीय आत्मविश्वास ने यह साबित कर दिया कि विद्यालय केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि संस्कृति और कला को भी समान महत्व देता है।

समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्रीमती अरुणा देवी ने बच्चों की प्रस्तुतियों की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने बच्चों को संदेश दिया कि वे मेहनत, अनुशासन और ईमानदारी को जीवन का मूल मंत्र बनाकर अपने लक्ष्य की ओर निरंतर अग्रसर रहें। शिक्षा के साथ खेल एवं अन्य क्षेत्रों में भी शैक्षणिक सम्भावनायें हैं आप अपना बेहतर उन्हें दें। विद्यालय के निदेशक श्री बिपिन कुमार एवं सह-निदेशक श्री सुनील

कुमार ने आगत अतिथियों का पारंपरिक तरीके से अंग वस्त्र एवं बुके भेंट कर स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि थानाध्यक्ष पंकज कुमार सैनी के हाथों बच्चों को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में निदेशक श्री बिपिन कुमार ने विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ पूर्ववर्ती छात्रों की सफलता का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि विद्यालय के स्थापना काल से पढ़ी छात्रा रिया कुमारी, आज आईआईएम नई दिल्ली से जुड़कर एक अच्छे पद पर कार्यरत होने जा रही हैं, जो पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व की बात है। इस अवसर पर रिया कुमारी के चाचा डॉ. सुधीर कुमार को अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा की कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय प्रबंधन परिवार के सभी सदस्यों के साथ साथ अविभावकों का महत्वपूर्ण योगदान है। जिन्होंने कार्यक्रम में शिरकत कर बच्चों का हौसला आफजाई किया। उन्होंने अविभावकों से अनुरोध किया की बच्चों की जिज्ञासा को आप भी परखे और उसके हिसाब से उसे सहयोग करें। मैं आपके भरोसे पर हमेशा खरा उतरने का प्रयास करूंगा। उन्होंने विद्यालय के भवन स्वामी शास्त्री जी का आभार प्रकट करते हुए उन्हें सम्मानित किया।

कार्यक्रम के दौरान सभी कक्षाओं के छात्र-छात्राओं को उनकी उत्कृष्ट सांस्कृतिक प्रस्तुति एवं पठन-पाठन में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रतीक चिन्ह देकर पुरस्कृत किया गया, जिससे बच्चों का उत्साह और आत्मविश्वास दोगुना हो गया। समारोह का समापन राष्ट्रगान एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। 16वें स्थापना दिवस का यह आयोजन न केवल विद्यालय की गौरवशाली यात्रा का उत्सव था, बल्कि यह संदेश भी देता है कि संत जौन्स पब्लिक स्कूल शिक्षा के साथ संस्कार, संस्कृति और सफलता की मजबूत नींव रख रहा है। समारोह का संचालन शिक्षक कुणाल कुमार एवं विद्यालय की छात्रा एवं छात्र ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर विवेकानंद पब्लिक् स्कूल के निदेशक परमानंद सिँह, प्राचार्य संतोष कुमार सहित विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकायें मौजूद थे।●

बच्चों के शैक्षणिक भविष्य को नया आयाम दे रहा ज्ञानदीप इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल : सैनी

● **मिथिलेश कुमार**

नगर परिषद क्षेत्र के शहीद चंदन सिंह चौक स्थित ज्ञानदीप इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल की नई शाखा, बासोचक मकनपुर मार्ग पर नवनिर्मित भवन में गृह प्रवेश सह स्थापना दिवस समारोह भव्य, गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में धूमधाम से संपन्न हुआ। समारोह के दौरान विद्यालय परिसर शिक्षा, संस्कार एवं सांस्कृतिक विविधता के रंगों से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं स्वागत गीत से हुई। इसके पश्चात बच्चों ने नृत्य, संगीत, एकल नृत्य, एकल गायन, समूह गायन एवं लघु नाटक के माध्यम से अपनी प्रतिभा का मनमोहक प्रदर्शन किया। विशेष आकर्षण के रूप में गणेश वंदना, राधा तेरी चुनरी, प्रेम रत्न धन पायो तथा छला ग्रुप डांस की प्रस्तुतियों ने सभागार में उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों की भाव-भंगिमा, आकर्षक वेशभूषा और मंचीय आत्मविश्वास ने यह सिद्ध कर दिया कि विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ कला एवं संस्कृति को भी समान महत्व देता है।

समारोह के मुख्य अतिथि थानाध्यक्ष पंकज कुमार सैनी तथा सेवा निवृत्त प्राचार्य गोविंद जी तिवारी एवं निदेशक मधु राज आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। श्री सैनी ने अपने संबोधन में बच्चों की प्रस्तुतियों की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने बच्चों को मेहनत, अनुशासन और ईमानदारी को जीवन का मूल मंत्र बनाकर लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ने का संदेश दिया। विद्यालय के निदेशक मधुराज एवं प्राचार्य दिनेश प्रसाद ने अतिथियों का पारंपरिक अंगवस्त्र एवं बुके भेंट कर स्वागत किया। अपने संबोधन में अतिथियों ने कहा कि ज्ञानदीप इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल ने कम समय में ही वारिसलीगंज क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनाई है। पिछले वर्ष विद्यालय के शत-प्रतिशत छात्रों का सैनिक स्कूल एवं गुरुकुल में चयन होना इसकी बड़ी उपलब्धि है। निदेशक ने कार्यक्रम की सफलता के लिए विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण एवं अभिभावकों के योगदान की सराहना की तथा अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों की रुचि और जिज्ञासा को पहचान कर उन्हें उचित सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर पुराने शाखा भवन के स्वामी कार्यनंद शर्मा को सम्मानित कर उनका आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सभी कक्षाओं के छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट सांस्कृतिक प्रस्तुति एवं शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए प्रतीक चिन्ह

देकर सम्मानित किया गया, जिससे बच्चों का उत्साह और आत्मविश्वास दोगुना हो गया। इस अवसर पर दर्जनों पत्रकारों को भी अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के स्थापना दिवस पर वारिसलीगंज प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार एवं कुटरी ग्रामीण सह प्रखंड विकास पदाधिकारी ने भी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनायें भेजी है। वहीं क्षेत्रीय लोक गायक पिंटू चौधरी एवं उनके सहयोगी गोपाल कुमार, विनोद कुमार और अनीश कुमार की देशभक्ति एवं लोकगीतों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। इसके पूर्व नवनिर्मित भवन का गृह प्रवेश वैदिक विधि-विधान से श्री शिरोमणि जंगलिया बाबा के कर कमलों द्वारा संपन्न कराया गया। मौके पर ज्ञानोदय विद्यालय के निदेशक प्रिंस राज, उद्घोषक संजीव कुमार, अरुण कुमार सहित विद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राएं, अभिभावक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।●

वारिसलीगंज विधानसभा क्षेत्र को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का हब बनाये : एमएलए अनिता

● अनिता सिंह/अमित कुमार सिंह/मिथिलेश कुमार

जिले के 239 वारिसलीगंज विधानसभा क्षेत्र के वारिसलीगंज, काशीचक, पकरीबरावा प्रखण्ड स्तर पर विद्यालय प्रबंधनकारी समिति के बैठक विधायिका अनिता कुमारी के नेतृत्व में, पूर्व विधायक प्रदीप महतो की अध्यक्षता में श्री गणेश वी०के० साहु के दिनकर सभागार में आयोजित की गई। विधायिका ने सर्वप्रथम पूर्व प्राचार्य डी०एन० राय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। उन पर पुष्प अप्रीत कर दिनकर सभाकक्ष भवन में प्रवेश किया, जहाँ वी०के० साहु की प्रभारी प्राचार्या श्वेता कुमारी उन्हें पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया, वही विधायक ने भी बुके देकर श्वेता कुमारी, प्रभारी प्राचार्या को सम्मानित किया। इसके बाद उन्होने विधायिका अनिता कुमारी को अंगवस्त्र बुके एवं सभी अतिथियों को अंग वस्त्र एवं बुके देकर प्रभारी प्रचार्या ने सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में प्रखण्ड के सभी 20 उच्च व उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्य मौजूद रहे। इस दौरान विभिन्न विद्यालय के व्यापक कर्मियों को लिखित व मौखिक रूप से प्रस्तुत किया गया। जिसमें अमित कुमार, प्राचार्य उच्च माध्यमिक ढ़ेरा ने नये विद्यालय में क्लर्क की कमी के कारण काफी परेशानी का सामना करने की बात बतायी। वही विषयवार शिक्षकों की कमी को बताई गई, तो कही भवन तथा कई विद्यालयों में चार दिवारी के अभाव में आवास पशुओं के आने-जाने के बाद पढ़ाई प्रभावित होने की जानकारी दी गई।

बैठक की शुरूआत शिक्षकों से परिचय लेने के साथ हुई। बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन किये जाने की बात कही गई। बैठक में विद्यालय ने भ्रष्टाचार मुक्त समाज निर्माण के लिए शिक्षा सबसे मजबूत महत्वपूर्ण हथियार बताया। उन्होने शिक्षा और स्वास्थ्य में बेहतर सेवा लोगों को उपलब्ध कराने की बात कही गई। इसके साथ ही बातों को पूर्ण करने की दिशा में अपना कार्य शुरू करने की बात कही। विधायक ने शिक्षकों से कहा कि आपको जो जिम्मेवारी मिली है, उसे निष्ठा के साथ निभाये। शिक्षकों को नसीहत देते हुए उन्होंने कही कि कई ऐसे भी शिक्षक हैं, जिनके हाथों मे माइक जाने के बाद आवाज निकलना बंद हो जाता है। आप सक्षम होकर बच्चों के बीच जाये, क्योकि उनका उज्जवल भविष्य आपके हाथो में है। सभी विद्यालय में औचक निरीक्षण करने के दौरान स्कूल से संबंधित सभी तरह के कागजात लिखित रूप में अपडेट रखने की बात विधायक ने रखी।

उन्होनें कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता को बढावा देने और विद्याथियों को तकनीकि पर्यावरणीय जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से वारिसलीगंज क्षेत्र अन्तर्गत वारिसलीगंज नगर परिषद तथा प्रखण्ड क्षेत्र के सभी विद्यालयों के प्राचार्य एवं वरीय शिक्षकों की एक अहम समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान विधायिका ने विद्यालय के विकास, पठन-पाठन की गुणवत्ता और छात्र-छात्राओं की समस्या पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही अपने लक्ष्य के बारे में कहा कि क्षेत्र के हर बच्चे को बेहतर शिक्षा और सुविधाएँ प्रदान करना है। विधायक ने कहा कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर को उँचा उठाने के लिए प्रयासरत्त हूँ। इसमे विद्यालय प्रशासन, शिक्षकों तथा समुदाय की सक्रिय भागीदारी अत्यन्त आवश्यक है। उन्होने अध्यापकों से कहा कि वे समाज में सकारात्मक संवाद स्थापित करते हुये छात्र नामांकन में वृद्धि के प्रयास करें और सरकारी स्कूलों के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत करें। विधायिका ने मॉनसून का ध्यान रखते हुए सभी स्कूलों में पौधारोपण अभियान चलाने का आह्वान किया। उन्होने बताया कि जल्द एक मेगा पौधारोपण अभियान आयोजित किया जायेगा, जिसमे विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया जायेगा। उन्होने भीमराव अम्बेडकर द्वारा बताये गये मार्गो पर चलने की शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं से अपील की। सभी विद्यालय के प्रार्थना में डॉ० भीमराव अम्बेडकर, सावित्री बाई फुले, जणनायक कर्पूरी ठाकुर को भी जोड़ा जाये, जिससे छात्र-छात्राएं उनके बारे में जान सके। उन्होने विद्यालय की कर्मियों तथा परेशानी को लिखित रूप में देने की बात कही ताकि उसका निदान किया जा सके। वही पूर्व विधायक प्रदीप महतो ने कहा कि विद्यालय प्रबंध कार्यकारिणी को नये सिरे से शीघ्र गठन कर बेहतर शिक्षा का मौहाल बनाया जायेगा। संभव है अगली बैठक में यह प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी।

धन्यवाद ज्ञापन वी०के० साहु के प्रभारी प्राचार्या स्वेता कुमारी ने किया। बता दें कि रौशन कुमार, संजय कुमार बिहारी, वंदी शंकर, अर्चना कुमारी, सुर्दशन कुमार, यशपाल गौतम, प्रलाद कुमार, संदीप कुमार, अमित कुमार समेत प्रखण्ड के सभी प्राचार्य एवं वरीय शिक्षक एवं कई कार्यकर्ता वहाँ मौजुद थे। बैठक में पूर्व जिला परिषद सदस्य मीणा देवी, पूर्व मुखिया सह पैक्स अध्यक्ष मनोज प्रसाद, रामधनी कुशवाहा, राजेश, जयनन्दन, अमित कुमार, प्राचार्य उच्च माध्यमिक ठेरा, मनीषा कुमारी, बॉबी कुमारी, प्रियंका नारायण, प्रियंका रानी, वेद व्यास मौजूद रहे।●

फ्रंटलाइन पब्लिक स्कूल ने उत्साह के साथ मनाया अपना 25वाँ वर्षगांठ

● अमित कुमार सिन्हा/अनिता सिंह

फ्रंटलाइन पब्लिक स्कूल, आनंद नगर, चातर, नवादा में अपने 25 वीं वर्षगांठ पर रजत जयंती समारोह भारी उत्सव के साथ मनाया गया। इस महोत्सव का उद्घाटन प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष सह स्कूल के अध्यक्ष प्रो. बिजय कुमार, उपाध्यक्ष श्रीनिवास, महामंत्री धर्मेंद्र प्रसाद सिंह, मंत्री मनोज कुमार मिश्रा, वर्धमान महावीर महाविद्यालय के बरीय प्राध्यापक प्रो. रतन कुमार मिश्रा,एसकेएम कालेज के इतिहास विभाग के प्रो. (डा.)देवेन्द्र कुमार सिन्हा प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन कोडरमा के पदाधिकारी श्री सीताराम सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके किया। संप्रति मुख्य अतिथि नवल किशोर यादव माननीय सदस्य बिहार विधान परिषद सह श्रीमती विभा देवी माननीय विधायिका नवादा विधानसभा को विद्यालय के अध्यक्ष प्रो. बिजय कुमार के द्वारा माल्यार्पण पुष्प गुच्छ व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया इसके साथ ही सकरपुरा ग्राम पंचायत के मुखिया श्री नरसिंह सिंह एवं वारसलीगंज के कुटरी पंचायत के मुखिया कुमार अभिनव को माल्यार्पण एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में जिले के उपस्थित तमाम प्रधानाचार्य, सरकारी पदाधिकारी का अभिनंदन पुष्प गुच्छ और अंग वस्त्र देकर विद्यालय के प्राचार्य श्री राजेश कुमार सह श्री नवदीप कुमार सिन्हा ने सम्मानित किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि नवल किशोर यादव माननीय सदस्य बिहार विधान सभा परिषद ने कहा कि ग्रामीण परिवेश में स्थित यह विद्यालय सचमुच में गुदड़ी का लाल है जहां संस्कार के साथ शिक्षा व भारतीय सांस्कृतिक विरासत को विद्यालय परिवार द्वारा संरक्षित किया जा रहा है। बच्चों की प्रतिभा अपने आप में अद्भुत लगी यह विद्यालयी स्तर के साथ-साथ यहां के शिक्षकों की प्रतिभा को भी परिभाषित करता है। मैं विद्यालय के उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करता हूं। तत्पश्चात विद्यालय के बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई जिसकी सराहना दर्शक दीर्घा के द्वारा तालिया की गड़गड़ाहट से की गई देशभक्ति से ओत-प्रोत और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के साथ ही मद्य निषेध पर आधारित कार्यक्रम ने सब को सोचने पर विवश कर दिया। सुदामा चरित्र की प्रस्तुति से लोगों की आंखें नम हो गई। बच्चों ने कार्यक्रम सबसे पहले गणेश वंदना से शुरू किया जिससे पूरे पंडाल की स्थिति भक्ति मय हो गई अगली गीत 'राम आएंगे आएंगे' पूरा होते-होते दर्शक भक्ति में झूमने को मजबूर हो गए। अगली गीत जब बिहार की लोक संस्कृति पर्व त्यौहार की विशेषता को छठ महिमा और मिथिलांचल की संस्कृति को बच्चियों ने काफी हर्ष उल्लास के साथ प्रदर्शित किया। कार्यक्रम के अंत में ममता मयी मां को समर्पित एक गाना 'मां तेरी अंगुली पकड़ के चला' ने दर्शकों को भीतर से भाव विभोर कर दिया इस कार्यक्रम को सफल बनाने में और बच्चों की छुपी प्रतिभा को मंच तक लाने में स्कूल के मैनेजर विमलेश कुमार, शिक्षक सत्यांशु कुमार, प्रवीण कुमार, अजय कुमार, संतोष कुमार, किरण कुमारी, सुमन कुमारी, विनीता बाला, अनीश कुमार, सुमन कुमार, रितु कुमारी, गजाला अंजुम, सायरा फातिमा, नूतन कुमारी, विश्व भूषण, राजेश कुमार, प्रिंस कुमार, रोहित कुमार आदि की भूमिका काफी प्रशंसनीय रही। मंच का संचालन मुकुंद कुमार, रोहित कुमार, आयुष कुमार, वंदना कुमारी, लक्ष्मी कुमारी करके पूरे प्रोग्राम में चार चांद लगा दिया।●

धूमधाम से मनायी गयी विवेकानन्द जयंती

● **अमित कुमार सिन्हा/अनिता सिंह**

फ्रं विवेकानन्द ने विश्वस्तर पर अन्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त किया प्रचार्य पवन कुमार शर्मा टी0एस0 कॉलेज में विवेकानन्द जयंती धूम-धाम से मनया गया। जिले के त्रिवेणी सत्यभामा कॉलेज परिसर में स्वामी विवेकानन्द का आयोजन द्वीप प्रज्जवलित कर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० पवन कुमार शर्मा एवं विशेक्षक डॉ० स्वर्गेश कुमार एवं पुनम कुमारी ने संयुक्त रूप से विधिवत उद्घाटन किया। प्राचार्य डॉ० पवन कुमार शर्मा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि विवेकानन्द का व्यक्तित्व व कृतित्व अन्तराष्ट्रीय स्तर सराहनीय रहा। उन्होने जगत शुरू का सपना देखा था उनके जीवन और विचारों पर प्रकाश डालते हुए उनका उद्वेश्य लक्ष्य को जीवन में सफलता की सीढ़ी माना। उन्होने कहा था-'उठो जागो अपने लक्ष्य प्राप्ति तक रूको मत'। समय के मूल्य को पहचानो। इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागियों के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया था। सफल अभ्यर्थी को पुरस्कृत किया गया।

महाविद्यालय के एन.एस.आई. इकाई की ओर से आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार मिला। संयोजक डॉ० पुनम भारती की देख-रेख में स्वामी विवेकानन्द विकसीत भारत में युवाओं की भुमिका विषय पर प्रतियोगिता हुई थी। इसमें महाविद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। स्नातक की छात्रा रानी कुमारी ने प्रथम स्थान जबकि द्वितीय स्थान अलीशा राज, तृतीय स्थान मनीष कुमार ने प्राप्त किया। एन.एस.एस. पदाधिकारी डॉ० संजय कुमार चौहान के नेतृत्व में सफल छात्र-छात्राओं को प्राचार्य पवन कुमार शर्मा, हिसुआ विधायक अनिल सिंह, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी आतिश रंजन ने पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में मंच संचालन मीडिया प्रभारी मुकेश कुमार ने किया। विशेक्षक डॉ० स्वगेश कुमार, डॉ० अमरदीप मोहन, अमहोरे, डॉ० पुनम भारती, डॉ० संजय कुमार, डॉ० मुकेश कुमार, डॉ० नागेन्द्र दास, डॉ० पुनम कुमारी, डॉ० राजेश कुमार चौधरी, डॉ० धनन्जय कुमार, डॉ० उपेन्द्र कुमार मिश्रा, डॉ० माडवी रानी, डॉ० दिव्या पाण्डेय, डॉ० चन्द्रशेखर शडिल्य, डॉ० प्रतिभा कुमारी, डॉ० रीता सिन्हा, प्रधान सहायक राजेश कुमार, अमरनाथ गुप्ता, शिंधुकान्त रौशन, राधा रमन शंकर कुमार, दीपक कुमार समेत कॉलेज प्रागंण में सैकड़ों बुद्धिजीवि मौजुद थे।●

विवेकानन्द जयंती पर के.एल.एस. कॉलेज में भव्य आयोजन

● **अमित कुमार सिन्हा/अनिता सिंह**

जि ले के के.एल.एस. कॉलज जिन्नाजियम सभागार में में स्वामी विवेकानन्द जयंती का आयोजन द्वीप प्रज्जवलित कर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० शैलेश कुमार श्रीवास्तव एवं डॉ० ज्ञान प्रकाश रत्नेश ने संयुक्त रूप से विधिवत् उद्घाटन किया। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य शैलेज कुमार के निर्देशन तथा राष्ट्रीय सेवा योजना पदाधिकारी डॉ० ज्ञान प्रकाश रत्नेश के देख-रेख में सफल भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य शैलेज कुमार श्रीवास्तव ने अपने सम्बोधन में स्वामी विवेकानन्द के जीवन एवं विचारों पर प्रकाश डालते हुए उन्होने कहा कि आज के युवा वर्ग को उनके विचारों को अपने जीवन में उतारना चाहिए। उन्होने लक्ष्य को जीवन में सफलता की सीढ़ी माना। उन्होने कहा कि उठो जागो अपने लक्ष्य प्राप्ति तक मत रूको। उन्होने कहा कि 1893 में शिकागो धर्म सम्मलेन में पूरा विश्व में उनका डंका बजा और आज पूरे विश्व में उनके विचारो को अनुकरण लोग करके सफल हो रहे हैं और प्राचार्य ने उनके विचारों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालते हुये छात्र-छात्राओं से वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जीवन ने अपनाने का आह्वान किया। उन्होने जिन्नाजियम भवन का नाम विवेकानन्द भवन रखने की घोषणा करते हुये बताया कि इसका विधिवत् उद्घाटन 26 जनवरी 2026 को किया जायेगा। इस कार्य की पूर्ण जिम्मेवारी डॉ० एम.जेड. अहजादा को अधिकृत किया गया है। जन सम्पर्क पदाधिकारी डॉ० अरविन्द कुमार सिंह ने जानकारी दी कि स्वामी विवेकानन्द जयंती के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता निर्णायक मंडल में डॉ० एम.जेड. हसन सहजादा, डॉ० मनोज कुमार शाह, डॉ० अमरनाथ चटर्जी, डॉ० मुकेश कुमार, डॉ० अरविन्द कुमार सिंह एवं डॉ० शिवचन्द्र कुमार शामिल थे। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान संयुक्त रूप सोनाली कुमारी (गणित) शिवम कुमार राजनीति विज्ञान एवं श्रेया राज (समाज शास्त्र) ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान लक्ष्मी कुमार (इतिहास) तथा तृतीय स्थान खुशी कुमारी (राजनीति शास्त्र) को मिला। इस अवसर पर डॉ० अभय प्रताप सिंह डॉ० मनोज कुमार शाह, डॉ० एम.जेड. हसन शहजाहा, डॉ० अमर नाथ चटर्जी, डॉ० मुकेश कुमार, डॉ० शिवचन्द्र कुमार, डॉ० अरविन्द कुमार सिंह, डॉ० परम प्रबोध कुमार ने भी अपना विचार व्यक्त किया।●

हथियारबंद हमलावरों का तांडव

● **धर्मेन्द्र सिंह**

जिले के पोठिया थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े हथियारबंद हमलावरों द्वारा एक परिवार पर किए गए हमले ने इलाके में सनसनी फैला दी है। डूबानोची पंचायत के वावलागाछ सोनापुर गांव में 16 फरवरी को हुई इस घटना ने ग्रामीण सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़ित परिवार का आरोप है कि लगभग सौ की संख्या में पहुंचे हमलावरों ने न केवल घर में घुसकर मारपीट की, बल्कि लूटपाट और भारी तोड़फोड़ भी की। पीड़ित मो. अब्दुल सलाम ने थाना-पोठिया में दिए आवेदन में 18 नामजद सहित करीब 50 अज्ञात लोगों को आरोपित बनाया है। आवेदन के मुताबिक, दोपहर करीब 2 बजे आरोपी हरवे-हथियार से लैस होकर उनके घर पहुंचे और उनके बेटे मो. अब्दुल करीम से कथित रंगदारी विवाद को लेकर बहस शुरू कर दी। देखते ही देखते विवाद हिंसक झड़प में बदल गया।

☞ **बेरहमी से हमला, खून से लथपथ हुआ युवक :-** परिजनों के अनुसार हमलावरों ने अब्दुल करीम को पकड़कर लाठी, रॉड और तेजधार हथियारों से हमला किया। गले और पैर पर गंभीर चोट लगने से वह मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़े। बीच-बचाव करने पहुंचे परिवार के अन्य सदस्यों को भी नहीं बख्शा गया और उनके साथ भी मारपीट की गई।

☞ **लूटपाट और भारी तोड़फोड़ का आरोप :-** पीड़ित परिवार का आरोप है कि हमलावरों ने घर में जमकर उत्पात मचाया। नकद करीब दो लाख रुपये, लगभग तीन भरी सोने के आभूषण और 20 भरी चांदी के जेवर लूट लिए गए। इसके अलावा घर परिसर में खड़ी पांच मोटरसाइकिल, तीन चारपहिया वाहन और दो ट्रकों में भी तोड़फोड़ की गई। आरोप यह भी है कि कुछ हमलावर मवेशियों को खोलकर अपने साथ ले गए।

☞ **दहशत में परिवार, बाजार जाने से भी डर :-** परिवार का कहना है कि जाते-जाते हमलावरों ने थाना जाने या बाजार में दिखाई देने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ितों के मुताबिक, उनका मुख्य बाजार सोनापुर है, लेकिन डर के कारण अब वे घर से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं।

☞ **सीसीटीवी में कैद हुई पूरी घटना :-** पीड़ित ने दावा किया है कि पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई है, जो जांच में अहम साक्ष्य साबित हो सकती है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को पहले पोठिया अस्पताल तथा बाद में सदर अस्पताल, किशनगंज रेफर किया गया। थाना-पोठिया पुलिस ने आवेदन मिलने की पुष्टि करते हुए कहा है कि मामले की जांच की जा

रही है और आरोपों के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद गांव में भय और तनाव का माहौल बना हुआ है, जबकि स्थानीय लोग क्षेत्र में (पुलिस पिकेट) सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग कर रहे हैं।●

न्यायालय के कड़े फैसले से अपराधियों को सख्त संदेश

● **धर्मेन्द्र सिंह**

जिले की अदालतों से आए दो अहम फैसलों ने एक बार फिर यह संदेश स्पष्ट कर दिया है कि गंभीर अपराध और कानून की अवहेलना करने वालों के लिए न्याय व्यवस्था सख्त रुख अपनाने से पीछे नहीं हटेगी। पत्नी की निर्मम हत्या और अवैध शराब तस्करी से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में अदालत ने कठोर सजा सुनाते हुए अपराधियों के खिलाफ कड़ा संदेश दिया है।

☞ **पत्नी की हत्या पर पति को उम्रकैद :-** बहादुरगंज थाना क्षेत्र में वर्ष 2022 में हुई सनसनीखेज हत्या मामले में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-01 सुरेश प्रसाद सिंह की अदालत ने आरोपी पति मोहन लाल सिंह को दोषी करार देते हुए आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने उस पर 50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। जुर्माना अदा नहीं करने की स्थिति में अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतने का निर्देश दिया गया है। यह मामला बहादुरगंज थाना कांड संख्या 307/2022 (सत्र परीक्षण संख्या 88/2023) से संबंधित है। अभियोजन के अनुसार मृतका सुरमिला देवी की शादी करीब छः-सात वर्ष पूर्व आरोपी से हुई थी और दंपती का एक डेढ़ वर्षीय पुत्र भी था। बावजूद इसके आरोपी द्वारा पत्नी को लगातार प्रताड़ित किया जाता था। 19 नवंबर 2022 की रात आरोपी ने पत्नी की गला काटकर हत्या कर दी और शव को घर के पास कच्ची सड़क पर फेंक दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों, चार्जशीट और गवाहों के बयानों के आधार पर अदालत ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी पाया।

सरकार की ओर से अपर लोक अभियोजक सुरेन प्रसाद साह ने प्रभावी पैरवी करते हुए मामले को मजबूती से रखा। फैसले के बाद आरोपी को किशनगंज जेल भेज दिया गया। मृतका के परिजनों ने अदालत के निर्णय को न्याय की जीत बताया।

☞ **शराब तस्करी मामले में सात वर्ष की कठोर सजा :-** इसी क्रम में शराबबंदी कानून से जुड़े एक पुराने मामले में भी अदालत ने सख्त फैसला सुनाया। अनन्य विशेष उत्पाद न्यायाधीश-प्रथम नीरज किशोर सिंह की अदालत ने आरोपी कैलाश कामती को सात वर्ष की कठोर कारावास तथा एक लाख रुपये जुर्माना की सजा सुनाई। यह मामला वर्ष 2017 के ठाकुरगंज थाना कांड संख्या 37/17 एवं विशेष वाद संख्या 135/17 से जुड़ा था। आरोपी पर बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 30(ए) के तहत अवैध शराब कारोबार में संलिप्त होने का आरोप था। सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक (उत्पाद) सुरेन प्रसाद साहा ने साक्ष्यों के आधार पर साबित किया कि आरोपी अवैध शराब तस्करी में सक्रिय था, जो समाज में नशे की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने वाला अपराध है। अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट कहा कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू है और ऐसे अपराध राज्य की नीति के विरुद्ध हैं।

☞ **कानून का संदेश - अपराध का अंजाम तय :-** दोनों मामलों में आए फैसलों को न्यायिक सख्ती और कानून व्यवस्था की मजबूती के रूप में देखा जा रहा है। हत्या जैसे जघन्य अपराध से लेकर शराब तस्करी तक, अदालतों के इन निर्णयों ने यह संकेत दिया है कि अपराध चाहे व्यक्तिगत हो या सामाजिक, कानून की पकड़ से बचना संभव नहीं। स्थानीय लोगों ने फैसलों का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि ऐसे कड़े निर्णय भविष्य में अपराध और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में सहायक साबित होंगे।●

क्या भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया पंचायत सरकार भवन?

● **धर्मेन्द्र सिंह**

ग्रामीण प्रशासन को सशक्त बनाने और पंचायत स्तर पर सरकारी सेवाओं को एक छत के नीचे उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाए गए पंचायत सरकार भवन अब खुद सवालों के घेरे में आने लगे हैं। पोठिया प्रखंड के भोटाथाना पंचायत में करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित पंचायत सरकार भवन की स्थिति निर्माण के कुछ ही समय बाद चिंताजनक हो गई है, जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश और निराशा दोनों देखने को मिल रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार हाल ही में भवन की छत पर पलस्तर का कार्य कराया गया था, लेकिन कुछ ही दिनों के भीतर पलस्तर टूटकर गिरने लगा। इतना ही नहीं, भवन के कई कमरों की दीवारों में दरारें भी साफ दिखाई देने लगी हैं। नए भवन में इस तरह की खामियां सामने आने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

☞ **नया भवन, लेकिन हालत जर्जर :-** ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत सरकार भवन का निर्माण प्रशासनिक सुविधाओं को गांव तक पहुंचाने के लिए किया गया था, ताकि लोगों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए प्रखंड या जिला मुख्यालय का चक्कर न लगाना पड़े। लेकिन वर्तमान स्थिति ऐसी है कि लोग भवन के अंदर जाने से भी हिचक रहे हैं। छत से गिरते पलस्तर और दीवारों की दरारें किसी बड़े हादसे की आशंका पैदा कर रही हैं।

☞ **मानकों की अनदेखी का आरोप :-** स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि निर्माण कार्य के दौरान गुणवत्ता मानकों की अनदेखी की गई और काम जल्दबाजी तथा मनमाने तरीके से कराया गया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पूरे निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराई जाए तो अनियमितताओं की परतें खुल सकती हैं। लोगों के बीच यह चर्चा भी है कि सरकारी राशि का सही उपयोग नहीं हुआ और निर्माण में भारी लापरवाही बरती गई।

☞ **संवेदक पर उठे सवाल :-** भवन निर्माण कार्य से जुड़े संवेदक अब्दुल बारिक की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि कार्य गुणवत्ता के अनुरूप किया गया होता तो नया भवन इतनी जल्दी क्षतिग्रस्त नहीं होता। अब मांग उठ रही है कि निर्माण एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए।

☞ **प्रशासन ने दिए जांच के संकेत :-** मामले पर जिलाधिकारी विशाल राज ने कहा है कि यदि जांच में निर्माण गुणवत्ता में कमी पाई जाती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल जिला प्रशासन से निष्पक्ष जांच, तकनीकी मूल्यांकन और भवन की तत्काल मरम्मत कराने की मांग तेज हो गई है।

☞ **जवाबदेही की प्रतीक्षा :-** भोटाथाना पंचायत सरकार भवन अब केवल एक इमारत नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास योजनाओं की पारदर्शिता और जवाबदेही की परीक्षा बन गया है। अब सबकी निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हैं-क्या दोषियों पर कार्रवाई होगी या यह मामला भी समय के साथ ठंडे बस्ते में चला जाएगा? ग्रामीणों की मांग साफ है-जांच हो, सच सामने आए और करोड़ों की लागत से बने इस भवन को सुरक्षित व उपयोगी बनाया जाए, ताकि पंचायत सरकार भवन अपने वास्तविक उद्देश्य को पूरा कर सके।●

रिश्वतखोरी पर निगरानी का शिकंजा

● धर्मेन्द्र सिंह

जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की बड़ी कार्रवाई ने सरकारी महकमे में हलचल मचा दी है। 17 फरवरी को योजनाबद्ध ऑपरेशन के तहत निगरानी विभाग की 15 सदस्यीय टीम ने खनन कार्यालय के प्रधान लिपिक और एक परिचारी (प्यून) को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई इतनी गोपनीय तरीके से की गई कि आरोपियों को भनक तक नहीं लगी और पूरी घटना जिलेभर में चर्चा का विषय बन गई।

☞ **ट्रैक्टर छुड़ाने के नाम पर मांगी जा रही थी रिश्वत :-** जानकारी के अनुसार चकला निवासी हबीब आलम ने निगरानी अन्वेषण ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके ट्रैक्टर का चालान जमा होने के बावजूद कागजात देने के लिए खनन कार्यालय के कर्मियों द्वारा रिश्वत की मांग की जा रही है। आरोप था कि प्रधान लिपिक अशोक कुमार चौधरी ने 8 हजार रुपये और कार्यालय के प्यून सरोज कुमार ने 7 हजार रुपये की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद निगरानी विभाग ने पहले मामले का सत्यापन कराया। आरोप सही पाए जाने पर निगरानी थाना कांड संख्या 20/26 के तहत 16 फरवरी 2026 को प्राथमिकी दर्ज की गई और कार्रवाई की रणनीति तैयार की गई।

☞ **सादे लिबास में पहुंची टीम, फिल्मी अंदाज में गिरफ्तारी :-** पटना से पहुंचे निगरानी डीएसपी आशिफ इकबाल मेहदी के नेतृत्व में 15 सदस्यीय टीम सादे लिबास में किशनगंज पहुंची। पूरी कार्रवाई गुप्त रखी गई। पहले डुमरिया गर्ल्स हाई स्कूल के समीप सरोज कुमार को 7 हजार रुपये लेते हुए दबोचा गया। इसके तुरंत बाद खनन कार्यालय के पास स्थित एक चाय दुकान से प्रधान लिपिक अशोक कुमार चौधरी को 8 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। डीएसपी ने बताया कि शिकायत की पुष्टि होने के बाद योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप बिछाया गया था और दोनों आरोपियों को सबूत के साथ गिरफ्तार किया गया।

☞ **पूछताछ के बाद कई बिंदु सामने आने की चर्चा :-** गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। हालांकि पूछताछ से जुड़ी जानकारी को फिलहाल गोपनीय रखा गया है। माना जा रहा है कि जांच के दौरान कुछ अहम तथ्य सामने आए हैं, जिनके आधार पर आगे की कार्रवाई हो सकती है।

☞ **कार्रवाई के बाद खनन कार्यालय में सन्नाटा :-** निगरानी टीम द्वारा कार्रवाई के अगले दिन खनन कार्यालय का माहौल सामान्य दिनों से अलग नजर आया। कर्मचारी समय पर पहुंचे जरूर, लेकिन चेहरों पर तनाव साफ झलक रहा था। कार्यालय परिसर और आसपास की दुकानों में दिनभर इसी कार्रवाई की चर्चा होती रही। बताया जाता है कि बेतिया निवासी अशोक कुमार चौधरी ने करीब पांच महीने पहले ही किशनगंज खनन कार्यालय में योगदान दिया था, जबकि फुलवारी शरीफ (पटना) निवासी सरोज कुमार पिछले चार वर्षों से यहां कार्यरत थे।

☞ **भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त संदेश :-** निगरानी विभाग की इस कार्रवाई को प्रशासनिक स्तर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ा संदेश माना जा रहा है। छोटी रकम की रिश्वत भी अब अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए बड़ी मुसीबत बन सकती है-यह संकेत इस कार्रवाई ने स्पष्ट कर दिया है। अब आगे की कानूनी प्रक्रिया के तहत दोनों आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा, जबकि निगरानी विभाग मामले की गहन जांच में जुटा हुआ है। जिले में इस कार्रवाई को लेकर आम लोगों के बीच संतोष और चर्चा दोनों का माहौल बना हुआ है।●

मेहनत से ही मिलती है सफलता, हर इंसान के आत्मा रूप में विद्यमान है परमात्मा : राज्यपाल

● धर्मेन्द्र सिंह

सीमांचल की शैक्षणिक धरती 8 फरवरी को उस समय विशेष रूप से गौरवान्वित नजर आई, जब बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने तौहीद एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा संचालित प्रस्तावित इमाम बुखारी यूनिवर्सिटी में आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। समारोह शिक्षा, प्रेरणा और सामाजिक चेतना का संगम बन गया, जहां विद्यार्थियों को सफलता, आत्मविश्वास और मानव मूल्यों का संदेश मिला। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि कुदरत ने इंसान को सोचने और समझने की अद्भुत शक्ति दी है, लेकिन सफलता केवल उसी को मिलती है जो मेहनत और ईमानदारी को अपना मार्ग बनाता है। उन्होंने आध्यात्मिक संदेश देते हुए कहा कि परमात्मा हर व्यक्ति के भीतर आत्मा के रूप में विद्यमान है और जीवन का उद्देश्य उसे पहचानते हुए अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करना है।

☞ **बेटियां हर क्षेत्र में बना रहीं पहचान :-** महिलाओं की प्रगति का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि आज बेटियां फाइटर प्लेन उड़ा रही हैं और देश-दुनिया के हर क्षेत्र में अपनी क्षमता का परिचय दे रही हैं। उन्होंने छात्राओं से आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और शिक्षा को सशक्तिकरण का माध्यम बनाने का आहवान किया।

☞ **विकास और शिक्षा सरकार की प्राथमिकता :-** समारोह को संबोधित करते हुए बिहार सरकार के पथ निर्माण एवं उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने राज्यपाल का स्वागत करते हुए कहा कि किशनगंज और सीमांचल क्षेत्र शिक्षा एवं आधारभूत संरचना विकास के केंद्र में हैं। उन्होंने बताया कि जिले में कई महत्वपूर्ण सड़कों का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और सड़क गुणवत्ता से समझौता करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। ग्रामीण विकास मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री सड़क निर्माण योजना के तहत सीमांचल क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सड़कें बनाई जा रही हैं। उन्होंने मानव सेवा को सर्वोच्च सेवा बताते हुए शिक्षा के विस्तार को सामाजिक विकास की कुंजी बताया।

☞ **शिक्षा जगत की हस्तियों ने रखे विचार :-** इस अवसर पर किशनगंज विधायक कमरूल हुदा, तौहीद एजुकेशनल ट्रस्ट के चेयरमैन मौलाना मतीउर रहमान, जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. अफसार आलम तथा इमाम बुखारी यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. मोहम्मद इस्तियाक ने भी शिक्षा और समाज निर्माण पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के पारंपरिक स्वागत से हुई, जिसके बाद राज्यपाल ने छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

☞ **राज्यपाल से सामाजिक संगठनों की शिष्टाचार भेंट :-** राज्यपाल के दौरे के दौरान इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, किशनगंज के प्रतिनिधियों ने उनसे मुलाकात कर जिले में चल रहे मानव सेवा कार्यों की जानकारी दी। वहीं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के प्रतिनिधियों ने मारवाड़ी कॉलेज से जुड़े शैक्षणिक मुद्दों को उठाते हुए बीएड पाठ्यक्रम शुरू करने, पीजी भवन एवं परीक्षा भवन निर्माण की मांग का ज्ञापन सौंपा। कॉलेज प्रशासन पर लगाए गए आरोपों की जांच की मांग भी की गई।

☞ **सुरक्षा और प्रशासनिक तैयारियां रहीं सुदृढ़ :-** राज्यपाल के कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। सुरक्षा एवं प्रोटोकॉल व्यवस्था के तहत पुलिस बल के साथ दंडाधिकारियों की व्यापक तैनाती की गई थी। एडीएम इरफान आलम और डीपीआरओ कुंदन

कुमार सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहे। ग्रामीण कार्य विभाग के मुख्य अभियंता सुधीर कुमार, अधीक्षण अभियंता संजय कुमार तथा अन्य तकनीकी अधिकारियों ने भी समन्वय की जिम्मेदारी संभाली। प्रशासन की निगरानी में पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

☞ **शहर में हाई सिक्योरिटी अलर्ट :-** राज्यपाल के आगमन को लेकर पूरे शहर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। हवाईअड्डा से कार्यक्रम स्थल तक लगभग हर 200 मीटर पर पुलिस बल तैनात रहा। डॉग स्क्वायड द्वारा प्रमुख स्थलों की सघन जांच की गई और राज्यपाल के गुजरने वाले मार्ग पर पूर्व निर्धारित समय से पहले यातायात रोक दिया गया। जिलाधिकारी विशाल राज और पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार स्वयं सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते नजर आए। जिले के एक दर्जन से अधिक थानों के थानाध्यक्षों को भी सुरक्षा ड्यूटी में लगाया गया था। राज्यपाल का यह दौरा केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि शिक्षा, सेवा और विकास के संदेश के साथ सीमांचल के शैक्षणिक भविष्य को नई ऊर्जा देने वाला अवसर साबित हुआ।●

अपराध पर नकेल कसने की नई रणनीति

● **धर्मेन्द्र सिंह**

जिले में बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों और अपराध नियंत्रण को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन ने एक नई और सख्त पहल की शुरुआत की है। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निर्देश पर अब किशनगंज में 'सुपर पेट्रोलिंग' व्यवस्था लागू कर दी गई है, जिसके तहत रात के संवेदनशील घंटों में वरीय पुलिस अधिकारी स्वयं सड़कों पर उतरकर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करेंगे। यह पहल न केवल अपराधियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने की रणनीति मानी जा रही है, बल्कि आम नागरिकों को सुरक्षित माहौल देने की दिशा में पुलिस का सक्रिय कदम भी माना जा रहा है।

☞ **देर रात होगी सघन निगरानी :-** नई व्यवस्था के तहत प्रतिदिन रात 2:30 बजे से सुबह 4:30 बजे तक विशेष सुपर पेट्रोलिंग अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान प्रतिनियुक्त अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहकर थानों की ओडी (ऑफिस ड्यूटी), गश्ती दलों की सक्रियता, गार्ड ड्यूटी तथा ईआरवी (इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल) की कार्यप्रणाली की जांच करेंगे। इसके अलावा डीएसपी और पुलिस निरीक्षक स्तर के अधिकारी समय-समय पर आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्था की वास्तविक स्थिति का आकलन करेंगे।

☞ **जिले को चार सुरक्षा जोन में बांटा गया :-** सुपर पेट्रोलिंग को प्रभावी बनाने के लिए पूरे जिले को चार अलग-अलग जोन में विभाजित किया गया है, जहां जिम्मेदारी सीधे वरीय पदाधिकारियों को सौंपी गई है।

☞ **जोन 1 :-** किशनगंज, बहादुरगंज, कोचाधामन और विशनपुर थाना क्षेत्र शामिल। प्रभारी-मुख्यालय डीएसपी अशोक कुमार (मो. 7739940421)

☞ **जोन 2 :-** अर्राबाड़ी (छतरगाछ कैम्प), पहाड़कट्टा, पोठिया (चिचुआबाड़ी पिकेट), ठाकुरगंज, कुर्लीकोट एवं गलगलिया थाना क्षेत्र। प्रभारी-सार्जेंट अभिषेक कुमार (मो. 7549633093)

☞ **जोन 3 :-** दिघलबैंक, गर्वनडंगा, जियापोखर, पौआखाली, सुखानी और पाठामारी थाना क्षेत्र। प्रभारी-सार्जेंट दीपक कुमार (मो. 7979005637)

☞ **जोन 4 :-** बीबीगंज, कोढ़ोबाड़ी, टेढ़ागाछ, फतेहपुर एवं झाला पिकेट क्षेत्र। प्रभारी-परिचारी रत्नेश कुमार गिरी (मो. 9708437400)

☞ **आम जनता से सीधा संपर्क :-** पुलिस प्रशासन ने पारदर्शिता और त्वरित सहायता को ध्यान में रखते हुए सभी जोन प्रभारियों के मोबाइल नंबर सार्वजनिक किए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में नागरिक सीधे संबंधित अधिकारी से संपर्क कर सकें। इससे पुलिस प्रतिक्रिया समय कम होने की उम्मीद जताई जा रही है।

☞ **लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई :-** एसपी संतोष कुमार ने स्पष्ट कहा कि सुपर पेट्रोलिंग का उद्देश्य केवल गश्ती बढ़ाना नहीं, बल्कि पुलिसिंग की गुणवत्ता में सुधार लाना है। उन्होंने चेतावनी दी कि गश्ती व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी पुलिसकर्मियों पर कठोर कार्रवाई होगी।

☞ **सुरक्षा के नए मॉडल की शुरुआत :-** पुलिस महकमे के जानकारों का मानना है कि यह व्यवस्था जिले में "प्रोएक्टिव पुलिसिंग" की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। देर रात के समय होने वाली चोरी, तस्करी और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने में यह अभियान प्रभावी साबित हो सकता है। अब देखना यह होगा कि 'सुपर पेट्रोलिंग' की यह नई रणनीति किशनगंज में कानून व्यवस्था को कितना मजबूत बनाती है, लेकिन फिलहाल पुलिस की यह सक्रियता अपराधियों के लिए साफ संदेश है-रात अब पहले जैसी नहीं रही।●

ई-मेल पर बम धमकी

दहशत, जाँच और सुरक्षा के साये में सिविल कोर्ट

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज का व्यवहार न्यायालय इन दिनों सुरक्षा के कड़े घेरे और सतर्क प्रशासनिक निगरानी के बीच चर्चा का केंद्र बना हुआ है। ईमेल के माध्यम से कोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने की दो अलग-अलग घटनाओं ने न सिर्फ न्यायिक व्यवस्था को झकझोर दिया, बल्कि आम लोगों और अधिवक्ताओं के बीच भी भय और असमंजस का माहौल पैदा कर दिया है।

☞ **सुबह का एक ईमेल और मच गया हड़कंप :-** 08 जनवरी की सुबह करीब 9 बजकर 57 मिनट पर आए एक ईमेल ने पूरे प्रशासनिक तंत्र को अचानक अलर्ट मोड में ला दिया। ईमेल में दावा किया गया था कि किशनगंज सिविल कोर्ट परिसर में विस्फोटक सामग्री रखी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आया और पूर्व के पुलिस अधीक्षक सागर कुमार समेत वरीय अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। धमकी को हल्के में लेने के बजाय प्रशासन ने एहतियातन पूरे कोर्ट परिसर को खाली करा दिया। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड की टीम ने भवन के हर हिस्से-कोर्ट रूम, गलियारे, चौंबर और सार्वजनिक स्थानों-की बारीकी से जांच की। शुरुआती जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था को तुरंत सख्त कर दिया गया। प्राथमिक जांच में यह भी संकेत मिला कि ईमेल तमिलनाडु से भेजा गया हो सकता है, हालांकि साइबर जांच के जरिए इसकी पुष्टि की प्रक्रिया जारी है।

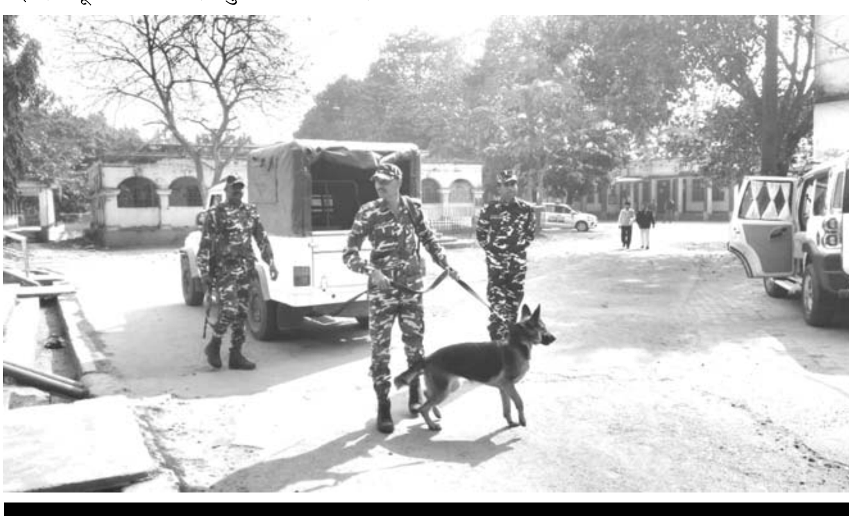

☞ **दूसरी धमकी ने बढ़ाई गंभीरता :-** मामला यहीं नहीं थमा। 11 फरवरी को एक बार फिर व्यवहार न्यायालय को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिलने से पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई। इस बार ईमेल में जज चौंबर, वॉशरूम और अन्य स्थानों पर विस्फोटक लगाए जाने का दावा किया गया था, जिन्हें रिमोट के जरिए विस्फोट करने की बात कही गई थी। सूचना मिलते ही न्यायालय के दोनों मुख्य प्रवेश द्वारों पर सघन जांच शुरू कर दी गई। कोर्ट आने-जाने वाले हर व्यक्ति की तलाशी ली गई और अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई। बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड ने एक बार फिर पूरे परिसर की गहन जांच की।घटना के बाद अधिवक्ताओं और न्यायालय कर्मियों में दहशत साफ दिखाई दी। वरिष्ठ अधिवक्ता अजीत कुमार दास ने चिंता जताते हुए कहा कि बार-बार मिल रही ऐसी धमकियां कानून-व्यवस्था को खुली चुनौती हैं और दोषियों की जल्द पहचान जरूरी है।

☞ **सीमावर्ती जिला होने से बढ़ी संवेदनशीलता :-** किशनगंज का भौगोलिक महत्व भी इस मामले को अधिक गंभीर बनाता है। बिहार-बंगाल सीमा से सटे इस जिले को पहले से संवेदनशील माना जाता है। धमकी के बाद सीमा क्षेत्रों में वाहनों की जांच तेज कर दी गई और सुरक्षा एजेंसियों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार और जिलाधिकारी विशाल राज ने संयुक्त रूप से लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से दूर

रहने की अपील की। प्रशासन का कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा की जा रही है और भविष्य में ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए अतिरिक्त प्रोटोकॉल तैयार किए जा रहे हैं।

☞ **जांच जारी, जवाब की तलाश :-** फिलहाल साइबर थाना की टीम ईमेल भेजने वाले की पहचान करने में जुटी हुई है। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर डिजिटल ट्रैकिंग की जा रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि धमकी महज शरारत थी या किसी बड़े षड्यंत्र का हिस्सा। लगातार दूसरी बार मिली धमकी ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल जरूर खड़े किए हैं, लेकिन प्रशासन का दावा है कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी की गई है। किशनगंज सिविल कोर्ट में अब सामान्य गतिविधियां धीरे-धीरे बहाल हो रही हैं, मगर सुरक्षा जांच और सतर्क निगरानी के बीच न्याय की प्रक्रिया फिलहाल चौकसी के साये में आगे बढ़ रही है।●

एसएसबी का नागरिक कल्याण कार्यक्रम

● **फरीद अहमद**

स्वर्णजीत शर्मा, कमांडेंट, 19वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, ठाकुरगंज की उपस्थिति में नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन वितरण कार्यक्रम का 11 फरवरी को समवाय कदुभिटा के कार्यक्षेत्र स्थित +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय, बंदरझूला में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की लगभग 300 छात्राओं को सैनिटरी पैड वितरित किए गए। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ कमांडेंट स्वर्णजीत शर्मा द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने सर्वप्रथम विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती ममता कुमारी, शिक्षकों एवं उपस्थित छात्र-छात्राओं का हार्दिक अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि सशस्त्र सीमा बल द्वारा प्रत्येक वर्ष सीमावर्ती क्षेत्रों में नागरिक कल्याण कार्यक्रमों के अंतर्गत विभिन्न जनहितकारी योजनाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया जाता है। उन्होंने बताया कि 'विकसित भारत अभियान' के अंतर्गत वाइब्रेंट गाँव धनटोला, डोरिया, चुर्ली, भेंडरानी, हुलहूली, ग्वालटोली, सुखानी सहित अन्य गाँवों के ग्रामीण भी इन कार्यक्रमों से लाभान्वित होंगे। कमांडेंट महोदय ने जानकारी दी कि नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत सीमावर्ती क्षेत्रों में छात्र-छात्राओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण, ब्यूटीशियन प्रशिक्षण, प्लंबिंग प्रशिक्षण, आर.ओ. फिल्टर रिपेयरिंग प्रशिक्षण, वाहन चालक प्रशिक्षण, सामाजिक जागरूकता अभियान, कंप्यूटर प्रशिक्षण, इलेक्ट्रिक वायरिंग एवं वेल्डिंग प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त मानव चिकित्सा शिविर एवं पशु चिकित्सा शिविर भी लगाए जाते हैं, जिससे स्थानीय लोगों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होता है। उन्होंने ग्रामीणों से भविष्य में आयोजित होने वाले भर्ती-पूर्व प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान भी किया। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि आज का यह सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन वितरण कार्यक्रम सीमांत क्षेत्र की छात्राओं के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया है, ताकि वे स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक बन सकें और बिना किसी संकोच के अपनी शिक्षा जारी रख सकें। अंत में उन्होंने आश्वासन दिया कि 19वीं वाहिनी द्वारा भविष्य में भी ऐसे जन-कल्याणकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे। उन्होंने सभी से अपील की कि वाहिनी द्वारा संचालित कार्यक्रमों में पूर्ण सहयोग प्रदान करें। कार्यक्रम के समापन पर उन्होंने सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।●

झाटीबाड़ी के पास लूटकांड का पुलिस ने किया खुलासा

● फरीद अहमद

जिले के सुखानी थाना क्षेत्र अंतर्गत झाटीबाड़ी के पास हुई लूट की घटना का पुलिस ने सफल उद्भेदन कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार करते हुए लूटे गए सामान की बरामदगी भी कर ली है। पुलिस के अनुसार सुखानी थाना कांड संख्या 08/26, धारा 309(4) बीएनएस के तहत 5 फरवरी 2026 को मामला दर्ज किया गया था। वादी रविन्द्र कुमार ठाकुर (27 वर्ष), पिता अशोक लाउर, निवासी ग्राम बेर्नाना, थाना रानीगंज, जिला अररिया ने अपने लिखित आवेदन में बताया था कि झाटीबाड़ी के समीप तीन अज्ञात अपराधियों ने उनकी मोटरसाइकिल को रस्सी लगाकर जबरन रोक लिया और उनका बैग छीनकर मोटरसाइकिल से हाईवे की ओर फरार हो गए। लूटे गए बैग

में एक सैमसंग टैब, एक मॉर्फो डिवाइस एवं एक मोबाइल फोन रखा हुआ था। मामले के अनुसंधान के क्रम में तकनीकी साक्ष्य एवं गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कांड के अप्राथमिक अभियुक्त निहार बाबू (24 वर्ष), पिता जाहिदुल रहमान, निवासी अमलझाड़ी वार्ड संख्या-01, थाना पाठामारी, जिला किशनगंज को घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल (R15) के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि लूटे गए सैमसंग टैब एवं मोबाइल फोन की बरामदगी 6 फरवरी 2026 को ही अभियुक्त के घर से विधिवत रूप से की गई है। गिरफ्तार अभियुक्त का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके विरुद्ध पूर्व में ठाकुरगंज थाना मामला दर्ज है। पुलिस अन्य संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। पकड़े गए अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। कांड का अनुसंधान जारी है। इस कार्रवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-2 किशनगंज मंगलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में सुखानी थानाध्यक्ष मन्नू कुमारी सहित पुलिस पदाधिकारी और पुलिस बल शामिल रहे। ●

विश्व कैंसर दिवस पर चिकित्सा शिविर का आयोजन

● फरीद अहमद

जिला के ठाकुरगंज प्रखंड में विश्व कैंसर दिवस के उपलक्ष्य में उच्च मुख्यालय के आदेशानुसार तथा स्वर्णजीत शर्मा, कमान्डेंट, 19वीं वाहिनी ठाकुरगंज के कुशल निर्देशन में वाहिनी मुख्यालय में संदीक्षा परिवार, 19वीं वाहिनी की सदस्याओं के लिए एक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार केंद्र, ठाकुरगंज के सहयोग से स्तन, पेट, गर्भाशय एवं गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर की रोकथाम, देखभाल एवं समय पर जांच के विषय में जागरूकता प्रदान की गई। कार्यक्रम की शुरुआत कमान्डेंट द्वारा डॉ. ए. रहमान, प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी , प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार केंद्र ठाकुरगंज, उनके साथ उपस्थित चिकित्सा स्टाफ, समस्त अधिकारीगणों तथा श्रीमती इंदु शर्मा, अध्यक्षा, संदीक्षा परिवार, 19वीं वाहिनी एवं सभी सदस्याओं का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन की गई। अपने संबोधन में कमान्डेंट ने बताया कि उच्च मुख्यालय से प्राप्त निर्देशों के क्रम में महिलाओं के स्वास्थ्य से संबंधित इस

महत्वपूर्ण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम/सेमिनार/चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने डॉ. ए. रहमान द्वारा इस आग्रह को स्वीकार करने हेतु उनका आभार व्यक्त किया तथा महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। इसके पश्चात डॉ. ए. रहमान ने अपने वक्तव्य में कमान्डेंट महोदय एवं वाहिनी का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्हें वाहिनी की सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ, जो उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कैंसर की प्रारंभिक पहचान, लक्षण, रोकथाम एवं नियमित जांच के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। अंत में श्रीमती इंदु शर्मा, अध्यक्षा, संदीक्षा परिवार, 19वीं वाहिनी द्वारा संदीक्षा परिवार की समस्त सदस्याओं की ओर से सभी चिकित्सकों एवं चिकित्सा स्टाफ का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इसके पश्चात महिला चिकित्सक द्वारा उपस्थित सदस्याओं को कैंसर की रोकथाम एवं देखभाल संबंधी जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। उपर्युक्त कार्यक्रम में एम. ब्रोजेन सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी, राजीव शर्मा, उप कमान्डेंट, बिनोद कुमार दास, उप कमान्डेंट, जगजीत बहादुर जेगवार, उप कमान्डेंट, विकास कुमार पाण्डेय उप कमान्डेंट सहित 19वीं वाहिनी के समस्त संदीक्षा सदस्याएं एवं महिला बल कार्मिक उपस्थित रहीं। ●

मादक पदार्थों की रोकथाम को लेकर समीक्षा बैठक

● रवि रंजन मिश्र

मादक पदार्थों की तस्करी, बिक्री, भंडारण और सेवन पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से NCORD अंतर्गत जिलास्तरीय समिति की समीक्षा बैठक आज समाहरणालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता तरनजोत सिंह, डॉ0 शौर्य सुमन (वरीय पुलिस अधीक्षक, बेतिया) तथा रामानंद कुमार कौशल (पुलिस अधीक्षक, बगहा) ने की। बैठक में प्रशासनिक, पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के वरीय पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में मादक पदार्थों की अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए बहु-आयामी रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। जिला पदाधिकारी, श्री तरनजोत सिंह ने कहा कि इस चुनौती से निपटने के लिए पुलिस, जिला प्रशासन, एसएसबी सहित सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ ठोस और परिणामोन्मुख कार्रवाई करनी होगी। उन्होंने कहा कि केवल कार्रवाई ही नहीं, बल्कि व्यापक जन-जागरूकता अभियान भी समानांतर रूप से चलाया जाना आवश्यक है। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिला जनसंपर्क पदाधिकारी नशामुक्ति केंद्रों, नशामुक्ति के संदेश और रोकथाम से जुड़े विषयों पर होर्डिंग-बैनर लगवाना सुनिश्चित करें। साथ ही स्थानीय समाचार पत्रों और सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी निरंतर प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि आमजन को जागरूक किया जा सके। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर रोक के लिए आसूचना (इंटेलिजेंस) संग्रह अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस दिशा में जीविका, कृषि, उत्पाद विभाग सहित सभी अनुमंडल पदाधिकारी अपने-अपने तंत्र के माध्यम से सूचनाएं एकत्र करें और पुलिस पदाधिकारियों के साथ साझा करें, ताकि त्वरित और प्रभावी कार्रवाई हो सके। वन क्षेत्रों और पहाड़ी इलाकों में संभावित गतिविधियों पर अंकुश के लिए डीएफओ को एसएसबी के साथ समन्वय स्थापित कर संयुक्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों पर प्रभावी

रूप से अंकुश लगाना बेहद जरूरी है और इसके लिए नियमित छापेमारी अभियान चलाया जाना चाहिए। वरीय पुलिस अधीक्षक, बेतिया डॉ0 शौर्य सुमन ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है और सीजर की कार्रवाई भी हो रही है। पुलिस पदाधिकारी पूरी सतर्कता के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि स्कूलों और कॉलेजों में विशेष जन-जागरूकता अभियान चलाए जाएं, ताकि छात्र-छात्राएं और उनके अभिभावक मादक पदार्थों के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक और सचेत हो सकें। पुलिस अधीक्षक, बगहा श्री रामानंद कुमार कौशल ने कहा कि सभी संबंधित विभागों को मिलकर रोकथाम के लिए निरंतर कार्रवाई करनी होगी। उन्होंने बताया कि तस्करी पर नियंत्रण के लिए विभिन्न स्थानों पर नाका और चेकिंग की जा रही है, नियमित छापेमारी जारी है और नए संभावित मार्गों व क्षेत्रों में भी सघन जांच की व्यवस्था की जा रही है। हॉटस्पॉट क्षेत्रों की पहचान कर वहां नियमित जांच सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर श्री बलवंत सिंह, समादेष्टा, एसएसबी 44वीं बटालियन नरकटियागंज ने बताया कि एसएसबी द्वारा निरंतर निरोधात्मक कार्रवाई के साथ-साथ नशामुक्ति अभियान भी चलाया जा रहा है, ताकि आमजन को जागरूक कर इस सामाजिक बुराई के विरुद्ध प्रेरित किया जा सके। बैठक में एसएसबी के अन्य वरीय पदाधिकारियों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी अपने-अपने सुझाव रखे। इस अवसर पर अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिन्हा, सिविल सर्जन, एसडीएम बेतिया सदर, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, मद्य निषेध विभाग के अधीक्षक सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। वहीं, अन्य अनुमंडल पदाधिकारी और एसएसबी के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े रहे। ●

खेलकूद प्रतियोगिता से प्रतिस्पर्धा की भावना होती है विकसित : विवेक दीप

● रवि रंजन मिश्र

संत लौरेंस स्कूल चुहड़ी में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2026 का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने परेड, योग और विभिन्न खेलों में शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विवेक दीप और विशिष्ट अतिथि फादर हरमन रफाएल का गार्ड ऑफ ऑनर के साथ स्वागत किया गया। विद्यालय के निदेशक रेजीनॉल्ड अमर सिंह और प्रधानाध्यापक रोनाल्ड कुँअर सिंह ने अतिथियों को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने परेड का निरीक्षण कर झंडोत्तोलन और मशाल प्रज्वलन के साथ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। चारों दलों के विद्यार्थियों ने आकर्षक मार्च पास्ट, मास ड्रिल, योगासन और पिरामिड प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीत लिया। विवेक दीप ने कहा कि खेलकूद और परेड से अनुशासन, एकता और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है, जो भविष्य में पुलिस व अन्य सेवाओं में भी महत्वपूर्ण है।

प्रतियोगिता में 100 व 400 मीटर दौड़, रिले रेस, सैक रेस सहित कई खेल आयोजित हुए। इस अवसर पर वर्ष 2025-26 के बेस्ट गर्ल वंदना कुमारी और बेस्ट बॉय साकिर अंसारी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अभिभावकों, शिक्षकों और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की भागीदारी रही। ●

बेतिया पुलिस की बड़ी उपलब्धि, साइबर अपराधी गिरफ्तार

● रवि रंजन मिश्र

दिनांक 14 /02 /2026 बेतिया साईबर थाना को गुप्त सूचना मिली की नौतन थाना क्षेत्र के (1.) संदीप कुमार गुप्ता, उम्र-32 वर्ष, पिता-स्व0 उमाशंकर प्रसाद सा0-मंगलपुर गुदरिया, वार्ड सं0-05, थाना-नौतन जिला-प0 चम्पारण, बेतिया के द्वारा भारी मात्रा में Mule Account खरीद कर उस अकाउन्ट में साईबर फ्रॉड का पैसा मंगाते है तथा अपना कमीशन रखकर शेष पैसो को पुनः अपने सहयोगी साईबर अपराधियों को भेज कर साइबर वित्तीय धोखाधड़ी कि राशि की हेर फेर करते है। उक्त व्यक्ति के द्वारा इस्तेमाल किये गये Mule Account पर साइबर अपराध की कई शिकायते दर्ज है। इन खाताओं में काफी बड़े पैमाने पर पैसे की लेन देन जो लाखों में है, होने की सूचना है। उक्त सुचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय बेतिया के निर्देशनुसार वरीय पुलिस उपाधीक्षक (साइबर क्राइम) के नेतृत्व में बेतिया साइबर थाना के पुलिस पदाधिकारी/कर्मी की गठित टीम द्वारा नौतन

थाना के सहयोग से मंगलपुर बाजार, नौतन स्थित गुप्ता वस्त्रालय पर छापेमारी की गई । छापेमारी के दौरान दुकान के काउंटर के विभिन्न दराजो से 08 मोबाइल, 28 एटीएम, 05 पासबुक, 04 चेक बुक एवं 10 सीम बरामद किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त :- संदीप कुमार गुप्ता, उम्र-30 वर्ष, पिता-स्व0 उमाशंकर प्रसाद एवं पता सा0-मंगलपुर गुदरिया, वार्ड सं0-05, थाना-नौतन जिला-प0 चम्पारण, बेतिया।
बरामदगी :- एटीएम कार्ड-28, मोबाइल-08, सिम-10, बैंक पासबुक-05, चेक बुक-04

दुकान के मालिक संदीप कुमार गुप्ता, उम्र-30 वर्ष, पिता-स्व0 उमाशंकर प्रसाद, सा0-मंगलपुर गुदरिया वार्ड सं0-05, थाना-नौतन जिला-प0 चम्पारण, बेतिया से गहनता से पुछ-ताछ करने पर इन्होंने अपना जुर्म कबूलते हुए बताया कि ये भारी मात्रा मे 4-5 हजार रूव में डनसम बैंक अकाउंट एवं मोबाइल सीम खरीदते है तथा इस डनसम अकाउंट में अपने सहयोगियो के माध्यम से साइबर ठगी की राशि को मंगाते हैं तथा अपना 7 से 8 प्रतिशत कमिशन रख कर मंगाए गये राशि को पुनः ATM कैश डिपोजिट मशीन से साइबर अपराधियों के द्वारा दिये गये विभिन्न बैंक अकाउंट में जमा करते है। इस सम्बन्ध में बेतिया साइबर थाना कांड सं०- 08/26, दिनांक-14-02-2026 दर्ज कर गिरफ्तार 01 साइबर अपराधी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।●

बेतिया को सोलर टाउन बनाने की दिशा में बड़ा कदम

● रवि रंजन मिश्र

पीएम सूर्य घर योजना के सफल क्रियान्वयन एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज नगर निगम बेतिया के सभागार में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन जिला पदाधिकारी, श्री तरनजोत सिंह द्वारा किया गया। कार्यशाला में माननीय महापौर, नगर आयुक्त, सभी माननीय पार्षदगण, विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता, उप नगर आयुक्त, नगर निगम के सभी पदाधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर योजना के उद्देश्यों, लाभों तथा आम नागरिकों तक सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा की गई। जिला पदाधिकारी द्वारा सभी वार्ड पार्षदों से अनुरोध किया गया कि वे इस योजना को अधिक से अधिक लाभार्थियों तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं तथा स्वयं भी इसका लाभ उठाकर आम नागरिकों को प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि PM सूर्य घर योजना भारत सरकार की बहुत ही अच्छी योजना है। आज के कार्यशाला में इस योजना की विशेषताओं और गाइड लाइन से आप सभी अवगत हुए हैं। इस योजना से बिजली की खपत कम होगी, पैसा बचेगा। उन्होंने कहा कि

भारत सरकार इस योजना के तहत अनुदान भी दे रही है। इस योजना का लाभ अवश्य उठाएं। उन्होंने कहा कि बेतिया सोलर टाउन बने, इस हेतु वार्ड पार्षदों की भूमिका बेहद जरूरी है। उम्मीद है आने वाले दिनों में बेहतर टारगेट एचीव करेंगे। माननीय महापौर ने नगर निगम सभागार से इस कार्यशाला की शुरुआत किए जाने पर विशेष धन्यवाद व्यक्त किया तथा कहा कि नगर निगम बेतिया इस योजना के व्यापक क्रियान्वयन हेतु पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करते हुए जमीनी स्तर पर कार्य किया जाएगा, जिससे जल्द ही नगर निगम बेतिया के प्रत्येक वार्ड में नागरिक इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ उठा सकेंगे। नगर आयुक्त, सुश्री शिवाक्षी दीक्षित द्वारा बेतिया को "सोलर टाउन" के रूप में विकसित करने का संकल्प व्यक्त किया गया तथा बताया गया कि स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए नगर निगम द्वारा चरणबद्ध तरीके से प्रत्येक वार्ड में इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक नागरिक योजना का लाभ उठा सकें। कार्यशाला में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने तथा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया। वित्तीय धोखाधड़ी के शिकार हो गए हैं तो अविलंब 1930 डायल करें। साइबर अपराध शिकायत यहां दर्ज करें www.cybercrime-gov. पद अथवा अपने नजदीकी थाना में या बेतिया साइबर थाना में दर्ज करा सकते हैं।●

घटनास्थल का पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण

● रवि रंजन मिश्र

जगदीशपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत हरदिया मन/कोठी गांव में हुई हत्या की सनसनीखेज घटना के बाद पुलिस प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक, पश्चिम चंपारण (बेतिया) स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने घटनास्थल की बारीकी से जांच की तथा उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन किया। पुलिस अधीक्षक ने मौके पर मौजूद थाना प्रभारी सहित सभी संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि मामले की निष्पक्ष और त्वरित जांच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि अपराधियों की पहचान कर शीघ्र गिरफ्तारी की जाए तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने में कोई कोताही न बरती जाए। निरीक्षण के दौरान आसपास के लोगों से भी पूछताछ की गई और घटना से जुड़े अहम बिंदुओं की जानकारी जुटाई गई। पुलिस अधीक्षक ने तकनीकी साक्ष्यों के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर गहन छानबीन करने का आदेश दिया। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि इस जघन्य घटना में शामिल दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की सक्रियता से ग्रामीणों में न्याय की उम्मीद जगी है, वहीं क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती भी की गई है।●

एसपी शौर्य सुमन ने किया अपराध गोष्ठी का आयोजन

● रवि रंजन मिश्र

दिनांक 10.02.2026 को पुलिस सभागार, पुलिस केंद्र, बेतिया में अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता श्री डॉ० शौर्य सुमन (भा०पु०से०), पुलिस अधीक्षक, पश्चिम चम्पारण, बेतिया द्वारा की गई। इस गोष्ठी में पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), पुलिस उपाधीक्षक (साइबर क्राइम), पुलिस उपाधीक्षक (ट्रैफिक), पुलिस उपाधीक्षक (रक्षित) सहित सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अंचल पुलिस निरीक्षक एवं सभी थानाध्यक्ष उपस्थित रहे। गोष्ठी के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों, पुलिस उपाधीक्षक (साइबर क्राइम) एवं अंचल पुलिस निरीक्षकों को कांडों के पर्यवेक्षण में अधिक तेजी लाने के निर्देश दिए गए। सभी थानाध्यक्षों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में गश्ती दल की सक्रियता बढ़ाने, विशेषकर रात्रि गश्ती को और अधिक सतर्क एवं प्रभावी बनाने का आदेश दिया गया। अपराध नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से सभी थानाध्यक्षों को सतत वाहन जांच अभियान, विशेष चौकसी एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए। जिले में वाहन चोरी के मामलों के शीघ्र उद्भेदन हेतु भी सख्त निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त शराब तस्करों की गिरफ्तारी अभियान तेज करने, सूचना का अधिकार, चरित्र सत्यापन, पासपोर्ट सत्यापन, सर्विलांस प्रोसीडिंग, तथा माननीय प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त आवेदनों एवं जनशिकायतों का त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। जिले में विभिन्न कांडों में संलिप्त एवं वारंट निर्गत अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान चलाने का भी सख्त आदेश दिया गया। साथ ही, सभी थानाध्यक्षों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में आमजन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए गए।●

जिला परिवहन कार्यालय की टैक्स राशि सरकारी खाते से गायब

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिला परिवहन कार्यालय के आरटीपीएस काउंटर पर वाहन मालिकों द्वारा जमा की गई करीब 69 लाख रुपये की टैक्स राशि सरकारी खाते से गायब है। इस सनसनीखेज गबन मामले में तत्कालीन डेटा ऑपरेटर अजय कुमार सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। हालांकि, इस घोटाले की आंच अब विभाग के रसूखदार अधिकारियों तक भी पहुँचने लगी है। भोजपुर जिला परिवहन पदाधिकारी (DTO) के आवेदन पर नवादा थाना में कांड संख्या-43/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई हैघ डेटा ऑपरेटर अजय कुमार सिंह पर आरोप है कि उसने मोटर वाहन टैक्स के रूप में आरटीपीएस काउंटर पर संग्रहित कुल 69,11,698 रुपये की राशि सरकारी खजाने में जमा नहीं की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 316 (4) और 318 (4) के तहत मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। गबन का खुलासा होने के बाद विभाग द्वारा आरोपी कर्मी अजय कुमार सिंह को 9 दिसंबर 2025 और 2 जनवरी 2026 को पत्र लिखकर स्थिति स्पष्ट करने का मौका दिया गया था। इसके बावजूद ऑपरेटर की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला, जिसे विभाग ने राशि के गबन का पुख्ता प्रमाण माना और कानूनी कार्रवाई का निर्णय लिया। बता दें कि आरोपी को 3 सितंबर 2024 को टैक्स वसूली का प्रभार सौंपा गया था।इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या एक

अनुबंधित डेटा ऑपरेटर अकेले इतनी बड़ी राशि का गबन कर सकता है? नियमानुसार, टैक्स कलेक्शन की राशि प्रतिदिन नाजिर के माध्यम से सरकारी खजाने में जमा होनी चाहिए। ऐसे में यह सवाल लाजिमी है कि जब महीनों तक लाखों रुपये जमा नहीं हो रहे थे, तब निगरानी का जिम्मा संभालने वाले तत्कालीन डीटीओ और नाजिर क्या कर रहे थे?बिहार ट्रक ओनर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अजय यादव ने इस गबन में तत्कालीन जिला परिवहन पदाधिकारी रवि रंजन और नाजिर विजय बाबू की संलिप्तता का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि एक अदना सा कर्मी अकेले इतना बड़ा घोटाला नहीं कर सकता। एसोसिएशन ने इस मामले की विशेष जांच के लिए भोजपुर एसपी को आवेदन देकर निष्पक्ष जांच की मांग की है। आरोप लग रहे हैं कि जब करोड़ों के घोटाले का खुलासा हुआ, तो विभाग ने एक अनुबंधित कर्मी पर केस दर्ज कर खुद को सुरक्षित कर लिया है। जिला परिवहन कार्यालय में टैक्स वसूली की निगरानी डीटीओ के पास होती है। यदि ऑपरेटर सरकारी पैसा जमा नहीं कर रहा था, तो यह विभागीय लापरवाही या मिलीभगत की ओर स्पष्ट इशारा करता है, जो अब जांच का मुख्य विषय है।नवादा थाना पुलिस अब इस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश करेगी कि गबन की गई यह भारी-भरकम राशि कहां और किसके पास है। वहीं, विभाग में नए डीटीओ के आने के बाद पुरानी फाइलों को खंगाला जा रहा है। आने वाले दिनों में इस घोटाले में कुछ बड़े नामों का खुलासा होने की पूरी संभावना है।●

तमंचे पर डिस्को और हर्ष फायरिंग में 24 गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर के गजराजगंज थाने की पुलिस ने एक बच्चे के छठीहार में हर्ष फायरिंग करने के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने क्षेत्र के बड़का गांव में छापेमारी कर छठीहार में हर्ष फायरिंग और मदिरा के नशे में तमंचे पर डिस्को करने में 24 लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी को बुधवार की रात बड़का गांव निवासी हरेराम यादव के दरवाजे पर आयोजित नाच प्रोग्राम के दौरान गिरफ्तार किया गया। सभी रिश्तेदार, दोस्त और सगे संबंधी है। घटनास्थल से

एक पिस्टल और तीन खोखा बरामद किया गया है। जांच के दौरान गिरफ्तार सभी आरोपितों की मदिरा पीने की पुष्टि होने के बाद सभी को जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक राज की ओर से प्रेस वार्ता के दौरान यह जानकारी दी गई। गिरफ्तार अभियुक्तों में बड़का गांव अखियारपुर गांव निवासी हरेंद्र यादव, हरेराम कुमार यादव, मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बड़का डुमरा गांव निवासी कुंदन कुमार, रतन दुलारपुर गांव निवासी सुमित कुमार, महंथ यादव, कौशिक दुलारपुर गांव निवासी धनोज कुमार यादव, नीतेश कुमार, रतनपुर गांव निवासी अमरदीप यादव, नवादा थाना क्षेत्र के चंदवा निवासी अंकुश यादव, अभिराज कुमार, सूरज यादव उर्फ विशाल यादव, तेजू यादव, पियूष कुमार, कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के सरैया निवासी रवि कुमार, इटाहना गांव निवासी मिथिलेश कुमार, ऋषिकेश कुमार, गजियापुर गांव निवासी मनोज कुमार यादव, पंकज कुमार सिंह, गूंडी गांव निवासी धर्मवीर यादव, बिहिया थाना क्षेत्र के तेघरा गांव निवासी राम कुमार, पिंटू कुमार यादव, डुमरिया गांव निवासी निशांत कुमार सिंह, धोबहा थाना क्षेत्र के हेमतपुर गांव निवासी अरुण कुमार और पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र के लहखोदिया चौक निवासी प्रदुम कुमार शामिल हैं। इस संबंध में विपिन राउत के बयान पर हरेराम यादव सहित 26 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। छापेमारी टीम में थानाध्यक्ष चंचल महथा, दारोगा रुपेश कुमार, सोनी कुमारी, एएसआई नरेंद्र कुमार, पंचानन पासवान, मनीष कुमार सिंह और प्रकाश तांती के अलावे अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।●

अवैध मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़, संचालक गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार के भोजपुर जिले से बड़ी खबर है जहां भोजपुर पुलिस ने तियर थाना क्षेत्र में संचालित एक मिनी गन फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में निर्मित और अर्धनिर्मित हथियार बरामद किया हैं। इस मामले में पुलिस ने संचालक मां-बेटा को गिरफ्तार किया है। भोजपुर एसपी मिस्टर राज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस पूरी सफलता की विस्तृत जानकारी साझा की। एसपी मिस्टर राज ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि तियर थाना क्षेत्र के उत्तरदाहा गांव में अवैध रूप से हथियारों का निर्माण किया जा रहा है। सूचना के आधार पर गठित टीम ने जब उत्तरदाहा गांव में छापेमारी की, तो वहां का नजारा देख पुलिस भी दंग रह गई। मौके से दो देशी कट्टा, छह अर्धनिर्मित कट्टा, कारतूस और खोखा बरामद किया गया। हथियार बनाने के इस खेल में इस्तेमाल होने वाली विद्युत ड्रिल मशीन और अन्य तकनीकी उपकरण भी जब्त किए गए हैं। इस छापेमारी में पुलिस ने मुख्य आरोपी धनजी शर्मा (पिता स्वर्गीय मुनीलाल

शर्मा) को गिरफ्तार किया है, जो उत्तरदाहा गांव का ही रहने वाला है। इसके साथ ही एक महिला अभियुक्त को भी हिरासत में लिया गया है, जिससे पुलिस इस सिंडिकेट के बारे में पूछताछ कर रही है। एसपी के अनुसार, यह फैक्ट्री काफी समय से गुप्त तरीके से चलाई जा रही थी और यहाँ से आसपास के इलाकों में अवैध हथियारों की बड़ी खेप भेजी जा रही थी। भोजपुर एसपी ने स्पष्ट किया कि जिले में अपराध नियंत्रण और अवैध हथियारों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस मिनी गन फैक्ट्री के पकड़े जाने से क्षेत्र के हथियार तस्करों और अपराधियों के नेटवर्क को एक बड़ा झटका लगा है। पुलिस की सक्रियता के कारण हथियारों की एक बड़ी खेप बाजार में जाने से पहले ही जब्त कर ली गई, जिससे संभावित आपराधिक घटनाओं को टाला जा सका है। पुलिस अब इस मामले के पिछले और अगले कड़ियों (बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज) को जोड़ने में जुटी है। गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ कर यह पता लगाया जा रहा है कि इन हथियारों की सप्लाई किन-किन जिलों में की जा रही थी और इस काले कारोबार के पीछे और कौन से मास्टरमाइंड शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक ने टीम को इस सफल उद्भेदन के लिए पुरस्कृत करने की बात भी कही है।●

लूटेरी दुल्हन गिरोह का पर्दाफाश

● गुड्डू कुमार सिंह

रोहतास जिले में पुलिस ने लुटेरी दुल्हन और उसकी सहयोगी को गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि शादी का झांसा देकर एक युवक से दुल्हन और उसके गिरोह के सदस्यों ने करीब तीन लाख रूपए ठग लिए और फिर सासाराम रेलवे स्टेशन से युवती बाथरूम के बहाने भाग गई। तब युवक को समझ आया कि शादी कराने के नाम पर उसके साथ जालसाजी हुई है। मामले को लेकर राजस्थान के जालोर जिला के ढाणी निवासी हरचंद राम ने नौहट्टा थाना मे एफआईआर दर्ज कराई।

एफआईआर के मुताबिक बीते 27 फरवरी को सासाराम कोर्ट में उक्त युवक की अंजलि नाम की लड़की से शादी हुई। शादी के बाद नोखा थाना क्षेत्र के बरांव बाजार जाकर खरीदारी कराई। बरांव स्कूल के पास सरोज देवी को 15 हजार कैश दिया। वहीं दीपक कुमार को 40 हजार, मनीष कुमार को 20 हजार, सरोज देवी के कहने पर ऑनलाइन ट्रांसफर किया। दोबारा 70 हजार सरोज देवी को कैश दिया था। पीड़ित ने पुलिस से लड़की का पता नौहट्टा थाना के भदारा गांव के तुलसी साह की बेटी होने की बात कही। मामले में एसपी रोशन कुमार ने प्रेस बयान जारी

करते हुए बताया कि इस मामले में नोखा, नौहट्टा और धर्मपुर थानाध्यक्ष की टीम गठित कर छापेमारी की गयी। जिसमें धर्मपुरा थाना के सिसरित गांव से सरोज देवी और करवंदिया से दुल्हन अंजलि कुमारी को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से 10 हजार कैश और दो एंड्रायड मोबाइल बरामद हुए हैं। एसपी ने बताया कि इन दोनों का पूर्व से ही अपराधिक इतिहास रहा है। जिसमे नौहट्टा के अलावा नोखा और सासाराम नगर थाना में मामला दर्ज है।

एसपी ने बताया कि ये टीम दूसरे राज्यों के ऐसे पुरूष को निशाना बनाती है, जिसका विवाह नहीं हो रहा होता है। अंजलि को दुल्हन बनाकर शादी करा देते हैं तथा मोटी रकम वसूल करते हैं। फिर अंजली फरार हो जाती है। नाम, पता गलत बताते हैं। टीम के अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है। वहीं नौहट्टा थानाध्यक्ष दिवाकर कुमार ने बताया कि अंजलि अपना पता नौहट्टा थाना के भदारा गांव के तुलसी साह के बेटी बताई थी। जिसके कारण नौहट्टा मे एफआईआर हुआ। आरोपी दुल्हन के जांच में सभी नाम फर्जी मिले हैं।●

मुफस्सिल थाना कांड में फरार राजा दूबे गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

चौसा पावर प्लांट के समीप कुछ अज्ञात अपराधियों द्वारा अखौरीपुर गोला निवासी अर्जुन यादव, पे०-स्व० सुरेन्द्र यादव को गोली मार दी गई थी जिनका ईलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी। इस संबंध मे बक्सर थाना कांड सं0-232/25 दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक, बक्सर द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बक्सर के नेतृत्व में एक SIT टीम का गठन किया गया था। इस कांड में संलिप्त कुल 08 अभुक्तिों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चूका है।

इस कांड में संलिप्त अपराधियों से पूछताछ के क्रम में राजा दूबे उर्फ रावण की संलिप्तता भी प्रकाश में आई थी। जिसकी गिरफ्तारी हेतु टीम द्वारा इनके विभिन्न ठिकानों पर छापामारी की जा रही थी। इसी क्रम में दिनांक-23.01.2026 को बक्सर पुलिस एवं STF संयुक्त कार्रवाई के दौरान राजा दूबे उर्फ रावण को पटना सगुना मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त द्वारा इस कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की गई है।

❖ **गिरफ्तार अभियुक्त का नाम पता एवं आपराधिक इतिहास :-** राजा दूबे उर्फ रावण, पे० विरेन्द्र दूबे, सा०- सिकटौना, थाना- ईटाढी, जिला- बक्सर।

☞ नगर थाना कांड सं0-185/19, धारा-394 भा०द० वि०।

☞ नगर थाना कांड सं0-181/19, धारा-341/323/504/379/34 भा०द०वि०।

☞ नगर थाना कांड सं0-806/19, धारा-307/34 भा०द० वि० एवं 27 आर्म्स एक्ट।

☞ बक्सर मु० थाना कांड सं0-232/25, धारा-103/61 (2)/3 (5) बी०एन०एस० एवं 27 आर्म्स एक्ट।

❖ **टीम में शामिल सदस्य :-**

☞ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर गौरव पाण्डेय।

☞ पु०नि० सह थानाध्यक्ष, मुफस्सिल शंभु भगत।

☞ पु०नि० सह प्रभारी जिला आसूचना इकाई, बक्सर सुधीर कुमार।

☞ पु०अ०नि० मंगलेश कुमार मधुकर जिला आसूचना इकाई बक्सर।

☞ पु०अ०नि० चंदन कुमार-01, जिला आसूचना इकाई, बक्सर।

☞ पु०अ०नि० चंदन कुमार-02, मुफस्सिल थाना बक्सर।

☞ सशस्त्र बल डी०आई०यू० एवं मुफस्सिल थाना बक्सर।

❖ **पेट्रोल पंप मालिक हत्या कांड में फरार अभियुक्त गिरफ्तार :-** बक्सर नगर थाना कांड सं-382/16, दिनांक-23.08.2016 जो नगर थानान्तर्गत सिंडीकेट स्थित पेट्रोल पंप के मालिक हरेन्द्र सिंह की हत्या के संबंध में दर्ज किया गया था। अनुसंधान के पश्चात यह बात प्रकाश में आई कि उक्त हत्या विकाश वर्मा, पे०- स्व० जगनारायण प्रसाद, सा०-देवकुली, थाना-ब्रह्मपुर, जिला-बक्सर एवं उनके 04 सहयोगियों के साथ मिलकर की गई थी।

उक्त हत्या कांड में संलिप्त चारों सहयोगियों को माननीय न्यायालय द्वारा उम्रकैद की सजा से दण्डित किया जा चुका है। लेकिन इस कांड के मुख्य आरोपी विकाश वर्मा लम्बे समय से फरार चल रहा था।

दिनांक-23.01.2026 को सूचना प्राप्त हुई इस सूचना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए पुलिस अधीक्षक, बक्सर द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बक्सर के नेतृत्व में सूचना के सत्यापन एवं अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा सूचना के सत्यापनोपरांत तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर विकाश वर्मा को विधिवत गिरफ्तार किया गया।

बक्सर पुलिस अपराध नियंत्रण एवं फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए प्रतिबद्ध है और आम जनात की सुरक्षा हेतु निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी।

❖ **गिरफ्तार अभियुक्त का नाम पता एवं आपराधिक इतिहास :-** विकाश वर्मा, पे० स्व० जगनारायण प्रसाद, सा० देवकुली, थाना ब्रह्मपुर, जिला-बक्सर।

☞ बक्सर नगर थाना कांड सं-382/16, दिनांक-23.08.2016, धारा- 326/302/34/406 भा०द०वि० एव 27 आर्म्स एक्ट।

❖ **इस टीम में शामिल सदस्य :-**

☞ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर श्री गौरव कुमार पाण्डेय।

☞ पु०नि० सह थानाध्यक्ष बक्सर नगर मनोज कुमार सिंह।

☞ पु०नि० सह प्रभारी जिला आसूचना इकाई बक्सर सुधीर कुमार।

4. पु०अ०नि० मंगलेश कुमार मधुकर जिला आसूचना इकाई बक्सर।

☞ पु०अ०नि० चंदन कुमार-1 जिला आसूचना इकाई बक्सर।

☞ पु०अ०नि० राजीव रंजन नगर थाना बक्सर।

☞ पु०अ०नि० प्रिया दत्ता नगर थाना बक्सर।

☞ डी०आई०यू० टीम बक्सर।

☞ सशस्त्र बल एवं टाइगर मोबाइल टीम नगर थाना बक्सर। ●

राजकीय पारा मेडिकल इन्स्टीच्यूट कॉलेज बक्सर के छात्र-छात्राओं की जिंदगी हुई बेकार

कौन है जिम्मेवार?

● **बिन्ध्याचल सिंह**

'दुगो फुटल-फुटल एगो के पेनीय नाही'।

उपयुक्त भोजपुरी कहावत चरितार्थ होते पायेगें जब सदर अस्पताल, नगर परिषद् व राजकीय पारा मेडिकल इन्स्टीच्यूट कॉलेज बक्सर का तुलनात्मक जानकारी प्राप्त करेगें। ये जिले का ऐसा जगह है जहॉ कर्तब्यनिष्ठता, अनियमितता और भ्रष्टाचार की नंगी नाच होती रहती है। इन विभागो की नंगा नाच की जिम्मेवार है सदर अस्पताल में सिविल सर्जन व स्वास्थ्य प्रबंधक सदर अस्पताल बक्सर है जबकि नगर परिषद् में नगर की सफाई कार्य करने वाली एजेन्सी के साथ कुछ कर्मचारी की भूमिका संदिग्ध है। परन्तु राजकीय पारा मेडिकल इन्स्टीच्यूट कॉलेज बक्सर में केवल जिम्मेवार चिकित्सक है। प्रिय पाठकगण जानकारी के लिये बताते चले कि जिले की सभी गंदगी पुराना सदर अस्पताल बक्सर और ब्रहम्मपुर चौरास्ता में अपनी रैन बसेरा बना चुकी है। वैसे 18वी विधान सभा चुनाव-2025 के बाद बिहार की जनता व गंदगी खानाबदोश की जिदंगी जीने को मजबुर हो चुकी है। जो जॉच का विषय है। जनवरी एवं फरवरी-2026 में पुराना सदर अस्पताल बक्सर की लगातार निरीक्षण करने के बाद देखने को मिला की गंदगी का अम्बार है, पुराना सदर अस्पताल परिसर। जानकारी के लिये बताते चले कि पुराना सदर अपस्ताल परिसर के सबसे दक्षिण तरफ यक्ष्मा विभाग है जबकि उसके सटे उतर अस्पताल का भवन है। परिसर के सबसे उतर व पश्चिम विभागीय कब्डखाना जैसा प्रतित होता है। इसके सटे दक्षिण तरफ दो भवन है, आगे पारा मेडिकल कॉलेज व पीछे दो भवन एक छात्र व दुसरा छात्राओ का। जानकारी के अनुसार कुल ग्यारह छात्राएँ होने के कारण एन एम की छात्राओ के साथ रखा गया है। छात्रो की छात्रावास की यथा स्थिति यह है कि जैसे किला मैदान के चारदीवारी के उतर व जिला अतिथि गृह के पश्चिम व अपर समाहर्ता आवास के चारदीवारी के पश्चिम के ठीक सामने की स्थिति व बीएमपी डुमरॉव से गुजरने वाली नहर के किनारे जो कोरान सराय के तरफ जाती है, ब्रहम्मपुर चौरास्ता के पश्चिम व उतर के तरफ की स्थिति, पीपराढ गॉव से गुजरने वाली सडक की स्थिति जैसे राजकीय पारा मेडिकल इन्स्टीच्यूट कॉलेज बक्सर की स्थिति है। छात्र के छात्रावास के सबसे उपर छत पर तो हिन्दी महिना के जेठ की बाढ रहती है। जो जॉच का विषय है। गंदगी की मालाओ से सुसज्जित पुराना सदर अस्पताल अन्य विभाग के लिये अनुकरणीय हो सकता है जैसे की सेवा दे जिम्मेवारी पदाधिकारीयो की नैतिकता है। छात्रो की माने तो राजकीय पारा मेडिकल में शैक्षिणिक व्यवस्था अत्यंत ही खराब है। जूनियर छात्रों की नियमित कक्षाएँ नही चलती है। कॉलेज के प्रधानाचार्य महोदय सप्ताह में एक दिन भी कॉलेज नही आतें। कॉलेज से सम्बन्धित कार्य को हमेशा टला जाता है। छात्रो ने अपनी अंधकारमय भविष्य देख रहे है। अत: छात्रो का आग्रह है कि राजकीय पारा मेडिकल इन्स्टीच्यूट के छात्रो, सरकार का ध्यान आकृट कराना चाहते है।●

सांसद आदित्य साहू ने सीएम हेमंत के बयान पर दी कड़ी प्रतिक्रिया

● गुड्डी साव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद आदित्य साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी राज्य के व्यापारियों पर अपमानजनक टिप्पणी करते हैं। घाटशिला उपचुनाव में भी उन्होंने व्यापारियों के संबंध में अपमानजनक टिप्पणी की थी। प्रदेश भाजपा ऐसे बयान की कड़े शब्दों में निंदा करती है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है मुख्यमंत्री जी को व्यवसायियों, व्यापारियों से नफरत है। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री जी को दलालों,बिचौलियों से अपार प्रेम है। इसीलिए वे राज्य में दलालों बिचौलियों को बढ़ावा और संरक्षण दे रहे। कहा कि हेमंत सोरेन जी की सरकार को बिचौलिए दलाल ही चला रहे। कहा कि मुख्यमंत्री जी अभी अभी विदेश दौरा से लौटे हैं। राज्य में निवेश व्यापार को बढ़ाने की बात कर रहे हैं। वे राज्य के कुछ व्यायारियों को लेकर भी गए थे। मुख्यमंत्री जी का फिर यह दोहरा चरित्र क्यों? ये व्यापारी समाज ही है जो लाखों लोगों की रोजी रोटी से जुड़ा हुआ है। लाखों परिवार का पालन व्यवसायों से ही होता है। इसलिए एक संवैधानिक प्रमुख पद पर बैठकर व्यापारियों को गाली देना शोभा नहीं देता। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी को उन्हें सम्मानित करना चाहिए, जो आपका काम पूरा कर रहे। आप रोजगार बोल कर नहीं दे रहे और व्यापारी वर्ग लाखों घर चला रहे हैं।

आदित्य साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री जी को पता है राज्य में अपराधियों की धमकी, फिरौती, बच्चे का अपहरण जैसे दर्द झेलकर कैसे व्यापारी वर्ग व्यवसाय कर रहे हैं लेकिन राज्य सरकार सुविधा नहीं देकर उन्हें गालियां दे रही। इधर व्यापारियों को गाली देते हैं और दलालों, बिचौलियों को संरक्षण दे रहे। किसान से धान की खरीद हो नहीं रही है। किसान कुव्यवस्था के कारण दलाल बिचौलियों को धान बेचने को मजबूर हैं और सरकार फिर इन्हीं बिचौलियों से धान खरीद कर उन्हें लाभ पहुंचाएगी और इसी दोहरे चरित्र के कारण राज्य में निवेशक आने से डरते हैं। मुख्यमंत्री जी लाख विदेश यात्रा पर चले जाएं, खूब मौज मस्ती कर लें लेकिन अगर व्यापार और निवेश के प्रति नियत साफ नहीं रहेगी तो कोई निवेशक यहां निवेश करने नहीं आयेगा। साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री जी जिस पार्टी और गठबंधन के नेता हैं वे तो पुराना व्यापारी हैं जिसने झारखंड आंदोलन का ही व्यापार कर दिया। झामुमो कांग्रेस विक्रेता और

क्रेता बन गए। आज भी सरकार की नीयत झारखंड को बेचने की है इसे बचाने की नहीं। मुख्यमंत्री के कोयला रोकने वाले बयान पर उन्होंने कहा कि झारखंड किसी पार्टी या परिवार की जागीर नहीं। यह साढ़े तीन करोड़ जनता का झारखंड है।यह भारत देश का अभिन्न हिस्सा है। हम सभी भारत के निवासी हैं। इसलिए भारत को खंड खंड में देखने का नजरिया राष्ट्र विरोधी नजरिया है। राज्य के मुख्यमंत्री से राष्ट्र विरोधी बयान की अपेक्षा नहीं। कहा कि झारखंड का कोयला है तो किसी दुसरे राज्य से कुछ और आता है। सब मिलकर विकसित भारत बनता है। इसलिए विकसित झारखंड बनाने में केन्द्र सरकार के साथ खड़ा होना आपकी जिम्मेवारी है। जनता ने आपको इसी के लिए अवसर दिया है। जिसे रोकना चाहिए उसे वे रोक नहीं रहे। रोकना है तो भ्रष्टाचार रोकिए। घुसपैठियों से हो रही जमीन की लूट रोकिए आदिवासी, दलित, पिछड़ों के साथ हो रहे अत्याचार को रोकिए। अपरहण, धमकी, फिरौती को रोकिए। जल, जंगल जमीन की लूट रोकिए। बहन बेटियों के साथ हो रहे दुष्कर्म रोकिए। अवैध उत्खनन रोकिए। बालू, कोयला पत्थर की लूट रोकिए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार झारखंड की जनता के लिए पूरी तरह समर्पित है।आज मोदी सरकार के कारण झारखंड में प्रधानमंत्री जनधन योजना में 2.02 करोड़ खाते खुले प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना में 88.4 लाख लोग पंजीकृत हैं। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में 1.6 करोड़ लोग पंजीकृत हैं। अटल पेंशन योजना में 25.6 लाख लोग पंजीकृत हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से झारखंड में 89 हजार करोड़ रुपए मिले हैं। प्रधानमंत्री किसान क्रेडिट कार्ड में 5.92 लाख किसान जुड़े हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से 18.8 लाख किसान लाभान्वित हो रहे हैं।इतना ही नहीं प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का लाभ 2करोड़ 64 लाख लोगों को मिल रहा। आयुष्मान कार्ड 1.35 करोड़ लोगों को मिला है। राज्य में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना का लाभ 38.9 लाख घरों तक गैस कनेक्शन। जल जीवन मिशन का लाभ 34.4 लाख घरों तक पहुंचा है। इसके अलावा हाईवे, रेलवे, वायु सेवा के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास मोदी सरकार में हुआ है। कहा कि इसलिए मोदी सरकार के विकसित भारत संकल्प को पूरा करने में विकसित झारखंड बनाना भी जरूरी है। राज्य सरकार को इस सोच के साथ काम करना चाहिए, न कि विरोध और टकराव की भाषा में। प्रेसवार्ता में प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक,प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप सिन्हा, सह मीडिया प्रभारी अशोक बड़ाइक भी उपस्थित थे।●

झामुमो महासचिव ने आदित्य साहू के आरोपो पर किया तीखा पलटवार

विनोद कुमार पांडेय ने भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू द्वारा लगाए गए आरोपों पर कड़ा जवाब देते हुए कहा कि झारखंडियों को रोजगार देने की बात करना आज भाजपा को धमकी जैसा लगने लगा है। यह भाजपा की जनविरोधी और युवा विरोधी मानसिकता को उजागर करता है। भाजपा को न तो राज्य के युवाओं की चिंता है और न ही स्थानीय लोगों के भविष्य से कोई सरोकार है। विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी झारखंड के युवाओं के रोजगार और भविष्य को लेकर पूरी तरह संवेदनशील हैं। उनकी सरकार ने न केवल सरकारी नौकरियों में पारदर्शी तरीके से बहालियों की प्रक्रिया शुरू की है, बल्कि निजी क्षेत्र में भी स्थानीय युवाओं को अवसर देने के लिए ठोस और ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। निजी कंपनियों में 75 प्रतिशत स्थानीय लोगों की

नियुक्ति का निर्णय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने युवाओं के व्यापक हित में लिया है, ताकि झारखंड के संसाधनों पर पहला अधिकार झारखंडियों का हो। विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि यह फैसला भाजपा जैसी नफरत फैलाने वाली पार्टी को समझ में नहीं आ सकता। भाजपा को जब भी स्थानीय अधिकार, रोजगार और सामाजिक न्याय की बात होती है तो वह उसे राजनीति का हथियार बनाकर भ्रम फैलाने लगती है। सच यह है कि भाजपा झारखंड के युवाओं को सिर्फ वोट बैंक की तरह इस्तेमाल करना जानती है, उनके स्थायी रोजगार और सम्मानजनक भविष्य से उसका कोई लेना-देना नहीं है। भाजपा को उसके पुराने वादों की याद दिलाते हुए विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा केंद्र की सत्ता में यह कहकर आई थी कि हर साल करोड़ों नौकरियां दी जाएंगी और कुल मिलाकर पांच करोड़ रोजगार सृजित किए जाएंगे। लेकिन बाद में स्वयं भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने इस वादे को "जुमला" बता दिया। इससे बड़ा प्रमाण और क्या हो सकता है कि भाजपा के लिए रोजगार कभी प्राथमिकता रहा ही नहीं। भाजपा के लिए असली एजेंडा समाज में नफरत

फैलाना, लोगों को बांटना और मुद्दों से ध्यान भटकाना है।

विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा की राजनीति नफरत, डर और विभाजन पर टिकी हुई है। जब-जब झारखंड सरकार रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय की बात करती है, भाजपा बौखला जाती है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जनकल्याणकारी नीतियों के कारण ही झारखंड की जनता ने उन्हें भारी जनमत और भरोसा दिया है, जिसे भाजपा आज तक पचा नहीं पा रही है। भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू को झारखंड के युवाओं से माफी मांगनी चाहिए। भाजपा के शासनकाल में नियुक्तियों के नाम पर बड़े-बड़े घोटाले हुए, परीक्षाएं रद्द हुई और युवाओं का भविष्य अंधकार में धकेला गया। इसके विपरीत, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य में सरकारी नौकरियों की बरसात हो रही है। लगभग सभी विभागों में पारदर्शी तरीके से बहालियां की जा रही हैं और युवाओं को उनका हक मिल रहा है। असल सच्चाई यह है कि भाजपा एक आदिवासी को मुख्यमंत्री के पद पर एक मिनट भी देखना नहीं चाहती। यही भाजपा की पीड़ा, हताशा और बौखलाहट का मूल कारण है। लेकिन झारखंड की जनता सब समझ चुकी है और आने वाले समय में भी भाजपा को उसके जनविरोधी रवैये का जवाब लोकतांत्रिक तरीके से देती रहेगी।●

झारखण्ड राज्य उद्यान प्रोमोशन सोसाइटी की हुई बैठक

● **गुड्डी साव**

झारखंड राज्य उद्यान प्रोमोशन सोसाइटी की शासी निकाय की महत्वपूर्ण बैठक 12 फरवरी को राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की की अध्यक्षता में नेपाल हाउस स्थित मंत्रालय में हुई. शासी निकाय की बैठक में अनुबंध पर आवश्यकता आधारित मानव बल को बहाल करने पर चर्चा हुई। मानव बल का चयन दो स्तर पर किया जाएगा। झारखंड राज्य उद्यान प्रोमोशन सोसाइटी ने राज्य और जिला स्तर पर मानव बल बहाल करने का प्रारूप तैयार किया है। बैठक में इसको लेकर मंत्री ने कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया है। सोसाइटी का काम उद्यान क्षेत्र के विकास के साथ-साथ योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार करना है। फल सब्जी फूल औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देने किसानों की आय बढ़ाने में मदद करने उद्यान से जुड़ी सरकारी योजनाओं को जमीन पर लागू करने में सोसाइटी की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके साथ ही पौधारोपण पर सब्सिडी, आधुनिक खेती,

प्रशिक्षण, मार्केटिंग एवं वैल्यू एडिशन में झारखंड राज्य उद्यान प्रोमोशन सोसाइटी का योगदान है। मानव बल के बढ़ने से इस काम में तेजी के साथ योजना का उद्देश्य भी पूरा होगा। इसके लिए सोसाइटी ने भविष्य की कार्य योजना को तैयार कर रखा है। शासी निकाय की बैठक में विभागीय सचिव अबू बक्कर सिद्दीकी, उद्यान निदेशक माधवी मिश्रा, कृषि निदेशक भोर सिंह यादव, पशुपालन निदेशक आदित्य कुमार आनंद, निबंधक सहयोग समिति निबंधक शशि रंजन सहित ग्रामीण विकास, ICAR, STSC अल्प संख्यक एवं पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रतिनिधि मौजूद थे।●

दलमा को पर्यटन हब बनाने का संकल्प हो रहा साकार

● गुड्डी साव

दलमा पूर्वी सिंहभूम राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों को विकसित करने की अबुआ सरकार की प्रतिबद्धता 7 फरवरी को धरातल पर उतरती दिखी। पूर्व में किए गए वादों को गति देते हुए मंत्री सुदिव्य कुमार द्वारा दलमा वन्यजीव अभ्यारण्य में 7 फरवरी को 30 ईको कॉटेज का विधि-विधान से भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया गया। इसके साथ ही, वन्यजीव प्रेमियों के रोमांच को बढ़ाने हेतु उन्होंने सफारी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर विधिवत जंगल सफारी का शुभारंभ किया। इस गरिमामय समारोह में घाटशिला विधायक सोमेश सोरेन तथा ईचागढ़ विधायक सविता महतो विशेष रूप से उपस्थित थे। मंत्री ने बताया कि इन 30 ईको कॉटेज के निर्माण से यहां आने वाले पर्यटकों को अभ्यारण्य के

समीप ठहरने की उत्कृष्ट सुविधा मिलेगी। इससे पर्यटक प्रकृति के बीच रहकर दलमा की वादियों और इसके नैसर्गिक सौंदर्य का भरपूर लुत्फ उठा सकेंगे। सरकार का लक्ष्य पर्यटकों के प्रवास को अधिक सुलभ और आरामदायक बनाना है। सफारी वाहनों को हरी झंडी दिखाने के पश्चात मंत्री एवं विभागीय अधिकारियों ने स्वयं भी जंगल सफारी के माध्यम से अभ्यारण्य का भ्रमण किया। इस नई सेवा से अब पर्यटकों के लिए दलमा की सैर अधिक सुरक्षित और रोमांचकारी हो जाएगी। इस अवसर पर सुदिव्य कुमार ने कहा, कि दलमा झारखंड की प्राकृतिक धरोहर का केंद्र है। हमने इसे पर्यटन हब बनाने का जो संकल्प लिया था, आज ईको कॉटेज का शिलान्यास और सफारी का शुभारंभ उसी दिशा में बढ़ते कदम हैं। इन सुविधाओं से क्षेत्र की एक नई पहचान बनेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। ●

जम्मू-कश्मीर से आए विद्यार्थियों ने रचा यादगार अनुभव

● गुड्डी साव

जम्मू-कश्मीर से सैकड़ों उत्साही विद्यार्थी झारखण्ड पहुँचे और लोकतंत्र के मंदिर झारखण्ड विधानसभा का अवलोकन कर गौरवपूर्ण अनुभव प्राप्त किया। विधानसभा की भव्यता और कार्यप्रणाली को निकट से देखकर विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और जागरूकता का संचार हुआ। इस शैक्षणिक भ्रमण के साथ-साथ विद्यार्थियों ने झारखण्ड की मनोहारी प्राकृतिक छटा, हरियाली से आच्छादित पर्वत, रमणीय जलप्रपात और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का भी भरपूर आनंद उठाया। प्रकृति और प्रगति का अद्भुत संगम उन्हें लंबे समय तक स्मरण रहेगा।

इस अवसर पर माननीय विधानसभा अध्यक्ष श्री रबीन्द्रनाथ महतो ने सभी विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए प्रेरणादायी शब्दों से उनका उत्साहवर्धन किया। उनका संबोधन विद्यार्थियों के लिए अविस्मरणीय क्षण बन गया। ●

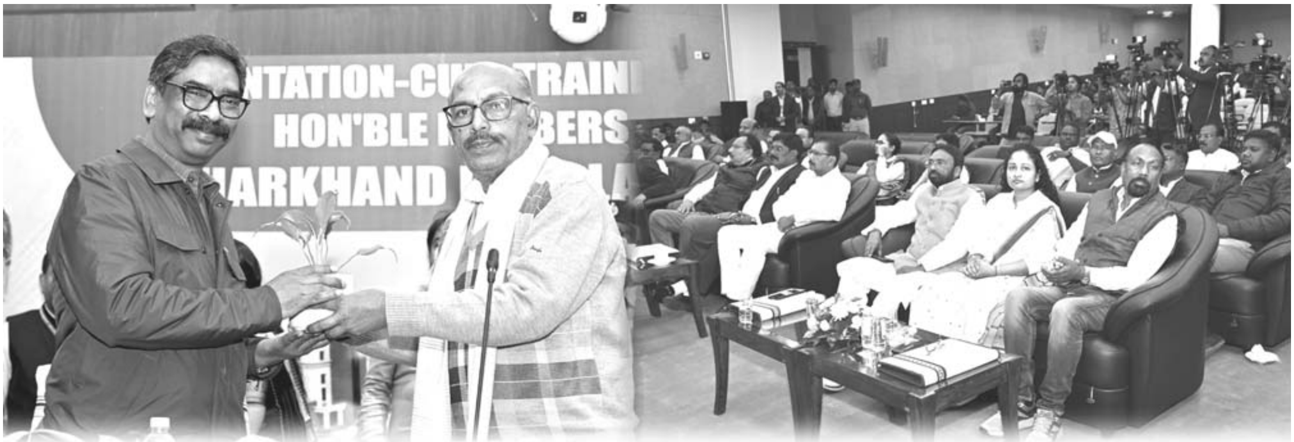

प्रशिक्षण एवं टैबलेट वितरण कार्यक्रम में सम्मिलित हुए सीएम सोरेन

● **गुड्डी साव**

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन 11 फरवरी झारखंड विधान सभा में आयोजित षष्ठ्म विधान सभा के पंचम बजट सत्र-2026 में राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन (छमट।) परियोजना के तहत प्रशिक्षण एवं टैबलेट वितरण कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने झारखंड विधान सभा में एनईवीए (छमट) सेवा केंद्र का विधिवत् उद्घाटन किया। माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड विधान सभा में छमट। सेवा केंद्र के रूप में एक नया अध्याय जुड़ रहा है। 11 फरवरी को छमट। सेवा केंद्र का विधिवत उद्घाटन हुआ है। राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन के माध्यम से कई चीजें आसान होगी। इस एप्लीकेशन के माध्यम से विधान सभा के सदस्यगण विधायी कार्यों को सरलता और समयबद्ध तरीके से संपन्न कर सकेंगे। सदस्यगणों को अब विधान सभा सत्र के दौरान देर रात में यहां पहुंचकर प्रश्नों को डालने सहित अन्य कागजी प्रक्रियाओं के लिए आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही साथ विधान सभा कर्मियों को भी ड्यूटी में सहूलियत होगी।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि देश में लगभग 20 राज्यों के विधान सभा में राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन (छमट।) के माध्यम से डिजिटल एवं पेपरलेस तरीके से विधायी कार्यों को सम्पन्न करने की शुरुआत हो चुकी है। मा मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि आज झारखंड विधान सभा में माननीय सदस्यों को इस एप्लीकेशन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी से अवगत कराया जा रहा है तथा उन्हें टैबलेट भी प्रदान किया जा रहा ताकि कार्यों का संपादन डिजिटल रूप से सरलता पूर्वक किया जा सके। आगामी विधान सभा सत्र में भी इस एप्लीकेशन के माध्यम से कई कार्य संपन्न होंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मोबाइल फोन के माध्यम से लोग बैंकिंग सहित कई ऑफिशियल कार्य भी आसानी से संपन्न करते हैं। राज्य गठन के 25 वर्ष हो चुके हैं, धीरे-धीरे ही सही पर झारखंड अब बेहतर दिशा की ओर आगे बढ़ रहा है। माननीय अध्यक्ष, झारखंड विधान सभा के प्रयास से विधान सभा में सभी कार्य डिजिटल यानी कि पेपरलेस की ओर अग्रसर हो रहा है। माननीय मुख्यमंत्री ने कहा कि अब डिजिटल माध्यम से बेहतर कम्युनिकेशन बनेगा जिससे माननीय सदस्यों को काफी सुविधा होगी। पहले समन्वय के अभाव से कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन के उपयोग से अब कागजों के बंडलों की ढ़ेर में भी कमी आएगी तथा कार्यों में रफ्तार भी देखने को मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी डिजिटल एप्लीकेशन का उपयोग करने से पहले कुछ चुनौतियां भी रहती हैं उन चुनौतियों के संदर्भ में आज यहां सदस्यों के लिए प्रशिक्षण सत्र भी रखा गया है। वर्तमान समय में साइबर अपराध एक चुनौती है। माननीय सदस्यों के किसी भी प्रश्नों में कोई हेर-फेर न हो, कागजी प्रक्रिया में कोई बाधा न हो इस निमित्त छमट। सिक्योरिटी से संबंधित सारी जानकारी से अवगत रहने की जरूरत है ताकि इन सब चीजों से बचा जा सके। मौके पर अध्यक्ष झारखंड विधान सभा रबीन्द्र नाथ महतो एवं मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के द्वारा सभी मंत्रीगण एवं विधायकगणों को टैबलेट प्रदान किया गया।●

फाइलेरिया मुक्त झारखण्ड के संकल्प को लेकर प्रचार वाहनों को मंत्री ने दिखायी हरी झंडी

● **गुड्डी साव**

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने 5 फरवरी को आईपीएच सभागार से फाइलेरिया रोधी दवा खाकर फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत मास ड्रग अभियान की शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कोई भी अभियान छोटा नहीं होता है। अभियान, कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को संदेश दिया जाता है कि यह अभियान आपके स्वास्थ्य के लिए ही है, आपको जागरूक करने के लिए है। बिना आपके सहयोग से हम कार्यक्रम को सफल नहीं बना सकते हैं, इसलिए आप दवा जरूर खायें। इसमें कोई नुकसान नहीं है बल्कि, यदि आपके अंदर फाइलेरिया के जीवाणु हैं, तो वो मर जाएँगे। डॉ० इरफान अंसारी आईपीएच सभागार नामकुम में आयोजित राज्य स्तरीय अंतर विभागीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर डॉ० इरफान अंसारी ने 14 जिलों के लिए प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इरफान अंसारी ने अपने अभिभाषण में कहा कि झारखंड को 2029 तक फाइलेरिया मुक्त राज्य बनाने का हमारा लक्ष्य है और इस दिशा में हम आगे बढ़ चुके हैं। खूंटी जिला को हमने फाइलेरिया मुक्त बनाने में सफलता पाई है। अगस्त 2025 में राज्य के 9 जिलों में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम चलाया गया था और अब 2026 में 10 फरवरी से 26 फरवरी तक यह अभियान राज्य के 14 जिलों रांची, गुमला, गिरिडीह, बोकारो, साहिबगंज, पाकुड़, देवघर, पूर्वी सिंहभूम, कोडरमा, रामगढ़, सिमडेगा, धनबाद और लोहरदगा में चलाया जाएगा। 10 फरवरी को बूथ में और फिर 11 फरवरी से 26 फरवरी तक घर-घर जाकर लोगों को फाइलेरिया की दवा खिलाई गई।

डॉ० इरफान अंसारी ने जन वितरण प्रणाली की दुकानों से भी फाइलेरिया दवा देने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी को ईमानदारी से अपनी भूमिका निभानी होगी। साहिया, जेएसएलपीएस की बहनें, एएनएम, सीएचओ सभी के सहयोग और समर्थन की आवश्यकता है तभी हम इस बीमारी से निजात पा सकेंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में झारखंड को देश के अग्रिणी राज्यों की श्रेणी में पहले पायदान पर लाने की दिशा में सभी

प्रयास किए जा रहे है। राज्य के सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज खोलने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। रिम्स-2 को बनाने की दिशा में काम जारी है। किडनी ट्रांसप्लांट हॉस्पिटल की भी शुरुआत जल्द ही होगी। अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने कहा कि जब तक सभी ऐक्टिव होकर इस अभियान में नहीं लगेंगे तब तक यह कार्यक्रम सफल नहीं होगा। फाइलेरिया

उन्मूलन के लिए जरूरी है कि सभी लोग दवा खाएँ। हमलोग फाइलेरिया मुक्त झारखंड के लक्ष्य को पाने की दिशा में प्रयासरत है और जिस तरह पोलियो मुक्त झारखंड बनने में सफलता पाई है उसी प्रकार हमलोग फाइलेरिया मुक्त झारखंड बनाने में सफल होंगे।

निदेशक प्रमुख डॉ० सिद्धार्थ सागर ने कहा कि हमने फाइलेरिया के उन्मूलन में बेहतर काम किया है। आगे भी बेहतर करने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है। दवा का सेवन सभी कोई करें कोई भी समुदाय इससे ना छूटे इसे सुनिश्चित किया जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आए जिला परिषद अध्यक्ष, जिला प्रमुख, मुखिया आदि ने अपने-अपने विचार रखे, सुझाव दिए कि किस प्रकार हमारा झारखंड फाइलेरिया मुक्त बन सकता है और इस दिशा में हमलोग क्या क्या सहयोग कर सकते हैं। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के वरीय पदाधिकारी, स्वास्थ्य कर्मी, विभिन्न जिलों से आयें मुखिया, प्रमुख, सहिया एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।●

झामुमो के 54वें स्थापना दिवस समारोह में सम्मानित हुए मंत्री योगेंद्र

धनबाद स्थित गोल्ड ग्राउंड में आयोजित झारखंड मुक्ति मोर्चा के 54 वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ मंत्री योगेंद्र प्रसाद, मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू संग कई मंत्री सांसद, विधायक पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं हजारों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने अपने अविभाषण में कहा कि झारखंड निर्माता आदरणीय शिबू सोरेन की आज सशरीर हमारे बीच नहीं है लेकिन उनका संघर्ष उनके विचारधारा झारखंड के नवनिर्माण में मिल का पत्थर साबित होगा । आज उनके सपनों को साकार करने की जिम्मेदारी हम सब पर है मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी के दूरदर्शी संवेदनशील और सशक्त नेतृत्व में झारखंड में आज विकास सामाजिक न्याय और जनकल्याण के नए आयाम गढ़ रहा है प्रदेश में पिछले 6 सालों में हुए विकास के अभूतपूर्व कार्यों के आज अनुसरण देश ही नहीं विदेशों में भी हो रहा है । हमें हमेशा याद रखना है कि संगठन ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है ।आदरणीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी के कुशल नेतृत्व में झारखंड ने विकास की नई राह पकड़ी है । हमें उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलते हुए राज्य को एक मजबूत समृद्ध और विकसित झारखंड बनाना है । दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी ने हमें जो रास्ता दिखाया है वही हमारा पथप्रदर्शक है । उनके विचार उनका संघर्ष और जनता के प्रति उनकी निष्ठा ही हमारी प्रेरणा है । आइए हम सब मिलकर संगठन को मजबूत करें जनता के विश्वास को और पक्का करें और झारखंड को आगे बढ़ाने का संकल्प लें।● **रिपोर्ट :- गुड्डी साव**

रहस्यमयी तरीके से बसों में लग रही आग की गुत्थी सुलझी

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची के खादगढ़ा बस स्टैंड में खड़ी बसों में रहस्यमयी तरीके से आग लगने की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो जानबूझकर खड़ी बसों को अपना निशाना बना रहा था। पकड़े गए आरोपी की पहचान अर्जुन भोक्ता 32 वर्ष के रूप में हुई है।वह सिकिदरी थाना क्षेत्र के पिपरा टोला का रहने वाला है।उसके पास से माचिस का डिब्बा और लाइटर बरामद हुआ है।

☞ **एक फरवरी को लगी थी पहली आग, छह बसें हुई थी खाक :-** सिटी एसपी पारस राणा ने प्रेस वार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि बीते एक फरवरी को दोपहर करीब 2.30 बजे खादगढ़ा बस स्टैंड में अचानक आग लग गई थी। इस घटना में स्टैंड में खड़ी कुल छह बसें पूरी तरह से जलकर राख हो गई थीं। आग की लपटें आसमान छूने लगी थी। पूरा इलाका धुआं-धुआं हो गया था। जिससे बस स्टैंड में तहलका मच गया था। सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

☞ **दूसरे दिन फिर बस में लगी आग की घटना ने पुलिस को किया सतर्क :-** घटना की जांच अभी चल ही रही थी कि अलगे दिन यानी 2 फरवरी को बस टर्मिनल के सामने खड़ी एक सीटी बस (रजिस्ट्रेशन नंबर JH01AF-6969) में फिर आग लग गई। लेकिन इस बार समय रहते आग बुझा ली गई, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। लगातार हो रही घटनाओं से पुलिस को किसी साजिश की आशंका हुई। जिसके बाद पुलिस एक्टिव मोड में आ गई।

☞ **ब्ल्न्ट फुटेज में दिखी पूरी वारदात :-** दोनों घटनाओं की जांच के दौरान पुलिस ने बस स्टैंड और आसपास लगे CCTV कैमरों के फुटेज खंगाले। फुटेज में साफ दिखाई दिया कि आग लगने से कुछ देर पहले एक व्यक्ति हाथ में कपड़ा लेकर बस के अंदर गया। कुछ मिनट बाद वह व्यक्ति खाली हाथ बाहर निकला। उसके बाहर निकलते ही बस से धुआं उठने लगा और फिर बस में आग लग गई।

☞ **पुलिस ने आगे जांच की तो 1 फरवरी को हुई घटना में भी वही युवक आया नजर :-** पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि एक फरवरी को जिस बस में सबसे पहले आग लगी थी, उसके पास से भी यही व्यक्ति घटना से करीब पांच मिनट पहले गुजरता हुआ दिखाई दिया था। इसके बाद पुलिस ने फुटेज के आधार पर संदिग्ध की पहचान कर उसे हिरासत में ले लिया।

☞ **नशे की हालत में था आरोपी, माचिस और लाइटर बरामद :-** एसपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी अर्जुन भोक्त नशे की हालत में पाया गया। अत्यधिक नशे में होने के चलते वह ठीक से कुछ बता नहीं पा रहा था। पूछताछ के दौरान उसने अलग-अलग बयान दिए। आरोपी के पास से एक माचिस का डब्बा और एक लाइटर बरामद किया गया है। वहीं, बस के अंदर से जला हुआ कपड़ा भी पुलिस ने जब्त किया है। इस मामले को लेकर लोअर बाजार थाना में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी ने यह हरकत अपनी मर्जी से की है या किसी के कहने पर नशे की हालत में किया है। वही सिटी एसपी पारस राणा ने आगे कहा कि खादगढ़ा बस स्टैंड और उसके आसपास की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जाएगी। भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों, इसके लिए अतिरिक्त कदम उठाए जाएंगे।●

हज यात्रियों को दूसरे राज्यों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा : मंत्री

● गुड्डी साव

मधुपुर सूबे के अल्पसंख्यक कल्याण व जल संसाधन विभाग के मंत्री हफीजुल हसन ने कहा है कि झारखंड राज्य से हज उड़ान को पुन: प्रारंभ कराने के संबंध में मेरे द्वारा किए गए अनुरोध पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु ने सकारात्मक संज्ञान लिया है। इस विषय में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा सूचित किया गया है कि हज संचालन से संबंधित नोडल मंत्रालय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार है। झारखंड से हज एम्बार्केशन प्वाइंट के पुन: सक्रिय किए जाने के अनुरोध को आगे की आवश्यक कार्यवाही और विचारार्थ अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय को अग्रसारित कर दिया गया है। यह झारखंड के हज यात्रियों की सुविधा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राज्य के हजारों हज यात्रियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा, जिससे उन्हें दूसरे राज्यों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। हम इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत रहेंगे और झारखंड के हज यात्रियों के हित में हर संभव कदम उठाएंगे।●

రామ్మోహన్ నాయుడు కింజరాపు
राममोहन नायडू किंजरापु
RAMMOHAN NAIDU KINJARAPU

नागर विमानन मंत्री
भारत सरकार
Minister of Civil Aviation
Government of India

D.O. No. AV-17046/47/2025-AI/220797-f

30 November, 2025

Dear Md. Hafizul Hassan ji,

Please refer to your letter No. 541 dated 06.10.2025 requesting for re-activation of Ranchi Embarkation Point for Haj Pilgrimage.

In this regard, I would like to inform you that Ministry of Minority Affairs is the Nodal Ministry for Haj Operations. Accordingly, your request has been forwarded to Ministry of Minority Affairs for consideration.

With warm regards,

Yours sincerely,

(Rammohan Naidu Kinjarapu)

Md. Hafizul Hassan,
Hon'ble Minister of Minority Welfare and,
Water Resources Department,
Government of Jharkhand
Project Bhawan, Dhurva, Ranchi,
Ground Floor, Room No. 07

Ministry of Civil Aviation : Room No. 291, B-Block, Rajiv Gandhi Bhawan, Safdarjung Airport, New Delhi-110003
Tel. : 91-11-24610350, 24632991, Fax : 91-11-24610354

लापता 10 बिरहोर बच्चे सकुशल बरामद

● ओम प्रकाश

कोडरमा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय के 10 लापता बच्चों को महज 24 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर बड़ी सफलता हासिल की है। जानकारी के अनुसार, जयनगर थाना क्षेत्र के ग्राम गडियाही, खरपोका स्थित बिरहोर टोला से ये सभी बच्चे एक साथ लापता हो गए थे। इस संवेदनशील मामले को लेकर कोडरमा पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। एसपी ने बताया कि 6 फरवरी 2026 को बिरहोर टोला निवासी राजेश बिरहोर समेत ग्रामीणों ने संयुक्त आवेदन देकर पुलिस को सूचना दी थी कि 31 जनवरी 2026 को गांव के लोग परसाबाद में आयोजित एक श्राद्धकर्म में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम के बाद गांव के सभी वयस्क सदस्य वापस लौट आए, लेकिन 10 बच्चे घर नहीं पहुंचे। सूचना मिलते ही जयनगर थाना में मामला दर्ज करते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी। एसपी के नेतृत्व में कुल 8 विशेष टीमों का गठन किया गया। इसमें 3 पुलिस उपाधीक्षक, 3 पुलिस निरीक्षक, 8 अवर निरीक्षक, सशस्त्र बल और तकनीकी शाखा के कर्मियों को शामिल किया गया। खोज अभियान के दौरान गया से लेकर

आसनसोल और रांची तक रेलवे स्टेशनों का भौतिक सत्यापन किया गया। साथ ही सीसीटीवी फुटेज की जांच, बस स्टैंड, हाट-बाजार, होटल और ढाबों में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। इसके अलावा, बच्चों की तलाश के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। पुलिस ने विभिन्न राज्यों के चाइल्ड वेलफेयर कमिटी, एनजीओ, जीआरपी और आरपीएफ के साथ लगातार समन्वय बनाए रखा। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि सभी बच्चे गया, बिहार में पाए गए हैं। सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस अधीक्षक स्वयं टीम के साथ गया स्थित बाल गृह पहुंचे। वहां जांच के दौरान यह पुष्टि हुई कि 2 फरवरी 2026 को बच्चे मुफस्सिल और परैया थाना क्षेत्र में मिले थे और चाइल्ड वेलफेयर कमिटी के आदेश पर सुरक्षित रखे गए थे। इसके बाद सभी बच्चों की पहचान सुनिश्चित कर उन्हें सकुशल कोडरमा लाया गया। विधिसम्मत प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायालय के माध्यम से बच्चों को उनके परिजनों को सौंपा जा रहा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एसपी अनुदीप सिंह ने स्पष्ट किया कि बरामद सभी 10 बच्चे पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि यह पूरी कार्रवाई कोडरमा पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया, मानवीय संवेदनशीलता, तकनीकी दक्षता और अंतरराज्यीय समन्वय का सशक्त उदाहरण है। ●

मंत्री दीपिका पांडेय ने सीएसओ के प्रतिनिधियों से की मुलाकात

● गुड्डी साव

रांची में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और सिविल सोसाइटी संगठनों की अहम बैठक में मनरेगा की मजबूती उसके अधिकार आधारित स्वरूप और संरक्षण को लेकर साझा सहमति बनी। सिविल सोसाइटी ने मनरेगा बचाने के लिए कांग्रेस के अभियान को समर्थन देने और आगे मिलकर काम करने का फैसला किया। बैठक में स्पष्ट किया गया कि अब G RAM G मनरेगा के अधिकार आधारित स्वरूप को कमजोर करता है और इसे वापस लिया जाना चाहिए काम मांगो अभियान को और तेज करने सोशल ऑडिट मजबूत करने और जमीनी स्तर पर समन्वित कारवाई पर सहमति बनी।

❖ **काम मांगो अभियान झारखंड :-**

- ☞ 4080 पंचायते
- ☞ 1.74 लाख प्रतिभागी
- ☞ 1.03 लाख काम की मांग
- ☞ 17,914 नए जॉब कार्ड
- ☞ 52% जॉब कार्ड महिलाओं के नाम

❖ **मनरेगा मजदूरों का हक है, और इसे कमजोर नहीं होने दिया जाएगा :-** मंत्री दीपिका पांडे ने अपने अभिभाषण में कहा कि मनरेगा को मजबूत करने के लिए महिला मीट्स को जोड़ा गया है उसके आने से व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ी और भ्रष्टाचार फैलाने वालों पर प्रभावी नियंत्रण संभव हुआ। झारखंड की प्रगति महिलाओं की भागीदारी से ही तेज होती है जब महिलाएं आगे बढ़ती है तो विकास दो गुना नहीं चौगुना होता है

क्यूंकि वह पूरे परिवार और समाज को साथ लेकर चलती है। शुरुआत में चुनौतियां थी लेकिन आज आपके काम ने भरोसा और सम्मान दोनों हासिल किया है जो सवाल और बातें थी वह आपके काम ने खामोश कर दी है। हम चाहते हैं कि ग्राम सभा से पहले महिलाओं और बच्चों की ग्राम सभा हो ताकि उनकी आवाज सीधे फैसलों में दिखे सरकार का संकल्प है आपकी आवाज सुनी जाए अवसर खुले रहे और आप मनरेगा को जमीन पर और अधिक सशक्त बनाएं। ●

चोरी की घटना को अंजाम देने वाले गिरोह का पर्दाफाश

● **ओम प्रकाश**

राजधानी राँची में पुलिस ने रेकी कर बंद घरों में चोरी की वारदात को अंजाम देकर जेवर और नकदी उड़ाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। इसमें जेवर दुकानदार भी शामिल है। बता दे कि नामकुम थाना क्षेत्र में हुई तीन गृहभेदन और चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक संगठित गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के नाम फिरदोस अली (19) और जेवर दुकानदार दिलीप सोनी (37) हैं। दोनों का आपराधिक इतिहास रहा है और पहले भी चोरी व ज्वेलरी खपाने के मामलों में जेल जा चुके हैं। फिरदोस अली नामकुम थाना क्षेत्र के मौलाना आजाद कॉलोनी का रहने वाला है। वहीं, दिलीप सोनी का घर लालपुर थाना क्षेत्र के लोहरा कोचा में है।

❖ **एसआईटी का गठन और धराये संदेही** :- इस पूरे मामले का खुलासा रांची के रुरल एसपी प्रवीण पुष्कर ने किया। उन्होंने बताया कि लगातार हो रही चोरी की वारदातों को एसएसपी राकेश रंजन ने गंभीरता से लिया और एसआईटी का गठन किया गया। जिसके बाद ग्रामीण एसपी की निगरानी में मुख्यालय डीएसपी के नेतृत्व में एसआईटी गठित की गई। टीम ने तकनीकी और मानवीय दोनों स्तर पर जांच शुरू की और संदिग्धों पर नजर रखते हुए दबिश देकर दोनों आरोपियों को दर दबोचा।

❖ **गिरोह के और भी सदस्य रडार पर** :- एसपी के अनुसार गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान कर ली गई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही इस नेटवर्क की पूरी तस्वीर सामने आ जाएगी।

❖ **बंद घरों की रेकी कर देते थे चोरी की घटना को अंजाम** :- एसपी प्रवीन पष्कर ने बताया कि चोर गिरोह में आधा दर्जन से अधिक अपराधी शामिल हैं। ये बंद घरों की रेकी करते हैं। इसके बाद चोरी की घटना अंजाम देते हैं। गिरोह के सदस्य मोहल्लों में घूमकर यह

देखते थे कि कौन-सा घर दिन में खाली रहता है। रेकी के बाद मौका मिलते ही ताला तोड़कर अंदर घुस जाते थे। ये ज्यादातर जेवर और नकदी चुराते हैं। एसपी ने आगे बताया कि चोरी के गहनों को कांटाटोली स्थित "मां ज्वेलर्स" में बेचा जाता था। जेवर दुकान मालिक दिलीप सोनी गहनों को सस्ते दाम में खरीदकर तुरंत गला देता था और उसी सोने से नए जेवर बनाकर बाजार में ऊंचे दाम पर बेच देता था।

❖ **क्या-क्या मिला पुलिस को** :- छापेमारी में पुलिस ने बड़ी मात्रा में गहने और सोना बरामद किया है। इनमें करीब 15.40 ग्राम गलाया हुआ सोना पत्तर और स्क्रैप, लगभग 18 ग्राम की बड़ी और छोटी अंगूठियां, मंगलसूत्र का लॉकेट, नथिया, दोलना मिलाकर करीब 23.10 ग्राम, भगवान व अन्य डिजाइन के लॉकेट (करीब 8.5 ग्राम), कान की बाली और टॉप्स (करीब 22 पीस), लगभग 33.5 ग्राम चांदी जैसे आभूषण, एक रजिस्टर, जिसमें मोबाइल नंबर दर्ज हैं और ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन शामिल है।●

❖ **छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी एवं बल** :-

☞ श्री अमर कुमार पाण्डेय, वरीय पुलिस उपाधीक्षक, मुख्यालय-1
☞ श्री मनोज कुमार, पु०नि० सह थाना प्रभारी, नामकुम थाना
☞ पु0अ0नि0 शशि रंजन
☞ पु0अ0नि0 गौतम कुमार
☞ पु0अ0नि0 सोनु कुमार दास
☞ स0अ0नि0 देवेन्द्र कुमार सिंह
☞ स0अ0नि0 जयप्रकाश कुमार
☞ स0अ0नि0 उज्जवल कुमार सिंह
☞ नामकुम थाना रिर्जव गार्ड के सशस्त्र बल

सीसीएल क्षेत्रों में सिलाई प्रशिक्षण पूर्ण

● **गुड्डी साव**

अर्पिता महिला मंडल अध्यक्षा श्रीमती प्रीति सिंह के मार्गदर्शन में सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में 4 फरवरी को आयोजित सिलाई मशीन प्रशिक्षण कार्यक्रम इस वर्ष सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण उपरांतआयोजित परीक्षा में 21 प्रतिभागियों ने सफलता प्राप्त की, जिन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इसके साथ ही उत्तीर्ण लाभार्थियों को सिलाई मशीन एवं सिलाई किट का वितरण भी किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सीसीएल के सीएसआर विभाग एवं सृजन संस्था के समन्वय से संचालित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को व्यावसायिक कौशल से सशक्त बनाकर उन्हें स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना था। प्रशिक्षण अर्पिता महिला मंडल की अध्यक्ष प्रीति सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। अर्पिता महिला मंडल ने आश्वासन दिया कि भविष्य में प्रशिक्षित महिलाओं को कार्य के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे तथा उन्हें भी प्रदान नियमित मार्गदर्शन किया जाएगा, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर अपनी स्थायी आजीविका विकसित कर सकें। उल्लेखनीय है कि अर्पिता महिला मंडल बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गों के कल्याण हेतु निरंतर सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाता आ रहा है। मंडल की सदस्याएँ समाज सेवा के कार्यों में अपने निजी संसाधनों एवं स्वैच्छिक योगदान के माध्यम से भागीदारी निभाती हैं और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए सतत प्रयासरत हैं।●

पत्रकार से जनसेवक बनने की राह पर सीमा कच्छप

● ओम प्रकाश

सालों तक हाथ में माइक और कैमरा लेकर लोगों के दुख-दर्द को दुनिया तक पहुंचाने वाली सीमा कच्छप आज एक नई भूमिका में सामने हैं। वार्ड संख्या 53 से नामांकन दाखिल करते वक्त उनके चेहरे पर आत्मविश्वास था, लेकिन आंखों में अब भी वही संवेदनशीलता झलक रही थी, जो एक पत्रकार की पहचान होती है। यह सिर्फ एक नामांकन नहीं था। यह उस संघर्ष की शुरुआत थी, जो उन्होंने वर्षों तक दूसरों की आवाज बनकर जिया है।

☞ **जब खबरें बनती रहीं, लेकिन हालात नहीं बदले :-** सीमा कच्छप ने अपने पत्रकारिता जीवन में सैकड़ों खबरें कीं। कहीं सड़क टूटी थी, कहीं पानी नहीं था, कहीं बुजुर्ग पेंशन के लिए भटक रहे थे, तो कहीं बच्चे अंधेरे में पढ़ाई कर रहे थे। वह बताती हैं, "हम खबर तो दिखाते थे, अधिकारी बयान दे देते थे, लेकिन कुछ दिन बाद सब वैसा ही रह जाता था।" हर अधूरी समस्या उन्हें भीतर तक परेशान करती थी। उन्हें लगता था कि कहीं न कहीं व्यवस्था में कुछ कमी है, जिसकी वजह से आम आदमी की आवाज दब जाती है।

☞ **बांस के खंभों पर टिकी उम्मीदें :-** वार्ड 53 के कई इलाकों में आज भी लोग बांस के सहारे बिजली की तार खींचे हुए हैं। बारिश हो या तेज हवा, हर वक्त हादसे का डर बना रहता है। सीमा याद करती हैं, "एक मां ने मुझसे कहा था, दीदी, रात में डर लगता है कि कहीं करंट न लग जाए। बच्चों को मोमबत्ती में पढ़ाना पड़ता है।" वह दृश्य आज भी उनके मन में ताजा है। शायद वही पल उनके भीतर बदलाव का बीज बो गया।

☞ **बसारगढ़ : जो चुनाव में शामिल, सुविधा में बाहर :-** बसारगढ़ इलाका वर्षों से उपेक्षा का शिकार रहा है। वोट के समय यह

नगर निगम क्षेत्र बन जाता है, लेकिन विकास के समय इसे बाहर कर दिया जाता है। यह दोहरापन वहां के लोगों को सबसे ज्यादा चुभता है। एक बुजुर्ग कहते हैं, "हम वोट भी देते हैं, टैक्स भी देते हैं, फिर भी हमें कहा जाता है कि आप सीमा में नहीं आते।" सीमा ने इस दर्द को नजदीक से महसूस किया है।

☞ **जब पत्रकार का दिल राजनीति से टकराया :-** सीमा कहती हैं, "मैं हमेशा सोचती थी कि मेरा काम सवाल पूछना है, जवाब देना नहीं। लेकिन एक दिन लगा कि सिर्फ सवाल से पेट नहीं भरता, न सड़क बनती है, न नल से पानी आता है।" यहीं से उनके मन में एक नया विचार जन्मा। अगर व्यवस्था नहीं सुन रही, तो क्यों न उसी व्यवस्था का हिस्सा बनकर बदलाव लाया जाए। यह फैसला आसान नहीं था। पत्रकारिता छोड़कर राजनीति में आना जोखिम भरा था। आलोचना होगी, शक होंगे, सवाल उठेंगे। लेकिन उन्होंने डर से ज्यादा भरोसा चुना।

☞ **जनता के बीच से निकली, जनता के लिए लड़ी :-** नामांकन के दिन उनके साथ कोई बड़ा काफिला नहीं था। न ढोल, न शोर। बस कुछ समर्थक और बहुत सारी उम्मीदें। महिलाएं, बुजुर्ग, युवा सभी उन्हें देखने आए थे। कोई कह रहा था, "कम से कम हमारी बात सुनने वाली तो आएगी।" यही विश्वास उनकी सबसे बड़ी पूंजी है।

☞ **अब खबर नहीं, बदलाव लिखना चाहती हैं सीमा :-** सीमा कच्छप आज खुद को नेता नहीं, सेवक मानती हैं। वह कहती हैं, "मैं अब खबर नहीं लिखना चाहती, मैं बदलाव लिखना चाहती हूं, लोगों की जिंदगी में।" उनका सपना है कि वार्ड 53 में हर घर तक बिजली पहुंचे, हर गली पक्की हो, हर बच्चे को बेहतर माहौल मिले।

☞ **एक नई उम्मीद का नाम : सीमा कच्छप :-** सीमा की कहानी सिर्फ चुनाव लड़ने की नहीं है। यह उस आम लड़की की कहानी है, जिसने माइक से शुरुआत की और अब जिम्मेदारी तक पहुंचने का साहस किया। शायद यही लोकतंत्र की असली ताकत है। जहां सवाल पूछने वाली खुद जवाब बन जाए। जहां रिपोर्टर जनप्रतिनिधि बनकर जनता की तकदीर लिखने निकले। वार्ड 53 की गलियों में आज एक नई उम्मीद घूम रही है। नाम है-सीमा कच्छप।●

थार रॉक्स से कुचलकर हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

राजधानी रांची के चुटिया इलाके में 11 फरवरी की रात थार रॉक्स से तांडव मचाने वाले शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार शख्स का नाम अतुल चड्ढा उर्फ आयुष कुमार बताया गया।करीब 32 साल का आयुष चुटिया थाना क्षेत्र के अमरावती कॉलोनी का रहने वाला है। पुलिस ने उसके ब्लैक कलर की थार रॉक्स और सैमसंग कंपनी का स्मार्ट फोन जब्त कर लिया है। पूरे मामले में चौंकाने वाली बात यह है कि यह कोई तेज रफ्तार का कहर या हदसा नहीं, बल्कि सोच-समझ कर किया गया मर्डर है। इस बात का खुलासा रांची के सिटी एसपी पारस राणा ने मीडिया के सामने किया है। सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि मारा गया शख्स धर्मेन्द्र कुमार और आरोपी अतुल चड्ढा उर्फ आयुष कुमार का पुराना याराना था। लेकिन चंद रुपयों की वजह से दोनों के दोस्ती में दरार आ गयी। लंबे वक्त से दोनों के बीच लफड़ा-झगड़ा चल रहा था। बीते 11 फरवरी को चुटिया के अमरावती कॉलोनी में एक गृहप्रवेश का कार्यक्रम था। धर्मेन्द्र और अतुल दोनों अपने दोस्तों के साथ वहां पहुंचे। शुरुआत में तो सब ठीक था, लेकिन थोड़ी ही देर में दोनों के बीच फिर से गाली-गलौज और बहस शुरू हो गई। अतुल गुस्से से लाल-पीला हो गया। इल्जाम है कि अतुल ने आव देखा न ताव, अपने दोस्त के साथ थार रॉक्स गाड़ी धर्मेन्द्र कुमार पर चढ़ा दी। इस हमले में धर्मेन्द्र कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। साथ ही तेज रफ्तार से गाड़ी चलने की वजह से छह और लोग भी गंभीर रूप से घायल हो गए। इधर, वारदात की फैली खबर के बाद चुटिया थाना की पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी अतुल चड्ढा को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ पहले भी कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी की थार रॉक्स और मोबाइल बरामद कर लिया है। ● **रिपोर्ट :- ओम प्रकाश**

दोस्त ने दोस्त को मारी गोली

● **ओम प्रकाश**

राजधानी रांची के रातू थाना क्षेत्र में हुए गोलीबारी की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बता दे कि 02.02.2026 को सूचना प्राप्त हुई कि रातु थाना अंतर्गत ग्राम तिगरा स्थित केवला मोड के पास एक व्यक्ति को गोली मारकर घायल कर दिया गया है। घायल को इलाज के लिए ग्राम तिगरा टोली स्थित अस्पताल ले जाया गया। जिसके बाद घटना की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन के द्वारा पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), प्रवीण पुष्कर राँची के निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक, मु० दितीय राँची के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। गठित छापामारी टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना के अन्य पदाधिकारी के साथ घटना स्थल पर पहुँचकर जायजा लिया और अस्पताल पहुंचकर इलाजरत संदीप टोप्पो पिता चारो भगत ग्राम डंडई हेहल थाना रातु जिला राँची को रिम्स राँची के लिए रेफर किया।रिम्स के इमरजेंसी वार्ड में घायल संदीप टोप्पो ने इलाज के उपरांत होश में आने पर बताया कि दिनांक- 01.01.26 को वह अपने दोस्त आलोक उरांव के पिता की रिटायरमेंट पार्टी में गया था। वहीं पर उसके तीन दोस्त विनीत खलखो, शिवराज उरांव, रोहित तिग्गा भी मौजूद थे। पार्टी के बाद संदीप और उसके दोस्त और घर से थोड़ी दूर पर फिर से पार्टी करने लगे। इसी दौरान पार्टी के दौरान ठंड लगने पर पुआल में आग लगाने की नीयत से पहले फायरिंग की गई। जब आग नहीं लगी तो शराब के शौकीन युवा शराब खरीदने के लिए गाड़ी से देर रात चल पड़े। इसी दौरान गाड़ी की स्पीड को लेकर बकझक हुई। जिसके बाद संदीप के उसके ही दोस्त विनीत खलखो के द्वारा सिर में गोली मार दी गई। गोली मारने के बाद संदीप के दोस्त उसे अस्पताल ले गए और फिर वहां से फरार हो गए। उसके बाद सभी अपने आप को बचाने के लिए विनीत के हथियार को केवला मोड़ के समीप स्थित खटाल के पिछे झाड़ी में छुपा दिये। ताकि लोगों को हम पर शक न हो। घायल संदीप को तीगड़ा स्थित अस्पताल में ईलाज हेतु ले जाने के क्रम में विनित को छोड़कर अन्य सभी दोस्त फिरार हो गये, फिर डॉ० के द्वारा जॉच करने पर संदीप को जिंदा पाते हुए बेहतर ईलाज हेतु रिम्स राँची रेफर कर दिया गया। तत्पश्चात वहॉ पुलिस पहुँच गयी, तब मैं भी संदीप के साथ रिम्स चला गया। संदीप के रिम्स पहुँचने पर पुलिस पुछ-ताछ के लिए मुझे थाना ले आई। पुछ-ताछ के क्रम में मैने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। वहीं मामले की जानकारी मिलने के बाद 04 आरोपियों को

❖ **गिरफ्तार व्यक्ति का विवरण :-**

☞ विनीत खलखो पिता सुचित खलखो ग्राम गडरी भोंडा थाना रातु जिला रॉची।

☞ रोहित तिग्गा उर्फ उरॉव पिता सोमरा उरॉव ग्राम अगडु थाना रातु जिला रॉची।

☞ शिवराज उरॉव पिता विशु उरॉव ग्राम अगडु थाना रातु जिला रॉची।

☞ आलोक उरॉव पिता जगरा उरॉव ग्राम अगडु थाना रातु जिला रॉची।

❖ **जप्त समानो की विवरणी :-**

☞ 7.65 एम0एम0 का एक देशी पिस्टल

☞ 7.65 एम0एम0 का एक जिंदा गोली

☞ 7.65 एम०एम० का दो खोखा

☞ एक वैगनआर कार गाडी सं० JH01 5139

❖ **छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारीकर्मी :-**

☞ श्री अरविन्द कुमार, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) द्वितीय, रॉची।

☞ श्री राम नारायण सिंह, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी रातु थाना।

☞ संतोष यादव, पु०अ०नि० रातु थाना।

☞ अनुरंजन कुमार, पु०अ०नि० रातु थाना।

☞ छोटु कुमार, पु०अ०नि० रातु थाना।

☞ विशेश्वर कुमार, पु०अ०नि० रातु थाना।

☞ महेश प्रसाद कुशवाहा, पु०अ०नि० रातु थाना।

☞ विनित कुमार, पु०अ०नि० रातु थाना।

☞ उमेश कुमार सिंह, पु०अ०नि० रातु थाना।

☞ नरेश कुमार यादव, पु०अ०नि० रातु थाना।

☞ सुनील कुमार सिंह, स०अ०नि० रातु थाना।

☞ मनोज कुमार, स०अ०नि० रातु थाना।

☞ आ0-2997 गुलाम हसनै।

रातू पुलिस के द्वारा गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही आरोपियों के पास से पिस्टल और कारतूस बरामद किए गए है।●

प्रशिक्षु आईपीएस की तत्परता से सकुशल परिजनों के पास पहुंची युवती

राजधानी रांची में प्रशिक्षु आइपीएस साक्षी ने अपनी तत्परता से भटकती हुई युवती को सकुशल उसके परिजनों से मिलाया। बता दे कि 5 जनवरी को हाईवे पेट्रोल न0-14 के द्वारा तुपुदाना ओ०पी० क्षेत्र में एक युवती को भटकते हुए देखा गया, जिसके उपरांत उक्त युवती को सुरक्षा हेतु हाईवे पेट्रोल न0-14 के पुलिस पदाधिकारी द्वारा तुपुदाना ओ०पी० थाना पर लाया गया। पुछताछ के क्रम में युवती ने अपना नाम रजनी लकड़ा पता दिउपाड़ा, महारानीपुर थाना सितापुर जिला सरबुजा. (छत्तीसगढ़) बताया। उसने अपने परिजन का सम्पर्क नम्बर उसके पास नहीं होने की बात भी बतायी। इस संदर्भ में तुपुदाना ओ०पी० में दिनांक 15.01.26 को सन्हा सं0-12/26 दर्ज किया गया। फिर दिनांक 16.01.2026 को समय करीब 22. 20 बजे तुपुदाना ओ०पी० के पुलिस पदाधिकारी द्वारा उक्त लड़की को महिला थाना में सुरक्षार्थ रखने हेतु सुपूर्द किया गया। 17.01.2026 को साक्षी जमुआर, प्रशिक्षु आइपीएस (भा०पु० से०) के भ्रमण के दौरान महिला थाना पहुँचने पर उक्त युवती के संबध में सूचना दिया गया। तत्पश्चात उस युवती से पूछताछ करने के उपरांत घर का सम्पर्क नम्बर नहीं होने की स्थिति में साक्षी जमुआर, प्रशिक्षु आइपीएस नहीं होने की स्थिति में साक्षी जमुआर, प्रशिक्षु आइपीएस (भा०पु० से०) के द्वारा पुलिस अधीक्षक, सरबुजा से सम्पर्क स्थापित करते हुए थाना सीतापुर के माध्यम से उसके परिजनो को सूचना दिया गया। तदोपरांत -18.01.2026 को उक्त युवती के परिजन द्वारा महिला थाना पर पहुँच कर अपनी बेटी रजनी लकड़ा (24 वर्ष) की पहचान की गई, तत्पश्चात महिला थाना के द्वारा रजनी लकड़ा को सकुशल परिजन को सौपा गया। वही लापता युवती के मिल जाने पर परिजनों ने प्रशिक्षु आइपीएस साक्षी जमुआर को दिल से दुआ और धन्यवाद दिया।● **रिपोर्ट :- ओम प्रकाश**

स्मार्ट पुलिसिंग को लेकर DGP-ACS की समीक्षा बैठक

● **ओम प्रकाश**

राजधानी रांची के पुलिस मुख्यालय में बुधवार 11.2.2026 को एक अहम बैठक हुई। यह बैठक DGsP/IGP कॉन्फ्रेंस 2025 के मद्देनजर क्मइतपमपिदह हेतु राज्य स्तर पर की गई समीक्षा के लिए बुलाई गई थी। इसकी संयुक्त अध्यक्षता गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अपर मुख्य सचिव वंदना दादेल और झारखंड की डीजीपी तदाशा मिश्रा ने की। बैठक के दौरान मुख्य सचिव, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग झारखण्ड एवं पुलिस महानिदेशक, झारखण्ड द्वारा संयुक्त रूप से समीक्षा करते हुए दिए गए निम्नांकित दिशा-निर्देश :-

☞ सभी पुलिस अधीक्षक DGsP/IGsP Conference 2025 के सभी बिन्दुओं पर, थाना स्तर पर, अनुपालन कराना सुनिश्चित करेंगे।

☞ नये अपराधिक कानून (न्याय संहिता) का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।

☞ सभी पुलिस अधीक्षक, बीट पुलिसिंग एवं सामुदायिक सहभागिता पर बल देना सुनिश्चित करेंगे।

☞ सभी क्षेत्रीय, जिला एवं थाना स्तर पर सम्मेलन आयोजित किए जाए ताकि नवीनतम परिणाम प्राप्त हो सके।

☞ सभी पुलिस अधीक्षक को गिरफ्तारी केंद्रित पुलिसिंग के बजाय दोषसिद्धि-उन्मुख जांच पर ध्यान केंद्रित करना सुनिश्चित करें।

☞ नक्सल प्रभावित जिलों में कल्याण, युवा सहभागिता, खेल और सांस्कृतिक पर ध्यान केंद्रित करना सुनिश्चित करें।

☞ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यमों से पुलिस के अच्छे कार्यो का अनिवार्य रूप से प्रचार-प्रसार करना सुनिश्चित करें।

☞ खुफिया जानकारी जुटाने और जांच के लिए NATGRID, NAFIS, CCTNS, ई-कोर्ट और Al-enabled analytics का प्रभावी उपयोग करना सुनिश्चित करें।

☞ बीट पुलिसिंग/सामुदायिक पुलिसिंग को प्रभावी रूप से मजबूत करते हुए ध्यान केंद्रित करना सुनिश्चित करें।

☞ मादक पदार्थो के नेटवर्क, साइबर धोखाधड़ी और सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर आम जनता को जागरूक करते हेतु प्रचार-प्रसार करना सुनिश्चित करें।

☞ भारत सरकार के द्वारा निर्दिष्ट I-Got पोर्टल पर सभी अनुसंधानकर्ता के प्रशिक्षण की प्रगति का आंकलन करते हुए प्रशिक्षण प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

☞ टूरिस्ट पॉलिसी के अंतर्गत पर्यटक एवं पुलिस के बीच आपसी समन्वय स्थापित कर उनकी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

☞ सभी अनुसंधानकर्ता ई-साक्ष्य ऐप का शत् प्रतिशत अनुपालन करना सुनिश्चित करें।

☞ अफीम की खेती को लेकर Anti Drug Strategy का रूपरेखा तैयार कर आम जनता को अफीम के दुष्प्रभाव को लेकर व्यापक रूप से जागरूक करने हेतु अभियान चलाया जाय। पोक्सो एक्ट के अंतर्गत दर्ज कांडों के क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति।

☞ अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत दर्ज कांडों के क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति।

☞ उग्रवादियों के आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति का शत प्रतिशत क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति।

☞ महिला सुरक्षा से संबंधित सभी प्रकार के अपराध के मद्देनजर सभी प्रकार का वांछित कार्रवाई सुनिश्चित किया जाये।

इस बैठक में श्रीमती वंदना दादेल अपर मुख्य सचिव, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग झारखण्ड सरकार, श्रीमती तदाशा मिश्र, महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक झाखण्ड, श्री टी० कंदसामी, अपर पुलिस महानिदेशक, अभियान, झारखण्ड, श्री क्रांति कुमार गड़िदेशी, पुलिस महानिरीक्षक, मानवाधिकार (DGsP/IGSP Conference Secretary), झारखण्ड, श्री अखिलेश कुमार झा, निदेशक, झारखण्ड पुलिस अकादमी हजारीबाग, श्री प्रभात कुमार, पुलिस महानिरीक्षक, विशेष शाखा, झारखण्ड, श्री असीम विक्रांत मिंज, पुलिस महानिरीक्षक, अप०अनु०वि०, झारखण्ड, श्रीमती ए० विजयालक्ष्मी, पुलिस महानिरीक्षक, प्रशिक्षण, झारखण्ड, श्री सुदर्शन मंडल, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, झारखण्ड, श्री अनुप बिरथरे, पुलिस महानिरीक्षक, एस०टी०एफ०, झारखण्ड, श्री पटेल मयूर कनैयालाल, पुलिस महानिरीक्षक, प्रोविजन, झारखण्ड, श्री अजय कुमार लिंडा, पुलिस महानिरीक्षक, अप०अनु०वि०, श्री इंद्रजीत माहथा, पुलिस उप-महानिरीक्षक, एस०टी०एफ०, जगुआर, श्री वाई०एस० रमेश, पुलिस उप-महानिरीक्षक, एस०सी०आर०बी०, झारखण्ड, श्री एस० कार्तिक, पुलिस उप-महानिरीक्षक, झा०स०पु०, झारखण्ड, श्री संजीव कुमार, पुलिस उप महानिरीक्षक, एस०आई०वी०, झारखण्ड, श्री सुरेन्द्र कुमार झा, पुलिस उप-महानिरीक्षक, कार्मिक, झारखण्ड, श्री चौथे मनोज रतन, पुलिस उप-महानिरीक्षक ,एस०आई०बी०, झारखण्ड, श्रीमती संध्यारानी मेहता, पुलिस उप-महानिरीक्षक, बजट, झारखण्ड, श्री चंदन कुमार झा. पुलिस उप महानिरीक्षक, अप०अनु०वि०, झारखण्ड, श्री अरविंद कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा, राँची, श्री नाथु सिंह मिणा, पुलिस अधीक्षक, एस०आई०बी० भौतिक रूप से एवं वीडियों कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से सभी प्रक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक/क्षेत्रीय पुलिसउप-महानिरीक्षक/वरीय पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक (जे०ए० पी०टी०सी०, पदमा सहित) उपस्थित रहे।●

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा
ज्योतिषचार्य
(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)
ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान
प्रताप चौक, सहरसा-852201,
(बिहार)
मो० :- 9470480168

मेष राशि :- इस महीने आपको करियर, आर्थिक और स्वास्थ्य जीवन में जहाँ उतार-चढ़ाव से दो-चार होना पड़ सकता है, तो वहीं प्रेम, वैवाहिक जीवन के साथ-साथ छात्रों के लिए ये माह अच्छा साबित होगा, मेष राशि के जातकों को इस पूरे ही माह करियर के लिहाज से थोड़ा संभलकर रहने की जरूरत होगी,आपको धन से जुड़े कुछ मामलों में सोच-विचार कर चलना होगा,इस माह में अनुकूल परिणामों की प्राप्ति होगी।

वृषभ राशि :- इस माह कार्यक्षेत्र में कई बदलाव आपको देखने को मिलेंगे,व्यापारी वर्ग के लोगों को भी सावधानी बरतने की जरूरत होगी, क्योंकि संभावना है कि आप किसी सरकारी पचड़े में फँस सकते हैं,इस माह आपको अपना धन संचय करने की जरूरत होगी,छात्रों को इस माह अपनी पढ़ाई-लिखाई पर पहले से अधिक ध्यान देना होगा!

मिथुन राशि :- ये माह आपके लिए मिलाजुला फल कारक रहेगा,वृहस्पति की शुभदृष्टि के प्रभावस्वरूप परिवार में मांगलिक कार्यों का सुअवसर आएगा, शादी विवाह संबंधित वार्ता भी सफल रहेगी, अपने अदम्य साहस पर विषम हालात को भी सामान्य कर लेंगे किंतु तीसरे सप्ताह से पारिवारिक कलह और तनाव की वृद्धि हो सकती है ऐसे में परिवार में अलगाववाद न पैदा होने दें!

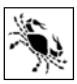

कर्क राशि :- ये माह आपके लिए काफी मिलाजुला फलदायक रहेगा,कार्य व्यापार की दृष्टि से तो बेहतर रहेगा किंतु स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा,अपने और माता पिता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतनशील रहें, आपके अपने ही लोग नीचा दिखाने की कोशिश कर सकते हैं इसलिए अति स्वार्थी लोगों से सावधान रहें, झगड़े विवाद के मामले बाहर ही सुलझा लें तो बेहतर रहेगा।

सिंह राशि :- संपूर्ण माह आपके लिए अच्छी सफलता देगा, कोई भी बड़े से बड़ा कार्य आरंभ करना हो अथवा अनुबंध पर हस्ताक्षर करना हो तो अति उत्तम अवसर है लाभ उठाएं, केंद्र अथवा राज्य सरकार से जुड़े हुए मामलों का निपटारा होगा, चुनाव संबंधी निर्णय लेना चाह रहे हों तो अवसर अच्छा है,अपनी जिद एवं आवेश पर नियंत्रण रखते हुए कार्य करेंगे तो सफलता की संभावना सर्वाधिक रहेगी!

कन्या राशि :- माह के आरंभ में व्यर्थ भागदौड़ और खर्च अधिक होगा, किसी संबंधी अथवा मित्र के द्वारा कष्ट कर समाचार भी मिल सकता है, वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं, दुर्घटना से बचते रहें, स्वास्थ्य विशेष करके बाई आंख का ध्यान रखें, ग्रह गोचर में आए परिवर्तन के फलस्वरुप कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा, विदेशी कंपनियों में सर्विस हेतु आवेदन करना सफल रहेगा।

तुला राशि :- संपूर्ण माह आपके लिए अच्छी सफलता दिलाएगा, नए लोगों से मेलजोल बढ़ेगा,विदेश यात्रा अथवा विदेशी नागरिकता के लिए आवेदन करना चाह रहे हों तो अनुकूल रहेगा, विद्यार्थियों के लिए माह और भी उत्तम है इसलिए किसी भी तरह की प्रतियोगिता में बैठने के लिए अपने आपको तैयार करें,शादी विवाह संबंधित वार्ता सफल रहेगी,ससुराल पक्ष से भी सहयोग की उम्मीद है!

वृश्चिक राशि :- राशि स्वामी मंगल का अशुभ प्रभाव आपकी आने वाली सभी परेशानियों को दूर करेगा,इस अवधि के मध्य किसी को भी अधिक धन उधार के रूप में न दें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी, अपने साहस और पराक्रम के बलपर विषम हालात को सामान्य तो कर लेंगे किंतु परिवार के बड़े सदस्यों से मतभेद गहरा सकता है इसे बढ़ने न दें,ग्रहगोचर में आए परिवर्तन के प्रभाव स्वरूप मकान-वाहन के क्रय का योग बनेगा।

धनु राशि :- इस माह में सामाजिक प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी,आपके द्वारा लिए गए निर्णय और किए गए कार्यों की सराहना भी होगी, विद्यार्थियों के लिए ये माह किसी वरदान से कम नहीं है इसलिए प्रतियोगिता में अच्छी सफलता हासिल करने के लिए पूरी उर्जा लगा दें, प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी विवाह भी करना चाह रहे हों तो अवसर अनुकूल रहेगा, तीसरे सप्ताह से ग्रह गोचर में और परिवर्तन आएगा वो भी शुभ ही रहेगा!

मकर राशि :- संपूर्ण माह आपके लिए मिलाजुला किंतु सफलता दायक रहेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा, आय के साधन बढ़ेंगे,काफी दिनों का दिया गया धन भी वापस आने की उम्मीद कर सकते हैं, झगड़े विवाद से दूर रहें, जमीन जायदाद से संबंधित मामलों का निपटारा होगा,यात्रा देशाटन का लाभ मिलेगा, धर्म-कर्म के मामले में बढ़-चढ़कर रुचि लेंगे और दानपूण्य भी करेंगे। राजनेताओं एवं उच्चाधिकारियों से गहरे संबंध बनेंगे!

कुंभ राशि :- माह के आरंभ से ही ग्रह गोचर अत्यधिक भागदौड़ कराएंगे,भावनाओं में बहकर लिए गए निर्णय आपके अपने लिए ही नुकसान देय रहेगा, विदेशी कंपनियों में सर्विस हेतु आवेदन करना अथवा यात्रा करना सफल रहेगा,प्रतियोगिता में अच्छी सफलता मिलेगी,प्रेम संबंधों में विवाद हो सकता है।

मीन राशि :-आपके लिए माह काफी चुनौतियों भरा हो सकता है विशेषकर के स्वास्थ्य की दृष्टि से अति सावधानी बरतें,साहस पराक्रम की वृद्धि होगी और आपके द्वारा लिए गए निर्णय की सराहना भी होगी,अति उत्साह में परिवार के वरिष्ठ सदस्यों और उच्चाधिकारियों से संबंध बिगड़ने न दें, जमीन जायदाद संबंधी मामलों का निपटारा होगा।

शिवानंद गिरि
(अधिवक्ता)
Ph.- 9308454485
7004408851
E-mail :-shivanandgiri5@gmail.com

✯ एलिबाई कानून क्या है?

'अलीबाई' (अलीबी) या 'प्ली ऑफ एलिबाई' (प्ली ऑफ अलीबी) कानून की एक ऐसी प्रतिरक्षा (डिफेंस) है, जिसका उपयोग आरोपी व्यक्ति यह साबित करने के लिए करता है कि अपराध होने के समय वह घटनास्थल पर नहीं, बल्कि किसी दूसरी जगह पर था। यह लैटिन शब्द है जिसका अर्थ है 'अन्यत्र' (somewhere else)।

❖ **अलीबाई कानून के बारे में मुख्य बातें** :-कानूनी आधार: पहले यह भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 11 (सेक्शन 11 ऑफ इंडियन एविडेंस एक्ट) के तहत आता था। अब, नए कानून भारतीय साक्ष्य अधि नियम, 2023 (भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023) की धारा 9 में इसे शामिल किया गया है।

☞ **उद्देश्य** :- जब अभियोजन पक्ष (प्रॉसिक्यूशन) आरोप लगाता है, तो आरोपी यह दलील देता है कि वह अपराध के समय घटना स्थल से इतना दूर था कि उसका अपराध में शामिल होना असंभव या अत्यधिक असंभव (हाइली इम्प्रोबेबल) था।

☞ **सबूत का भार** :- अलीबाई का दावा करने पर, इसे साबित करने की जिम्मेदारी पूरी तरह से आरोपी पर होती है (भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 103 के तहत)।

☞ **आवश्यकता** :- आरोपी को सबूत (जैसे सीसीटीवी फुटेज, टिकट, होटल रसीद, या गवाह) के साथ यह साबित करना पड़ता है कि वह अपराध के समय वास्तव में दूसरी जगह मौजूद था।

❖ **महत्वपूर्ण बिंदु** :-

दूरी :-सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, यह साबित करने के लिए कि आरोपी घटनास्थल पर नहीं था, उसके लिए घटना के समय एक तर्कसंगत दूरी (आमतौर पर 500 मीटर से अधिक) पर होना जरूरी है।

☞ **समय** :- यह दलील जल्द से जल्द उठाई जानी चाहिए। अगर इसे बहुत बाद में उठाया जाता है, तो अदालत इसे 'बाद का विचार' (आफ्टथॉट) मानकर खारिज कर सकती है।

☞ **निर्दोषता** :-यदि अलीबाई सफलतापूर्वक साबित हो जाती है, तो यह आरोपी की निर्दोषता साबित करने का सबसे अच्छा तरीका माना जाता है। संक्षेप में, अलीबाई कानून का मतलब है: 'मैं वहां नहीं था, क्योंकि मैं कहीं और था।'

✯ बैंक लोन लेने वाले कस्टमर के विधिक अधिकार क्या है ?

बैंक लोन लेने वाले ग्राहक (उधारकर्ता) के पास आरबीआई (आरबीआई). के दिशानिर्देशों के अनुसार कई महत्वपूर्ण कानूनी अधिकार हैं, जैसे सम्मानजनक व्यवहार, लोन की शर्तों के बारे में जानकारी, रिकवरी एजेंटों द्वारा बदसलूकी न किए जाने का अधिकार, संपत्ति के बदले लिए गए लोन में बची हुई राशि वापस पाने का अधिकार, और शिकायत दर्ज करने का अधिकार।

❖ **बैंक लोन लेने वाले कस्टमर के प्रमुख कानूनी अधिकार** :-

☞ **रिकवरी एजेंटों से सुरक्षा** :-रिकवरी एजेंटों को आपको डराने-धमकाने, अपशब्द कहने या अजीब समय पर (सुबह-शाम) कॉल/घर आने का अधिकार नहीं है। उन्हें आपसे सभ्य तरीके से बात करनी चाहिए।

☞ **लोन के नियमों की पूरी जानकारी** :-बैंक को आपको लोन से जुड़ी सभी ब्याज दरों, अतिरिक्त शुल्कों, और नियमों (टर्म्स - कंडीशंस) की लिखित जानकारी देनी अनिवार्य है, जिसमें एपीआर (अप्रैल) भी शामिल है।

☞ **नोटिस का अधिकार** :-लोन डिफॉल्ट होने पर, संपत्ति कुर्क करने या बेचने से पहले बैंक को आपको लिखित में उचित नोटिस देना अनिवार्य है, ताकि आपको लोन चुकाने का मौका मिल सके।

☞ **डेटा गोपनीयता** :-आपकी सहमति के बिना, बैंक आपकी वित्तीय या व्यक्तिगत जानकारी किसी बाहरी व्यक्ति के साथ साझा नहीं कर सकता है।

☞ **शिकायत दर्ज करना** :- यदि बैंक या उसके एजेंट दुर्व्यवहार करते हैं या आरबीआई (आरबीआई) के नियमों का उल्लंघन करते हैं, तो आप बैंक के नोडल अधिकारी के पास, और वहां से समाधान न मिलने पर बैंकिंग लोकपाल (बैंकिंग ओम्बड्समैन) के पास ऑनलाइन शिकायत कर सकते हैं।

☞ **संपत्ति की बिक्री में सरप्लस राशि** :- यदि आपका गिरवी रखा सामान (एसेट) बेचा जाता है, तो लोन राशि काटने के बाद बची हुई रकम आपको वापस मिलनी चाहिए।

☞ **असहज स्थिति में बातचीत** :- यदि आप लोन चुकाने में असमर्थ हैं, तो आप बैंक से पुनर्भुगतान योजना (रिस्ट्रक्चरिंग) या वन टाइम सेटलमेंट (ओट्स) के लिए बातचीत कर सकते हैं।

☞ **ध्यान रखें** :-यदि रिकवरी एजेंट बदसलूकी करते हैं, तो आप उनके खिलाफ पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी (फिर) दर्ज करा सकते हैं।

✯ जीरो एफ.आई.आर.क्या होता है?

जीरो एफआईआर वह शिकायत है जिसे आप किसी भी पुलिस स्टेशन में दर्ज करा सकते हैं, भले ही अपराध आपके क्षेत्राधिकार (जूरिडिक्शन) में न हुआ हो, और इसे कोई नंबर (जैसे 0) नहीं मिलता, बल्कि संबंधित थाने में भेज दिया जाता है, जहाँ असली एफआईआर दर्ज होती है और जांच शुरू होती है, जिसका मुख्य उद्देश्य पीड़ितों को तुरंत न्याय दिलाना है और यह सुनिश्चित करना है कि उन्हें क्षेत्राधिकार के कारण चक्कर न लगाने पड़ें।

☞ **कहीं भी दर्ज कर सकते हैं मुकदमा** :-जब कोई अपराध आपके पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र से बाहर होता है, तब भी आप अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करा सकते हैं.

☞ **कोई नंबर नहीं** :-इसे 'जीरो' इसलिए कहते हैं क्योंकि इसमें कोई नियमित एफआईआर नंबर नहीं होता.

☞ **स्थानांतरण (ट्रांसफर)** :- जीरो एफआईआर दर्ज करने के बाद, पुलिस इसे उस थाने को भेज देती है जहाँ अपराध हुआ था.

☞ **तत्काल कार्रवाई** :-इससे पीड़ित को न्याय मिलने में देरी नहीं होती और पुलिस को तुरंत जांच शुरू करने का मौका मिलता है.

❖ **जीरो एफ.आई.आर क्यों महत्वपूर्ण है** :-

☞ **त्वरित न्याय** :- यह पीड़ित को न्याय दिलाने में तेजी लाता है, खासकर यौन हिंसा जैसे गंभीर मामलों में।

☞ **अधिकार क्षेत्र की बाधा खत्म** :-यह सुनिश्चित करता है कि क्षेत्राधिकार के कारण कोई भी पुलिसकर्मी शिकायत दर्ज करने से मना न करे। नया कानून (बीएनएस) क्या कहता है? नए कानून के तहत, पुलिस किसी भी जीरो एफआईआर को लिखने से मना नहीं कर सकती है और इसे 15 दिनों के भीतर मूल क्षेत्राधिकार वाले थाने में भेजना होगा, और पीड़ित को एफआईआर की कॉपी भी मिलेगी।

जन-जन की आवाज है केवल सच

केवल सच
हिन्दी मासिक पत्रिका

Kewalsachlive.in
वेब पोर्टल न्यूज
24 घंटे आपके साथ

Kewalsach news
Kewalsach news
Mob.: 9431073769, 9308815605
खबर वहीं,
जो केवल सच हो

केवल सच TIMES

आत्म-निर्भर बनने वाले युवाओं को सपोर्ट करें

आपका छोटा सहयोग, हमें मजबूती प्रदान करेगा

BHIM UPI
G Pay paytm

www.kewalsach.com

www.kewalsachlive.in

-: सम्पर्क करें :-

पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, मकान संख्या-28/14,
कंकड़बाग, पटना (बिहार)-800020, मो०:-9431073769, 9308815605

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.

(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD. · Dispersing Happiness

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008